शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, बुधवार 12 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 212 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.8	11.8
डालटनगंज	29.2	10.1
धनबाद	26.8	16.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश
रांची, बुधवार 12 नवंबर, 2025

झारखंड के गौरवशाली 25 वर्षों का जश्न : विकास के नए अध्याय की शुरुआत, प्रचार वाहन रवाना किए

25 वर्षों की यात्रा झारखंड के आत्मगौरव और उन्नति की गाथा है : सीएम

संघर्ष से सशक्तीकरण तक की यात्रा, आदिवासी-मूलवासी समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर

शुभम संदेश। रांची

राज्य स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में मंगलावर को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जन-जागरूकता हेतु संचालित प्रचार वाहनों के रफ्लैग ऑफ़ कार्यक्रमर का आयोजन किया गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. ये प्रचार वाहन राज्य के सभी जिलों, प्रखंडों एवं गांवों में भ्रमण कर झारखंड की 25 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएंगे. इन वाहनों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के सभी वर्गों को राज्य के समेकित विकास में भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा. मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन ने इस अवसर पर समस्त राज्यवासियों को रजत जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 25 वर्षों की यह यात्रा झारखंड के आत्मगौरव और उन्नति की गाथा है. उन्होंने कहा कि जिस संकल्पना के साथ यह राज्य बना था, उसे और गति देने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि रजत जयंती के साथ ही हम सभी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी मनाएंगे, जो झारखंड के आदिवासी-मूलवासी समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है.

झारखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और स्थानीय लोक-संस्कृति की झलक

कार्यक्रम के दौरान झारखंड की विविध संस्कृति, परंपरा और समृद्धि की मनमोहक झलकियां प्रस्तुत की गईं. पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत और झारखंडी वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया. राज्य के कला, संस्कृति और लोकजीवन से जुड़े विभिन्न समूहों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और एकता के संदेश को उजागर किया.इस मौके पर दुमका के संताली बैंड सहित स्थानीय लोक कलाकारों ने सम्मोहक प्रस्तुति दी.इस अवसर पर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बख्शी सहित जनसंपर्क विभाग के पदाधिकारी और अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे.

हजारीबाग जमीन घोटाला मामले में भी चौबे गिरफ्तार रिमांड पर लेने की तैयारी

रांची। जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे को भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को हजारीबाग जमीन घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर लिया. अब उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी है. एसीबी ने सोमवार को कांड संख्या 11/2025 में विनय चौबे की गिरफ्तारी के लिए अदालत में आवेदन दिया था. अदालत ने मंगलवार को इस आवेदन को मंजूर कर लिया, जिसके बाद उन्हें इस केस में औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया. बताया जा रहा है कि यह मामला हजारीबाग जिले में जमीन की खरीद-बिक्री में अनियमितता और गड़बड़ी से जुड़ा है. एसीबी इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और पहले से ही कई अधिकारी और कर्मी इस केस में आरोपित किए जा चुके हैं. विनय चौबे इससे पहले भी भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद हैं. अब इस नए मामले में गिरफ्तारी के बाद उनके लिए कानूनी मुश्किलें और बढ़ गई हैं.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का 10 दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर

एसआइआर के दौरान अलर्ट रहने की जरूरत, चूक हुई तो मतदाताओं का नाम हट सकता है : के राजू

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में संगठन सृजन अभियान के तहत 10 दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है. प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा कि झारखंड में होने वाले एसआइआर में चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर विपक्ष के मतदाताओं को निशाना बनाकर उनके नाम हटा सकते हैं. एसआइआर के समय हमें सचेत रहने की आवश्यकता है. अगर हमसे थोड़ी भी चूक हुई तो मतदाताओं का नाम हट सकता है. प्रत्येक बूथ पर बीएलए को लगातार सक्रिय रहना होगा. मतदाताओं के नाम के पुनरीक्षण के साथ-साथ यह भी देखना होगा कि फर्जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटें. उन्होंने कहा कि एसआइआर के माध्यम से लाखो मतदाताओं का अधिकार छीनने की कोशिश की जाएगी, खासकर झारखंड के आदिवासी, दलित समुदाय और कम शिक्षित लोगों को इसका निशाना बनाया जा सकता है. अतः हमें अपने-अपने क्षेत्र में

पूरी एसआइआर प्रक्रिया के दौरान सक्रिय रहकर आपसी संवाद कायम रखना है.

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन कोडरमा, हजारीबाग, चतरा जिला के पर्यवेक्षक, जिला अध्यक्ष,प्रखंड,मंडल अध्यक्ष, प्रदेश मीडिया व सोशल मीडिया के प्रभारी, अध्यक्ष प्रवक्ता, संयोजकों ने प्रसिक्षण सत्र में भाग लिया. सत्र में उपस्थित नेताओं को जनवरी 2026 से झारखंड में होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में पूरी जानकारी प्रदान की गई. एसआइआर के प्रत्येक पहलू के बारे में बारीकियों के साथ सभी को जानकारी दी गई. एसआइआर के अनुसार मतदाताओं को पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है. हर श्रेणी के लिए आवश्यक 12 दस्तावेजों की संपूर्ण जानकारी दी गई, ताकि मंडल, पंचायत समिति के अध्यक्ष, बूथ लेवल एजेंट अभी से ही सक्रिय रूप से कार्य प्रारंभ करें. प्रत्येक बीएलए को अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ मतदाताओं के पास जाना होगा, तभी वास्तविक स्थिति की जानकारी और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा हो सकती है.

प्रशिक्षण शिविर में प्रमुख रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद, कांग्रेस विधायक दल के नेता नेता प्रदीप यादव, राजीव रंजन प्रसाद, जलेश्वर महतो, भीम कुमार राकेश सिन्हा,सतीश पौल मुंजनी, सोनाल शांति, अमूल्य नीरज खलखो, सूर्यकांत शुक्ला, गजेंद्र सिंह,शांतनु मिश्रा, कामेश्वर गोप, रियाज अंसारी, अभिलाष साहू, भीम कुमार, प्रकाश रजक, भागीरथ पासवान, संजय सेठ मुख्य रूप से उपस्थित थे, जबकि प्रशिक्षक के रूप में तरुण सागर, संजय पॉल, प्रकाश राज मौजूद थे.

बीएलए की नियुक्ति कर सूची जिला निर्वाचन पदाधिकारी के पास जमा करें : केशव महतो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिलों के विभिन्न प्रखंडों और बीएलए नियुक्ति के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि जिस बूथ पर बीएलए की नियुक्ति बाकी है, उसकी नियुक्ति कर इसकी सूची जिला निर्वाचन पदाधिकारी के पास जमा करें. उन्होंने कहा कि देश में हर संवैधानिक अधिकार को भाजपा छीनने का प्रयास कर रही है. एसआइआर के बहाने मतदाताओं का अधिकार छीन कर लोकतंत्र को पंगु बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसका प्रतिकार जारी रहेगा. अपनी तानाशाही नीतियों को जनता पर थोपने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे हैं,चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं भाजपा की जेबी संस्था बन कर रह गई हैं.

एक नजर

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल संतोष गंगावार को स्थापना दिवस समारोह का निमंत्रण दिया

रांची। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की और उन्हें 15 नवंबर को मोरहाबादी में आयोजित 'राज्य स्थापना दिवस समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया. मुख्यमंत्री ने झारखंड विधानसभा द्वारा पारित "झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (विशेष छूट) विधेयक, 2025" पर स्वीकृति प्रदान करने हेतु राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिलीं राज्य की नवनियुक्त प्रभारी पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य की नवनियुक्त प्रभारी पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की. राज्यपाल ने प्रभारी पुलिस महानिदेशक को राज्य में विधि-व्यवस्था को प्रभावी बनाये रखने हेतु आवश्यक निदेश दिए.

राज्यपाल ने झारखंड व्यावसायिक शिक्षण संस्थान (शुल्क विनियमन) विधेयक 2025 की स्वीकृति दी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा द्वारा पारित "झारखंड व्यावसायिक शिक्षण संस्थान (शुल्क विनियमन) विधेयक, 2025" पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है.

पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज, याचिकाकर्ता पर दो लाख रुपये का जुर्माना

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता विनोद चौधरी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. याचिका में आरोप लगाया गया था कि पूर्व मंत्री ने सरकारी राशि का उपयोग अपने निजी शैक्षणिक संस्थान में किया था.मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने इस पर सुनवाई की. कोर्ट ने याचिका को निराधार बताते हुए इसे खारिज कर दिया और जुर्माने की राशि हाईकोर्ट एडवोकेट क्लर्क एसोसिएशन के कोष में जमा करने का निर्देश दिया. इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा.

स्वास्थ्य मंत्री ने जामताड़ा की 60 बहनों को सिलाई मशीनें प्रदान कीं

शुभम संदेश। जामताड़ा/रांची

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री एवं जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को जामताड़ा प्रखंड परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 60 महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान कीं. इस अवसर पर मंत्री डॉ अंसारी ने कहा कि "नारी शक्ति को सशक्त बनाना मेरा संकल्प है. हर घर में हुनर, हर बहन के हाथ में रोज़गार और समाज में उनका सम्मान सर्वोपरि है. आने वाले समय में महिलाओं के लिए और भी अधिक प्रशिक्षण, संसाधन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि जामताड़ा की बेटियां और बहनें आत्मनिर्भर बनकर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें.

डॉ. अंसारी ने आगे कहा कि जब से वे विधायक बने हैं, उन्होंने जामताड़ा की महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने का सतत प्रयास किया है. आज इसका परिणाम यह है कि जामताड़ा की महिलाएं हर क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपनी भूमिका को मजबूती से निभा रही हैं. "मुझे गर्व है कि एक सर्वे के अनुसार, झारखंड में महिलाओं की भागीदारी के मामले में जामताड़ा अव्वल स्थान पर है. यह हमारी सामूहिक सफलता है और मैं वादा करता हूं कि आगे आने वाले सभी विकास योजनाओं में हमारी माताओं और बहनों की भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी. कार्यक्रम में जामताड़ा आईटीडीए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर जुगनू मिंज, सीओ अविश्वर मुर्मू, प्रमुख लखिमनी सोरेन, आनंद टुडू सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे.

झारखंड के रजत जयंती पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच का 13 से 16 नवंबर तक प्रांतीय कार्यक्रम

राज्य के विकास, सेवा भावना, शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और युवा शक्ति को समर्पित रहेगा चार दिवसीय कार्यक्रम

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे हुए. रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा 13 से 16 नवंबर तक चार दिवसीय प्रांतीय कार्यक्रम की श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है. प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाडिया ने बताया कि यह आयोजन राज्य के विकास, सेवा भावना, शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और युवा शक्ति को समर्पित रहेगा. इस अवसर पर मंच की 83 शाखाएं एक साथ मिलकर पूरे राज्य में विविध सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी. सभी सहभागी

शाखाओं को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे, जबकि चारों कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित करने वाली शाखाओं को प्रांतीय लघु अधिवेशन में सम्मानित किया जाएगा. जो शाखाएं इन आयोजनों को अभिनव एवं विशेष रूप से संपन्न करेंगी, उन्हें 'विशेष सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा.

प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के सूचना जनसंपर्क के प्रांतीय संयोजक अमित शर्मा ने चार दिवसीय कार्यक्रम जानकारी दी. बताया कि राज्यभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन कर एक बूंद रक्त अनेक जीवन की आस का संदेश दिया जाएगा. जन सेवा के तहत असहाय एवं जरूरतमंदों के बीच भोजन सामग्री और पुराने वस्त्रों का वितरण किया जाएगा.

शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के तहत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यभर की शाखाओं द्वारा वंदे मातरम् शुद्ध उच्चारण एवं भावपूर्ण गायन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता (विषयः हर बच्चा विशेष होता है और वंदे मातरम् का महत्व) आयोजित की जाएगी. युवा विकास एवं खेलकूद के तहत निबंध प्रतियोगिता (विषयः समृद्ध और विकसित झारखंड की परिकल्पना हमारे सपने और योगदान) का आयोजन होगा. खेल,शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया जाएगा. चारों कार्यक्रम के अलग अलग प्रांतीय संयोजक होंगे. दिव्या वर्मा –जन सेवा, मुकेश अग्रवाल- शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता, पिंकेश खंडेलवाल- रक्तदान, नीरज अग्रवाल– युवा विकास एवं खेलकूद के संयोजक होंगे. बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाडिया, उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास झाझरिया, सह सचिव विकास अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक अमित शर्मा, रांची शाखा के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल,सचिव निकुंज पोद्दार,विकास अग्रवाल मौजूद थे.

आपत्तिजनक वीडियो के बाद फिर प्रशासनिक फेरबदल

एक सप्ताह में ही बदले गए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के सहायक जेलर

दिनेश वर्मा धनबाद स्थानांतरित, लव कुश को मिली रांची की जिम्मेदारी

शुभम संदेश। रांची

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, रांची में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है. महज एक सप्ताह पहले निलंबन से मुक्त कर रांची जेल में पदस्थापित किए गए सहायक जेलर दिनेश कुमार वर्मा को अब धनबाद स्थानांतरित कर दिया गया है. वहीं गुमला में तैनात लव कुश कुमार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा का नया सहायक जेलर बनाया गया है.

वीडियो वायरल होने पर हुई थी कार्रवाई: बीते दिनों बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था. वीडियो में झारखंड के सबसे बड़े जेल में बंद शराब घोटाले के आरोपी विधु गुप्ता और जीएसटी घोटाले के आरोपी विक्की भलोटिया कथित तौर पर डांस करते नजर आ रहे थे.इस वीडियो के सामने आने के बाद राज्य सरकार के गृह विभाग ने तत्कालीन सहायक जेलर देवनाथ राम और जमादार विनोद कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था. इसके बाद दिनेश वर्मा को उनकी जगह नियुक्त किया गया था.

राज्य के किसी भी केंद्रीय कारा में नहीं हैं नियमित जेलर: ज्ञात हो कि झारखंड के किसी भी केंद्रीय कारा में फिलहाल नियमित जेलर की नियुक्ति नहीं है. हजारीबाग, रांची, घाघीडीह, देवघर, डालटेनगंज और दुमका सहित सभी केंद्रीय कारागारों में जेलर का पद रिक्त है.इतना ही नहीं, रांची और देवघर समेत कई जेलों में अधीक्षक के पद भी खाली हैं. अधिकांश जगहों पर यह जिम्मेदारी एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) को अतिरिक्त प्रभार के रूप में दी गई है.

संवेदनशील है बिरसा मुंडा जेल: बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा को राज्य की अति संवेदनशील जेल माना जाता है. यहां कई बड़े मामलों के आरोपी, जिनमें आईएएस अधिकारियों से लेकर घोटालों के आरोपी तक शामिल हैं, कैद हैं.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, बुधवार 12 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 212 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : तमाम टीवी चैनल और एजेंसियां ने अपने एग्जिट पोल के नतीजे जारी कर दिए

बिहार के एग्जिट पोल में एनडीए को भारी बढ़त

पटना । बिहार विस चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग भी खत्म हो गई है. राज्य की रिकॉर्डतोड़ वोटिंग से साफ है कि जनता ने किसी एक खेमे को सत्ता की बागडोर सौंपने का फैसला कर लिया है. अब तमाम टीवी चैनल और एजेंसियां ने अपने एग्जिट पोल के नतीजे जारी कर दिए हैं.

1. मैटरिक्स-आईएएनएस का एग्जिट पोल सबसे पहले सामने आया जिसमें एनडीए को 147-167 तथा महागठबंधन को 70-90 सीटें मिलने का अनुमान है.
2. पी-मार्क के एग्जिट पोल में भी एनडीए को एनडीए को 142-162 सीटें, महागठबंधन को 80-98 सीटें तथा प्रशांत किशोर की जन सुराज को 1-4 और अन्य के खाते में 0-3 सीटें जाने का अनुमान है.
3. दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल में एनडीए को 145-160 सीटें मिलने का अनुमान है. वहीं महागठबंधन को 73-91 तथा अन्य को 5-10 सीटें मिलने का अनुमान है. इस पोल के मुताबिक, बीजेपी को 72-82 सीटें, जेडीयू को 59-68 सीटें, एलजेपी को 4-5 सीटें और हम को 5-5 सीटें मिलने का अनुमान है. वहीं महागठबंधन की बात करें तो आरजेडी को 51-63, कांग्रेस को 12-15, सीपीआईएमएल को 6-9, वीआईपी को 0, सीपीआई को 2, सीपीएम को 1 आईआईपी को 0-1 सीटें मिलने का अनुमान है.
4. पीपल्स पल्स के एग्जिट पोल्स में भी एनडीए को 133-159 सीटें मिलने का अनुमान है. वहीं महागठबंधन को 75-101 तथा जेएसपी को 0-5 सीटें मिलने का अनुमान है. अन्य के खाते में 2-8 सीटें जा सकती हैं.
5. चाणक्य के एग्जिट पोल में भी एनडीए को 130-138 सीट, महागठबंधन को 100-108 और अन्य को 3-5 सीट मिलती दिख रही है.
6. पोलस्ट्रैट का भी एग्जिट पोल में एनडीए को 133-148 सीट, महागठबंधन को 87-102 और अन्य को 3-5 सीट मिल सकती हैं. वहीं पार्टीवार बात करें तो बीजेपी को 68-72 और जदयू को 55-60 सीट, लोजपा (आर) 9-12, हम 1-2 और आरएलम को 0-2 सीट हासिल कर सकती है.
7. पोल्स ऑफ पोल्स की बात करें तो एनडीए जबरदस्त वापसी करते हुए 138-155 सीटें हासिल कर सकता है. वहीं महागठबंधन को 82-98, जनसुराज को 0-2 था अन्य के खाते में 3-7 सीटें मिलने का अनुमान है.
8. पीपल्स इंसाइट के एग्जिट पोल में भी एनडीए को 133-148 सीटें मिलने का अनुमान है, वहीं महागठबंधन के खाते में 87-102 सीटें जाती हुई दिख रही हैं. जनसुराज को 0-2 सीटें तथा अन्य को 3-6 सीटें मिलने का अनुमान है.
9. वहीं जेवीसी एग्जिट पोल में भी एनडीए को बंपर बहुमत मिलता दिख रहा है. जिसमें एनडीए को 135-150 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि महागठबंधन को 88-103 सीटें मिलती दिख रही हैं वहीं अन्य के खाते में 3-6 सीटें जाने का अनुमान है.

बिहार विस चुनाव : 122 सीटों पर 67.14% हुआ शांतिपूर्ण मतदान

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के अंतिम चरण में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, मंगलवार शाम 5 बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. यह पिछले दोनों चरण की तुलना में अधिक रहा, जिससे अंतिम चरण में मतदान को लेकर जबरदस्त रुझान देखा गया. सुबह से ही मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया. कई बूथों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं.

महिलाओं और युवा मतदाताओं ने बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. ग्रामीण इलाकों में मतदान प्रतिशत शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक रहा. चुनाव आयोग के अनुसार, देर शाम तक के आंकड़ों में और वृद्धि की संभावना है, क्योंकि बूथों पर 6 बजे तक मतदान हुआ है.

दूसरे चरण में कुल 122 विधानसभा क्षेत्रों

में मतदान हुआ. शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. वहीं अंतिम चरण के इस मतदान के साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतदान प्रक्रिया पूर्ण हो गई है. अब सभी की निगाहें मतगणना दिवस 14 नवंबर पर टिकी हैं, जब जनता के जनादेश का फैसला सामने आएगा.

घाटशिला उपचुनाव : 73.88% हुआ मतदान, मतदाताओं में दिखा उत्साह

संवाददाता । जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित घाटशिला विधानसभा उपनिर्वाचन-2025 में मंगलवार को मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. जिला निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने बताया कि शाम 5 बजे तक कुल 73.88 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं, जिसमें महिलाओं और युवा मतदाताओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही. उपायुक्त ने बताया कि पूरे दिन मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली. मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जिससे यह उपचुनाव बंपर मतदान वाला साबित हुआ. निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और सुरक्षा बलों की सतर्कता के कारण पूरे क्षेत्र में शांति बनी रही. कुछ मतदान केंद्रों पर तकनीकी समस्या भी सामने आई. नरसिंहपुर मध्य

विद्यालय (बूथ संख्या-1) पर ईवीएम में आई खराबी के कारण मतदान आधे घंटे की देरी से शुरू हुआ, हालांकि तकनीकी दल की तत्परता से समस्या शीघ्र ही दूर कर ली गई. प्रशासन की ओर से बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी. उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए वाहन और व्हीलचेयर की सुविधा दी गई.

ब्रीफ न्यूज

हंगेरियाई मूल के ब्रितानी लेखक डेविड स्ज़ेले को मिला 'बुकर पुरस्कार'

लंदन । साहित्य जगत का विश्व प्रसिद्ध 'बुकर पुरस्कार' इस बार हंगेरियाई मूल के ब्रितानी लेखक डेविड स्ज़ेले को उनकी पुस्तक 'फ्लेश के लिए प्रदान किया गया है. यह पुस्तक हंगरी के मजदूर वर्ग से जुड़े एक व्यक्ति की ब्रिटेन के उच्च वर्ग में शामिल होने के संघर्ष की कहानी है. 51 वर्षीय स्ज़ेले ने ब्रिटेन के एंड्रयू मिलर और भारतीय लेखिका किरण देसाई सहित पांच अन्य 'फाइनलिस्टों' को हराकर यह प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार जीता. पुरस्कार विजेता को 50,000 पाउंड (66,000 डालर) की राशि मिलती है.

पाक में आत्मघाती विस्फोट में 12 मरे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित न्यायिक परिसर के पास मंगलवार को हुए एक आत्मघाती विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा व्यक्ति घायल हो गए. खबरों के मुताबिक यह शक्तिशाली विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे न्यायिक परिसर के पास खड़े एक वाहन में हुआ. विस्फोट के कारण वाहन में आग लग गई, जिसने आस-पास की अन्य कारों को भी अपनी चपेट में ले लिया. इस बीच पुलिस ने बताया कि विस्फोट के समय अदालत परिसर में काफी भीड़ थी, जिसमें कई अन्य लोगों के घायल होने की खबर है.

दिल्ली : वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट

नई दिल्ली । दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे चरण को लागू करते हुए कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने यह निर्णय दिल्ली के औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार सुबह खतरनाक 425 (गंभीर) हो जाने के बाद लिया. सीएक्यूएम ने इस तीव्र वृद्धि के लिए प्रतिकूल मौसम की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें शांत हवाएं और स्थिर वातावरण शामिल हैं.

दिल्ली धमाके पर प्रधानमंत्री मोदी का भूटान से सख्त संदेश, कहा-

षड्यंत्र की जड़ तक पहुंचेंगी एजेंसियां

एजेंसी । थिम्फू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार की शाम दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हुए भीषण धमाके को लेकर

मंगलवार को भूटान की धरती से बेहद सख्त संदेश देते हुए कहा कि इस षड्यंत्र के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा. भारत की एजेंसियां इस पूरी साजिश की तह तक जाएंगी और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा. भूटान के चौथे नरेश की 70वीं वर्षगांठ के मौके पर भूटान नरेश के निमंत्रण पर भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार सुबह यहां पहुंचे मोदी ने थिम्फू के चांगलीमेथांग सेलिब्रेशन ग्राउंड में आयोजित एक कार्यक्रम में यह वक्तव्य दिया. इस दौरान उन्होंने कहा, आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं. कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने पूरे देश को व्यथित कर दिया है. मैं पीड़ित परिवारों के दुख को भलीभांति समझता हूं. आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है. प्रधानमंत्री ने बताया कि वह इस घटना से जुड़ी सभी एजेंसियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में थे.

दिल्ली ब्लास्ट : जांच के लिए पहुंची एनआईए व एफएसएल, दिल्ली-कश्मीर तक छापेमारी शुरू

धमाके में अब तक 12 लोगों की मौत हुई है

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के पास एक चलती कार में हुए भीषण बम धमाके की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई है. गृह मंत्रालय के आदेश के बाद एनआईए और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमें क्राइम सीन पर पहुंची हैं. जांच अधिकारी एक चेन बनाकर इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं. उनके हाथों में पारदर्शी प्लास्टिक बैग हैं, जिनमें वे हर छोटे-बड़े सबूत को सावधानी से इकट्ठा कर रहे हैं. वहीं इस धमाके में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हुए हैं. कई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं. शुरुआती जांच में सामने आया है कि धमाका हुंडई i20 कार में हुआ. इस कार को कश्मीर के पुलवामा का रहने वाला डॉक्टर उमर नबी चला रहा था. उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी. उसकी पहचान की पुष्टि के लिए मंगलवार को उसकी मां से डीएनए सैंपल लिया गया. सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने मंगलवार को इस ब्लास्ट की जांच औपचारिक रूप से एनआईए को सौंप दी है. इधर, गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार दोपहर एक और उच्चस्तरीय बैठक की.

यूपी एटीएस ने आतंकी डॉ. आदिल के दो करीबियों को सहारनपुर से उठाया

लखनऊ/सहारनपुर । मंगलवार को यूपी एटीएस टीम ने शाहीन के घर पहुंचकर परिवार से कई घंटों तक पूछताछ की. यूपी एटीएस ने आतंकी डॉ आदिल के दो करीबियों को सहारनपुर से उठाया है. उनसे पूछताछ की जा रही है. वहीं जम्मू कश्मीर पुलिस ने आतंकी डॉ मुजम्मिल की गर्लफ्रेंड लखनऊ निवासी डॉक्टर शाहीन को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था. वह लखनऊ के लालबाग की रहने वाली है.

आतंकी उमर का दोस्त डॉक्टर सज्जाद अहमद हिरासत में : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े मामले में पुलवामा से एक और डॉक्टर को हिरासत में लिया है. हिरासत में लिए गए डॉक्टर की पहचान सज्जाद अहमद माला के रूप में हुई है.

अल फलाह यूनिवर्सिटी में 52 लोगों से पूछताछ : फरीदाबाद पुलिस ने अल फलाह यूनिवर्सिटी में डॉक्टर मुजम्मिल के साथ काम करने वाले फैकल्टी मेंबर, छात्रों और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के अलावा 52 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई है.

गिरफ्तार डॉक्टर शाहीन पर बड़ा खुलासा, आतंकी मसूद की बहन ने सौंपी थी 'महिला विंग' की कमान : दिल्ली ब्लास्ट की जांच के बीच अब सामने आया है आतंकी नेटवर्क का

नया और खतरनाक चेहरा- जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग. सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शहीद को लेकर बड़ा खुलासा किया है. शुरुआती जांच में पता चला है कि डॉ. शाहीन को भारत में जैश-ए-मोहम्मद के महिला संगठन "जमात-उल-मोमिनीन" की कमान सौंपने का जिम्मा दिया गया था. सूत्रों के मुताबिक, शाहीन का काम भारत में महिलाओं की भर्ती, ब्रेनवॉश और ऑपरेशन नेटवर्क तैयार करना था. यह नेटवर्क सोशल मीडिया के ज़रिए धीरे-धीरे विस्तार पा रहा था और स्थानीय समर्थकों की मदद से जमीनी स्तर पर काम शुरू भी हो चुका था.

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

एजेंसी । नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चुनाव आयोग (ईसी) से जवाब मांगा है. ये याचिकाएं डीएमके, सीपीआई (एम), कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं ने दाखिल की हैं. अदालत ने दो हफ्ते में चुनाव आयोग से जवाब दाखिल करने को कहा है. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस मामले में फिलहाल मद्रास हाईकोर्ट और कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई को अगले आदेश तक रोका जाए. साथ ही, एआईएडीएमके की उस अर्जी को भी सूचीबद्ध करने की अनुमति दी गई जिसमें उसने तमिलनाडु में चल रहे एसआईआर अभियान का समर्थन किया है.

देश बड़ा है, कुछ न कुछ राज्य हमेशा संकट में रहेंगे

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में हमेशा कुछ न कुछ राज्यों में प्राकृतिक आपदाएं चलती रहती हैं. उन्होंने टिप्पणी की, "ऐसा लगता है जैसे पहली बार मतदाता सूची तैयार की जा रही हो. चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और पहले भी यह काम करती आई है." पीठ ने कहा कि राजनीतिक दलों को इस प्रक्रिया से डरना नहीं चाहिए. अगर हमें लगेगा कि कुछ गड़बड़ है, तो हम पूरी प्रक्रिया को रद्द कर देंगे.

18 साल बाद जेल से निकला निठारी कांड का सुरेंद्र कोली

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2006 के बहुचर्चित निठारी सीरियल किलिंग केस में बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी कर दिया है. अदालत ने कहा कि यदि कोली किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है, तो उसे तुरंत रिहा किया जाए. यह मामला 29 दिसंबर 2006 को उस वक्त सामने आया था जब नोएडा के निठारी गांव में व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से कई बच्चों के कंकाल बरामद हुए थे. जांच के बाद पुलिस ने पंढेर के नौकर सुरेंद्र कोली को गिरफ्तार किया था.

कार्रवाई : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों का बड़ा एक्शन

6 माओवादी मारे गए, हथियारों का जखीरा बरामद

- डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा एवं एसटीएफ की संयुक्त पार्टी ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया

एजेंसी । छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. मंगलवार को जिले के थाना मोदकपाल क्षेत्र के अंतर्गत कंदुलनार से पश्चिम में स्थित नेशनल पार्क के जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच सुबह से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है. इस ऑपरेशन में अब तक 6 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि 4 घायल

नक्सलियों को गिरफ्तार करने में भी सफलता मिली है.

बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिली थी. इसी सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा एवं एसटीएफ की संयुक्त पार्टी ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. अभियान के दौरान, सुबह के समय घात लगाए बैठे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी. जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे नक्सली बैकफुट पर आ गए.

6 शव, 4 गिरफ्तार और हथियारों का जखीरा बरामद : एसपी यादव ने बताया कि सुबह से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है. अब तक मुठभेड़ स्थल से 6 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जिनकी पहचान की जा रही है. साथ ही 4 घायल नक्सलियों को भी पकड़ा गया है. मौके से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है. इनमें ऑटोमैटिक हथियार जैसे इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य विस्फोटक सामग्री और माओवादी दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुई है.

'नेतृत्वविहीन हो चुके हैं माओवादी' : आईजी सुंदरराज पी. ने इस ऑपरेशन को सुरक्षाबलों के लिए एक निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़तर करार दिया है. उन्होंने कहा कि यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब माओवादी संगठन नेतृत्वविहीन, दिशाहीन और मनोबलहीन स्थिति में अपने कुछ बचे हुए ठिकानों में सिमटकर रह गया है.

ऑपरेशन अभी भी जारी, इलाके की घेराबंदी : ऑपरेशन अभी भी जारी है. मुठभेड़ स्थल के आसपास के क्षेत्रों में डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर्स, सीआरपीएफ और सीएएफ पुलिस बल की अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं, ताकि फरार माओवादी कैडरों की घेराबंदी की जा सके. अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, मुठभेड़ के स्थान और ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या फिलहाल साझा नहीं की जा सकती.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पड़े नरम

भारत पर लगाए गए शुल्क ज्यादा हैं, कम किए जाएंगे

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यह माना कि भारत के खिलाफ लगाए गए आयात शुल्क

काफी अधिक हैं और कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता होने वाला है और इसी के साथ भारत पर लगाये गये आयात शुल्क में कटौती की जाएगी. ट्रंप ने यहां ओवल हाउस में भारत में नियुक्त अमेरिका के नए राजदूत सर्जियों गोर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह घोषणा की. उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वर्तमान समय में भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण उसपर लगाए गए शुल्क काफी ज्यादा है.ट्रंप ने कहा, उन्होंने अब यह तेल खरीदी बंद कर दी है और इसमें काफी कटौती हुई है. अब हम आयात शुल्क को कम करने जा रहे है. ये शुल्क रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए थे. किसी 'सही समय' पर भारत पर लगाए गए आयात शुल्कों में कमी की जाएगी. गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन युद्ध के कारण भारत द्वारा रूस से तेल खरीदे जाने पर उसके खिलाफ पचास प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिए थे. यह किसी भी देश के खिलाफ लगाए गए सबसे ज्यादा शुल्क थे. इस बीच ट्रंप ने संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में कहा, हम इस बारे में समझौता करेंगे. यह पहले किए गए समझौतों से बिल्कुल अलग होगा.

थाई मांगुर की तस्करी : चांदी की हथकड़ी से जकड़े हैं कानून के हाथ

रिजवान शम्स

- रुपेश वसूला है एनएच से पासिंग के डाक की रकम
- थानेदार से लेकर गश्ती पार्टी की भी महीने की बंधी कमाई
- जीटी रोड में तस्करी के लिए करने पड़ते हैं लाखों खर्च
- लाखों के खर्च पर करोड़ों की कमाई करते हैं बंगाल के तस्कर

किस्त-11

मछली लदे वाहनों को स्कार्ट करती है स्कार्पियो

थाई मांगुर लदे ट्रकों को स्कार्पियो और बोलेरो जैसे वाहनों से स्कार्ट किया जाता है. शुभम संदेश की टीम ने एनएच पर बिना रोकटोक मछली ट्रकों को स्कार्ट करती हुई एक ऐसी ही काले रंग की स्कार्पियो की तस्वीर प्राप्त की है. ऐसे कई वाहन हैं जो मैथन चेकपोस्ट से लेकर तोपचांची तक रात के अंधेरे में दौड़ते हैं और इन खतरनाक मछलियों को थाना दर थाना पार कराते हुए तोपचांची बार्डर तक पहुंचाते हैं. इसी के लिए इन्हें प्रति ट्रक छह हजार रुपये मिलता है, जो महीने में लाखों रुपये की कमाई का साधन बन जाते हैं.

पासिंग पाने की लड़ाई में होते हैं विवाद

दशकों से जारी इस तस्करी में अक्सर पासिंग पाने वाले गुटों में ही आपसी खींचातान के कारण विवाद हो जाते हैं. असल में मैथन चेकपोस्ट में कई गुट हैं, जो पासिंग की कमाई छोड़ना नहीं चाहते. इस लड़ाई का फायदा पुलिस उठा रही है, क्योंकि पासिंग में जो खाकी की जेब में जितना ज्यादा रकम उड़ेलती है, उसे ही इजाजत मिलती है. ऐसे में किसी एक गुट को ही पासिंग का काम मिलता है, जबकि शेष गुट इनके पीछे पड़े रहते हैं. इस बार भी विपुल, महेंद्र साहनी और सुनील यादव गुट ने काम हथिया लिया है, जबकि शेरू एंड कंपनी पीछे रह गया. हालांकि शेरू एंड टीम फिलहाल शांत पड़ा है, लेकिन अन्य गुट अगली बार की तैयारियों में मेहनत कर रहे हैं.

खान (शुभम संदेश). विश्व के कई देशों में प्रतिबंधित थाई मांगुर के खिलाफ शुभम संदेश की मुहिम जारी है. इस मुहिम में शुभम संदेश की टीम ने झारखंड, बंगाल, बिहार और यूपी में थाई मांगुर की तस्करी की हर परत कुरेदी है. मुहिम के तहत इस खतरनाक मछली के तस्कर, तस्करी के तरीके, इनको संरक्षण देने वाले और एनएच के पासिंग एजेंटों की हर खबर आप तक पहुंचाई गई. इस तस्करी को रोकने वाले हाथों में ही चांदी की हथकड़ी लगा दी गई है. यही वजह है कि यह तस्करी सालों से बेरोकटोक जारी है, तो फिर चलिए आज की किस्त में कानून के रखवालों का खेल देखते हैं.

मैथन चेकपोस्ट इस तस्करी का सबसे प्रमुख केंद्र है. इस तस्करी के मास्टर माइंड अपना गेम भी यहीं से शुरू करते हैं. पहले यहां लोकल अधिकारी और छुटभैयों को मैनेज करने के बाद काम बन जाता था, लेकिन धीरे-धीरे तस्करी का दायरा बढ़ता गया और मैनेज करने वाले अधिकारियों की सूची भी लंबी होती गई. फिलहाल केवल एक साहब के लिए 20-22 लाख रुपये प्रति महीना का खर्च आ रहा है, यह रकम रुपेश उठाता है. इसके बाद छोटे साहब से लेकर सड़क पर लाठी भांजने वाले तक को भी तस्करी की रकम से कुछ न कुछ कमाई हो ही जाती है. इस खेल में तस्कर से लेकर चौकीदार तक कमाई में लीन हैं और नुकसान का जख्म इंसान और जानवर के साथ पूरे पर्यावरण को झेलना पड़ रहा है. हम बता चुके हैं कि धनबाद के नेशनल हाईवे में मैथन चेकपोस्ट से लेकर तोपचांची तक थाई मांगुर लदे वाहनों को पार कराने का ठेका लिया जाता है. इसमें कई टीमें लगी रहती हैं, फिलहाल जिस टीम को यह काम मिला है, उस गिरोह ने पुलिस को 22 से 25 लाख रुपये दिए हैं. थानेदारों के अलावा गश्ती पार्टी की अलग से महीने की रकम फिक्स है, जो तस्करों के माध्यम से इन तक समय पर पहुंच जाती है. इसके अलावा एनएच के छुटभैया नेताओं, रंगदारों की भी जेब गर्म करनी पड़ती है, ताकि इस अवैध कारोबार में कोई अड़चन न आए. यही कारण है कि बिना किसी बड़े विवाद के यह तस्करी का खेल दशकों से बेरोक-टोक जारी है.

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट और मोबाइल ऐप का शुभारंभ

झारखंड की प्रगति में मारवाड़ी समाज का है उल्लेखनीय योगदान : संजय सेठ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप का विधिवत शुभारंभ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मारवाड़ी भवन, हरमू रोड में किया. प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में राज्यभर से आए गणमान्य लोग, समाजसेवी एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. मौके पर मंत्री संजय सेठ ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव सेवा, सहयोग और संस्कारों के लिए जाना जाता है. झारखंड की प्रगति में इस समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है. उन्होंने समाज के प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली आमंत्रित करते हुए आश्वासन दिया कि वे उन्हें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से मुलाकात कराने और विभिन्न मंत्रालयों का भ्रमण कराने का प्रयास करेंगे.

प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि नई वेबसाइट और मोबाइल ऐप डिजिटल एकता की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जिससे समाज के सदस्य सम्मेलन की गतिविधियों, योजनाओं और सदस्यता से संबंधित सभी जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड में मारवाड़ी समाज की आबादी लगभग 8 लाख है, जिनमें से अब तक 1,000 सदस्य सम्मेलन से जुड़ चुके हैं. अगले चरण में 10,000 सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है.

16 से 18 जनवरी 2026 तक रांची में भव्य मारवाड़ महोत्सव का आयोजन होगा

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया. संचालन वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया. उन्होंने बताया कि 16 से 18 जनवरी 2026 तक रांची में भव्य मारवाड़ महोत्सव का आयोजन होगा. इस अवसर पर समाज के अनेक प्रबुद्धजन एवं युवा प्रतिनिधि उपस्थित रहे. कार्यक्रम अनुशासन, उत्साह और संगठन का उत्कृष्ट उदाहरण बना.

मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर ओमप्रकाश अग्रवाल, राजकुमार केडिया, कमल कुमार केडिया, पवन पोद्दार, पवन शर्मा, विनोद जैन,ललित कुमार पोद्दार, अरुण भरतिया,विकास मोदी, रतन लाल बंका, कौशल राजगढ़िया, मनोज चौधरी, चंडी प्रसाद डालमिया, संजय सर्राफ, अनिल अग्रवाल,प्रमोद सारस्वत, अंजय सरावगी, रिंकू अग्रवाल, सुरेश सोंथालिया, मुकेश मित्तल, कृष्ण अग्रवाल, भोला चौधरी, राकेश हेलिवाल, परमानंद केजरीवाल, राम बांगड़, तुलसी पटेल, राजेश भरतिया, दिलीप पटवारी, नारायण महेश्वरी, ज्योति बजाज, राजू भुजांनिया, जितेश अग्रवाल,किशन अग्रवाल सहित समाज के अनेक प्रबुद्धजन, एवं युवा वर्ग के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम सफल आयोजन, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत उदाहरण रहा, जो झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के बढ़ते कदमों की नई दिशा का प्रतीक है.

होटवार जेल में एनआईए बंदी चला रहा अवैध कैंटीन

खाना के लिए वसूली जा रही है मोटी रकम

- प्याज 150 रुपये किलो और टमाटर 100 रुपये किलो बेच रहा है

शुभम संदेश। रांची

होटवार स्थित भगवान बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में कैदियों से अवैध वसूली और शोषण का गंभीर मामला सामने आया है. अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने जेल के आईजी सुदर्शन मंडल को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है. पत्र में आरोप लगाया गया है कि जेल में एनआईए का बंदी प्रभु साहू अवैध रूप से कैंटीन चला रहा है और कैदियों से मनमाने दाम पर रोजमर्रा का सामान बेच रहा है.

सूत्रों के अनुसार, कैंटीन में प्याज 150 रुपये प्रति किलो और टमाटर 100 रुपये प्रति किलो तक में बेचा जा रहा है. मानवाधिकार संगठन के अनुसार, प्रभु साहू आम कैदियों से प्रति व्यक्ति 7,000 रुपये तक प्रतिमाह खाने के नाम पर वसूल रहा है. वहीं, जो कैदी खुद खाना बनाते हैं, उनसे 10 से 15 हजार रुपये प्रति माह लिए जाते हैं. आरोप है कि जेल प्रशासन की नजर में बने भोजन को जानबूझकर खराब किया जाता है, ताकि कैदियों को मजबूरी में कैंटीन से खाना खरीदना पड़े.

पत्र में यह भी बताया गया है कि कई कैदी रोटी बनाने के लिए सूखी रोटी को जलाकर आग जलाने को मजबूर हैं. इसके अलावा, कैंटीन में बेचे जाने वाले कई सामान जेल मैनुअल के नियमों के खिलाफ हैं. इसके अलावा, मानवाधिकार संगठन ने आरोप लगाया है कि प्रभु साहू कैदियों से मोटी रकम लेकर मोबाइल फोन की सुविधा भी उपलब्ध कराता है. बाहर से मंगवाए गए सामान के साथ मोबाइल फोन जेल के अंदर पहुंचाए जाते हैं और प्रभु साहू जेल के भीतर खुलेआम उनका उपयोग करता है.

राजेश कुमार सिंह ने पत्र में स्पष्ट किया है कि जेल कोर्ट के अधीन होता है और किसी भी कैदी के साथ भेदभाव या शोषण अस्वीकार्य है.

उन्होंने जेल आईजी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है. सिंह ने यह भी कहा कि सभी आरोपों के ठोस सबूत उनके पास मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा. मानवाधिकार संगठन का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां जेल के नियमों और कानून के विरुद्ध हैं और यदि सही समय पर रोकथाम नहीं की गई, तो यह कैदियों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बन सकती हैं.

घाटशिला का चुनाव परिणाम चौंकाने वाला होगा एनडीए उम्मीदवार की बड़ी जीत तय : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि घाटशिला में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बड़ी जीत की ओर अग्रसर हैं. उन्होंने चुनाव आयोग का साधुवाद किया कि उनकी देखरेख में चुनाव शांतिपूर्वक हुआ. कहा कि शाम 5 बजे तक लगभग 74% मतदान का आंकड़ा आया है, जो बढ़ने की संभावना है. उन्होंने कहा जिस सीट को झामुमो सेफ मान कर चल रहा था, वहां इनकी दहशत साफ दिखाई दी. झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शुरुआती दौर में डराने धमकाने की कोशिश की, परंतु भाजपा के सजग कार्यकर्ताओं और चुनाव आयोग की देखरेख में उनके गलत मंसूबे कामयाब नहीं हुए. मरांडी ने कहा कि घाटशिला में इस बार मतदान का बढ़ा हुआ प्रतिशत दिख रहा है कि जनता हेमंत सरकार के झूठे वादों से ऊब गई है और इस बार एनडीए की

जीत होगी. वे मंगलवार शाम प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे. प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री सरोज सिंह और प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव भी उपस्थित थे.

दिल्ली के आतंकी धमाके; निराश दहशतगर्द नया रास्ता अपना रहे :बाबूलाल मरांडी ने दिल्ली में हुए बम विस्फोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली की घटना दिख रही है कि मोदी सरकार के आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के कारण अब आतंकवादी फ्रस्ट्रेशन में हैं और उन्होंने नया रास्ता अपना लिया है. अगस्त 2024 में रांची के भी एक प्रतिष्ठित अस्पताल से डॉक्टर इशियाक अहमद की गिरफ्तारी हुई थी. इससे पूर्व भी झारखंड के कई शहरों से आतंकी कनेक्शन की बात सामने आई है. डॉ इशियाक अहमद को तो अलकायदा का ऑपरेटिव बताया गया था, जो दिन में डॉक्टरी करता था और रात में अलकायदा के लिए ऑपरेशन करता था. आश्चर्चनक रूप से झारखंड की सरकार इस पूरे मुद्दे पर खामोश रही और सिर्फ केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस ने इस मुद्दे पर कार्रवाई की थी.

बिहार में एनडीए बड़ी जीत की ओर, प्रचंड बहुमत से दोबारा सत्ता में लौटेगा

एक सवाल के जवाब में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बिहार में बंपर वोटिंग दिखा रहा है कि वहां की जनता का एनडीए सरकार के प्रति पूरा विश्वास है. जनता ने जमकर वोटिंग की है और यह वोटिंग प्रथम चरण से भी ज्यादा होने का अनुमान है. कहा कि बिहार में एक बार फिर से बिहार में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ लौटने वाली है.

घाटशिला में भाजपा की हार तय

जमानत जब्त हो जाए, तो आश्चर्य नहीं: आलोक दुबे

रांची । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में

भाजपा की पराजय तो निश्चित है ही, बल्कि यदि उनकी जमानत भी जब्त हो जाए तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी. घाटशिला में भारी संख्या में मतदाताओं का घरों से निकलकर मतदान करना, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जनहितकारी कार्यों पर जनता के विश्वास और स्वर्गीय रामदास सोरेन के प्रति जनता की गहरी श्रद्धांजलि का प्रतीक है.उन्होंने कहा कि जनता ने एकजुट होकर यह संदेश दिया है कि झारखंड की अस्मिता, विकास और जनसरोकार के मुद्दों पर अब कोई समझौता नहीं होगा. आलोक कुमार दुबे ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए दर्दनाक विस्फोट पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना निःसंदेह दर्दनाक और स्तब्ध कर देने वाली है. जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उस दर्द को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता.उन्होंने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर भारत सरकार और इंटेलिजेंस एजेंसियों की विफलता को उजागर कर दिया है. दुबे ने केंद्र सरकार से मांग की कि सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ किया जाए, ताकि निर्दोष नागरिकों की जान की रक्षा सुनिश्चित हो सके.

घाटशिला में भाजपा का दावा हताशा का परिणाम

जनता ने विकास और विश्वास पर किया मतदान : विनोद पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के

बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत का दावा दरअसल उनकी हताशा और निराशा का बयान है. घाटशिला की जनता ने झूठे वादों, सांप्रदायिक राजनीति और भ्रम फैलाने वालों को नकारते हुए विकास, जनविश्वास और हेमंत सरकार की नीतियों पर मोहर लगायी है.विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा को अब यह स्वीकार करना चाहिए कि झारखंड में लोगों ने 25 साल के अनुभव से सीखा है, विकास की राजनीति झामुमो करती है, भ्रम की राजनीति भाजपा. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने घाटशिला और आसपास के इलाकों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और आदिवासी युवाओं के रोजगार पर ऐतिहासिक कार्य किए हैं. इन्हीं कार्यों के आधार पर झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन भारी बहुमत से जीतने जा रहे हैं.भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव प्रक्रिया और कार्यकर्ताओं पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए पांडेय ने कहा कि "भाजपा को अब हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की आदत हो गई है. घाटशिला में मतदान शांतिपूर्ण हुआ.

घाटशिला उपचुनाव :मतदान की गोपनीयता भंग करने के मामले में दो के खिलाफ एफआईआर

रांची/घाटशिला। घाटशिला उपचुनाव के दौरान मतदान नियमों के उल्लंघन (मतदान गोपनीयता भंग) मामले में फ्लाइंग स्क्वॉड टीम (एफएसटी) ने दो व्यक्तियों के खिलाफ घाटशिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई है. मतदान के दौरान मतदान कक्ष के अंदर ईवीएम मशीन पर वोट डालने की तस्वीर दो लोगों ने खींचकर अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर दी थी. यह मामला सामने आने के बाद फ्लाइंग स्क्वॉड टीम सक्रिय हुई और जांच के बाद संबंधित दोनों व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई. बताया जा रहा है कि भाजपा नेता विमल किशोर बैठा और भाजपा के मनी मोहंती ने अपने फेसबुक अकाउंट से भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में वोट डालते हुए तस्वीर साझा की थी. पोस्ट के कैप्शन में विमल किशोर बैठा ने लिखा था- "घाटशिला की जनता ने शुरुआत कर दी है, इस बार कमल खिलेगा." वहीं, मनी मोहंती ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा— "पहले मतदान, फिर जलपान" और भाजपा को वोट देने की अपील की. गौरतलब है कि मतदान कक्ष के भीतर फोटो खींचना या वीडियो रिकॉर्ड करना पूर्णतः प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे मतदान की गोपनीयता भंग होती है. प्रशासन के संज्ञान में मामला आते ही दोनों संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट से उक्त पोस्ट हटा दी गई.

बिडोरा बार एंड रेस्टोरेंट में चल रहा था नशे का कारोबार जिला प्रशासन ने लगाया 70,000 रुपए का जुर्माना

रांची । सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कई बार एवं लॉन्ज में कोटपा अमेंडमेंट अधिनियम 2021 के तहत छापेमारी की गई. अभियान के दौरान प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर प्लाजा चौक स्थित विडोरा बार एंड लॉन्ज की तलाशी ली गई, जहां लोगों को हुक्का परोसा जा रहा था. प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान मालिक एवं हुक्का का सेवन कर रहे लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए कुल 70 हजार रुपए का जुर्माना लगाया या एवं बार संचालक को हिदायत दी गई की भविष्य में अगर इस तरह का कृत्य दोहराने पर नियम संगत कार्रवाई की जाएगी. उनके प्रतिष्ठान का लाइसेंस भी रद्द किया जाएगा. अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा विशेष जांच टीम का गठन किया गया है जो औचक निरीक्षण करते हुए ऐसे प्रतिष्ठान एवं लोगों पर कार्रवाई कर रही है. ज्ञात हो कि झारखंड राज्य का रांची पहला जिला है, जिसे स्मोक फ्री घोषित किया गया है.

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर की नई परिवर्तित समयसारिणी जारी हुई

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड पर पुंदाग स्थित झारखंड के सबसे बड़े सुप्रसिद्ध श्रीराधा कृष्ण प्रणामी मंदिर श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं. श्रद्दालु भव्य आकर्षक एवं अनूठा मंदिर को देख मंत्रमुग्ध हो उत्साहित हो रहे हैं. श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि ठंड के मौसम को देखते हुए मंदिर की समयसारिणी में थोड़ा परिवर्तन किया गया है. प्रबंध कमेटी के आदेशानुसार सोमवार से रविवार तक मंदिर का पट खुलने का समय प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा.

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची। आदिवासी अधिकारों के प्रखर पैरोकार और केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने मंगलवार को रांची के बिरसा मुंडा जेल पार्क पहुंचकर स्वतंत्रता सेनानी एवं सीएनटी एक्ट के जनक बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इस अवसर पर तिर्की ने बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उनके बलिदान के बिना झारखंड के आदिवासियों के अधिकार सुरक्षित न हो पाते. तिर्की ने कहा कि बिरसा मुंडा के संघर्ष के कारण ही 1908 में छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट (सीएनटी एक्ट) लागू हुआ. उनके आंदोलन का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को रोकना था, जिसके परिणामस्वरूप यह ऐतिहासिक कानून अस्तित्व में आया. उन्होंने बिरसा मुंडा को 'भगवान' संबोधित करते हुए जोड़ा, भगवान बिरसा मुंडा ने राज्य की जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया. उनका बलिदान आज भी हमें प्रेरित करता है.

सरला बिरला विश्वविद्यालय में हाइक एजुकेशन की प्लेसमेंट ड्राइव

छात्रों को मिला 7.62 लाख तक का सालाना पैकेज

शुभम संदेश। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में हाइक एजुकेशन कंपनी की ओर से ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया. यह प्लेसमेंट ड्राइव वर्ष 2026 के पासिंग-आउट बैच के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी. विभिन्न संकायों, एमबीए, एमकॉम, बीबीए, एसबीपीएम, बीकॉम, बीसीए, एमसीए और बीटेक के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया. ड्राइव के दौरान छात्रों को कंपनी के प्रतिनिधियों से सीधे बातचीत करने और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला.

ड्राइव में समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद कुल 21 छात्र इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे, जिनमें से आठ विद्यार्थियों का चयन हुआ. चयनित छात्रों को उनके कोर्स के अनुसार अलग-अलग पैकेज ऑफर किए गए. बीबीए, बीकॉम और बीसीए के छात्रों को 6.66 लाख, बीटेक सीएसई के छात्रों को 7.02 लाख और एमबीए छात्रों को 7.62 लाख रुपये वार्षिक पैकेज की पेशकश की गई.

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के डीन प्रो. हरिबाबू शुक्ला ने हाइक एजुकेशन टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे प्लेसमेंट ड्राइव छात्रों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन और राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 12 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 212 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

एकता, ऊर्जा और उत्साह के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'रन फॉर झारखंड' को दिखाई हरी झंडी

झारखंड का यह 25वां वर्ष गौरव, संकल्प और विकास का प्रतीक है : हेमंत सोरेन

शुभम संदेश। रांची

राज्य स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष के अवसर पर मंगलवार को बापू वाटिका, मोरहाबादी मैदान, रांची से 'रन फॉर झारखंड' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एकता, ऊर्जा और उत्साह के साथ दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और झारखंड रजत जयंती कार्यक्रमों एवं धरती आबा भगवान् बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती कार्यक्रमों के श्रृंखला की शुरुआत की. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर राज्यवासियों को झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "मैं उन सभी महान आत्माओं को नमन करता हूं, जिनके लंबे संघर्ष, कुर्बानी और शहादत से इस राज्य की पहचान बनी है, झारखंड का यह 25वां वर्ष गौरव, संकल्प और विकास का प्रतीक है. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि "रन फॉर झारखंड" के माध्यम से हम राज्य के प्रति अपनत्व, एकता और विकास की भावना को मजबूती देना चाहते हैं. राज्य स्थापना की यह रजत जयंती 15 नवंबर को पूरे उत्सवपूर्ण माहौल में मनाई जाएगी. कार्यक्रम में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, रांची के विधायक सीपी सिंह, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव मनोज कुमार समेत कार्यक्रम में प्रशासनिक पदाधिकारी, विद्यार्थी, खिलाड़ी और आम नागरिक उपस्थित रहे.

दिनदहाड़े शिक्षिका के गले से सोने की चेन छीन कर भागे बदमाश

गिरिडीह। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर साईं मंदिर के पास दिनदहाड़े एक शिक्षिका से सोने की चेन लूट ली गई. जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो बदमाशों ने शिक्षिका मंजू देवी के गले से चेन छीन ली और हजारीबाग की ओर फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही बगोदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की.पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें बदमाशों की तस्वीरें स्पष्ट दिखाई दी हैं. इन फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है.

कोडरमा घाटी में ट्रक पलटने से चालक की मौत

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र के रांची-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-20) पर सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया. छड़ लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर घाटी में पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के सेमरियावान जिले निवासी 32 वर्षीय राम प्रकाश (पिता सुरेश राम) के रूप में की गई है.जानकारी के अनुसार, ट्रक कोडरमा से पटना की ओर जा रहा था. बन्दरचुआं के पास एक तीखे मोड़ पर सामने से आ रहे वाहन को बचाने की कोशिश में ट्रक लक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खाई में जा गिरा. दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि चालक राम प्रकाश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

तैयारियां अंतिम चरण में, रेस्ट रूम सहित बड़े-बड़े डाइनिंग हॉल भी बनाए जा रहे

झारखंड स्थापना दिवसः रजत जयंती वर्ष का गवाह बनेगा ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर 16 नवंबर तक राजधानी रांची में कई भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. स्थापना दिवस का मुख्य समारोह रांची के ऐतिहासिक में मोरहाबादी मैदान में होगा. ऐसे में मोरहाबादी मैदान को सजाया संवारा जा रहा है. मोरहाबादी मैदान में एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि से लेकर विशिष्ट अतिथियों के बैठने की जगह होगी. इसी मंच से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंडवासियों को कई सौगात भी देंगे. पूरे मोरहाबादी मैदान को चारों तरफ से घेर दिया गया है. मेटल डिटेक्टर लगाकर सुरक्षा को और पुख्ता किया जा रहा है. आने वाले मेहमानों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है. रेस्ट रूम सहित बड़े-बड़े डाइनिंग हॉल भी बनाए जा रहे हैं.

तीन आईपीएस, आधा दर्जन डीएसपी संभालेंगे मोर्चा : 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की सुरक्षा में एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है. वहीं सुरक्षा व्यवस्था की मॉनेटरिंग के लिए रांची में तीन आईपीएस, आधा दर्जन डीएसपी, सहित कई अधिकारियों की तैनाती की गई है.

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता सह आईजी अभियान डॉक्टर माइकल राज ने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया जा रहा है. वैसे तो मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में दोपहर बाद होना है, लेकिन सुरक्षा को लेकर सुबह 6 बजे से ही जवान मुस्तैद रहेंगे.

सुरक्षा के मद्देनजर शहर भर में एक हजार अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जा रही है. सुरक्षा में तीन आईपीएस, छह डीएसपी, 40 इंस्पेक्टर और 80 दरोगा को भी लगाया जा रहा है. मोरहाबादी स्थित मुख्य आयोजन स्थल की सुरक्षा तीन लेयर में होगी. इसके अलावा बम निरोधक दस्ता, जैप, एटीएस और झारखंड जगुआर की टीम को भी तैनात किया जा रहा है.

सीसीटीवी से निगरानी : सुरक्षा में किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न ना हो, इसे देखते हुए पूरे शहर की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी. साथ ही सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी. समारोह स्थल में जाने वाले हर वाहनों को चेकिंग के बाद ही स्थल तक जाने दिया जाएगा. समारोह स्थल के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है. साथ ही दो ड्रोन कैमरा का भी इस्तेमाल किया जाएगा. ड्रोन और सीसीटीवी कैमरा से पूरे समारोह की निगरानी की जाएगी. इसके लिए कंट्रोल रूम में आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस अधिकारी की तैनाती की जा रही है. उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे पल-पल की रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को देंगे.

मेटल डिटेक्टर से होगी जांच: कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वालों की मेटल डिटेक्टर से जांच होगी. प्रवेश मार्ग के लिए मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं. इसके अलावा मेटल स्कैनर से भी जांच की जाएगी. पूरी तलाशी के बाद ही लोगों को कार्यक्रम स्थल तक प्रवेश करने दिया जाएगा.

जानिए किस दिन क्या कार्यक्रम

- झारखंड स्थापना दिवस को लेकर मंगलवार को ही राजधानी रांची में कई तरह के कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है. 16 नवंबर तक लगातार 6 दिनों तक कई तरह के भव्य कार्यक्रमों का लुत्फ राजधानीवासी उठा सकेंगे.
- 12 नवंबर को राजधानी के प्रमुख मार्गों पर पारंपरिक नृत्य से लेकर झारखंडी संस्कृति की झलक दिखाई जाएगी. यह कार्यक्रम 'सुबह-ए-झारखंड' की थीम पर आधारित होगा.
- 13 नवंबर को झारखंड के समृद्ध पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 'नो योर टूरिस्ट प्लेस' साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा.
- 14 नवंबर को रांची नगर निगम द्वारा चिह्नित स्थानों पर स्थापना दिवस की थीम पर वॉल पेंटिंग अभियान चलाया जाएगा.
- 15 नवंबर यानी स्थापना दिवस के दिन भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि दी जाएगी. इस दिन खूंटी तक साइकिल रैली निकाली जाएगी. स्थापना दिवस का मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा, जिसमें सांस्कृतिक और सरकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.
- 16 नवंबर को समारोह का समापन यात्रा कार्यक्रम से होगा, जो सुबह 11 बजे जेल चौक स्थित बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान से शुरू होकर करमटोली चौक होते हुए मोरहाबादी मैदान तक पहुंचेगी. इस दौरान झारखंड की लोक परंपरा वेशभूषा और नृत्य संगीत का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा.

जमशेदपुर में कपड़ा गोदाम में भीषण आग

25 लाख का नुकसान पांच संदिग्धों पर मालिक को शक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित हिंदू बस्ती में भारत रेडिमेड के कपड़ों के गोदाम में सोमवार की आधी रात भीषण आग लग गई. आग इतनी तेज थी कि गोदाम में रखे सभी कपड़े जलकर राख हो गए. अनुमान लगाया जा रहा है कि इस घटना में करीब 25 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. गोदाम के मालिक रेहान खान ने बताया कि उन्हें रात में आग लगने की सूचना मिली.जब वे मौके पर पहुंचे, तब तक गोदाम पूरी तरह से आग की चपेट में आ चुका था.

पाकुड़ में 7.50 लाख रुपए के जेवर, 1.10 लाख नकद की चोरी

पाकुड़। पाकुड़ शहर के कृष्णापुरी कॉलोनी में एक बंद घर से चोरों ने ताला तोड़कर घर में रखे साढ़े सात लाख की जेवरात, 1.10 लाख रुपये नगद और एक स्मार्ट टीवी चुरा लिए.रीकरने के बाद अपराधी फरार हा गए. घर के मालिक अमित कुमार सिंह ने बताया कि वे पिछले शनिवार को घर में ताला लगाकर अपनी दीदी के घर पाकुड़ से बाहर गए हुए थे. जब वे लौटे तो देखा कि घर का ताला तोड़ा हुआ है और सामान बिखरा पड़ा था. उन्होंने बताया कि घर में रखे लगभग 7 .50 लाख रुपये के जेवर, एक लाख दस हजार रुपये नगद और स्मार्ट टीवी चोरों ने चुराए हैं. पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू की.

बड़ी राहत : रबी फसलों के लिए 50% अनुदान पर बीज वितरण शुरू

बिरसा फसल विस्तार योजना में क्लस्टर अप्रोच अनिवार्य

अमित सिन्हा। रांची/ धनबाद

झारखंड सरकार के कृषि निदेशालय ने रबी मौसम की फसलों के लिए किसानों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए गेहूं, मक्का, सरसों, चना, मसूर आदि बीजों पर 50 प्रतिशत अनुदान की सुविधा शुरू कर दी है. ये बीज सभी जिलों में लैंप्स-पैक्स, निजी दुकानों और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से उपलब्ध होंगे. इस पहल के लिए पूर्व कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख ने मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री का आभार व्यक्त किया है. धनबाद के जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि जिले में रबी फसलों के लिए 50% अनुदान पर बीज वितरण शुरू कर दिया गया है. इसके साथ ही, बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत फसलों के प्रत्यक्षण (डेमोंस्ट्रेशन) को और प्रभावी बनाने के लिए क्लस्टर अप्रोच (समूह आधारित) पर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं. निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे रकबों में बिखरे हुए प्रत्यक्षण अब स्वीकार्य नहीं होंगे, क्योंकि इससे योजना का वास्तविक प्रभाव किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा है.

रबी मौसम में फसलों को मजबूत आधार: कृषि निदेशालय के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में रबी फसलों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों पर 50 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जा रही है. किसान इन बीजों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे, जो उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने में सहायक सिद्ध होंगे. पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख ने इस घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री का आभार जताया. यह कदम झारखंड के लाखों किसानों के लिए वरदान साबित होगा, जो रबी मौसम में अपनी फसलों को मजबूत आधार देगा. निदेशालय ने सभी जिलों के किसानों से आह्वान किया है कि वे निकटतम लैंप्स-पैक्स, निजी कृषि दुकानों से संपर्क कर बीज प्राप्त करें.

बिरसा योजना में क्लस्टर अप्रोच, 100 गांवों का चयन अनिवार्य: उप कृषि निदेशक (विस्तार), कृषि निदेशालय, रांची द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में जिला कृषि पदाधिकारियों और अनुमंडल कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं. पत्र में कहा गया है कि बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत विभिन्न फसलों के प्रत्यक्षण अब क्लस्टर मोड में ही किए जाएंगे. वर्तमान में जिलों में छोटे रकबों में बिखरे प्रत्यक्षण के कारण योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है, जो राज्य निर्देशों का उल्लंघन है. 13 अक्टूबर को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी रबी मौसम में राज्य के 100 गांवों का चयन किया जाएगा. प्रत्येक फसल के लिए एक गांव को क्लस्टर के रूप में अपनाया जाएगा. महत्वपूर्ण बात यह है कि खरीफ मौसम में पूर्व चयनित गांवों का दोहराव नहीं होगा और किसी भी सूरत में चयन में डुप्लिकेशन नहीं किया जाएगा.

पत्र में आगे कहा गया है कि क्लस्टर अप्रोच से किसानों के बीच योजना का वास्तविक प्रभाव (इम्पैक्ट) दिखेगा और प्रत्यक्षण के उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित होगी. प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर फसलवार क्लस्टर चयन की रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में जमा करने का आदेश दिया गया है. यह निर्देश रांची, गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, दुमका, हजारीबाग, पलामू, गिरिडीह, धनबाद, साहेबगंज सहित सभी जिलों और अनुमंडलों के लिए लागू होगा.

खरीफ चयनित गांवों का रबी में नहीं होगा चयन

मंत्री नाराज, कहा योजनओं का उद्देश्य नहीं हो रहा पूरा

धनबाद। राज्य कृषि विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन एवं राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन योजनाओं के तहत अब सख्ती बरतते हुए सभी फसल प्रदर्शनों को पूरी तरह क्लस्टर आधारित करने का निर्णय लिया है. राज्य मिशन निदेशक, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन ने सभी जिलों के परियोजना निदेशक (आत्मा) को जारी पत्र में कहा है कि अभी तक ज्यादातर जिलों में यत्र-तत्र छोटे-छोटे रकबों में फसल प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिससे न तो किसानों पर वास्तविक प्रभाव पड़ रहा है और न ही योजनाओं का उद्देश्य पूरा हो पा रहा है. यह मार्गदर्शिका का स्पष्ट उल्लंघन है.

13 अक्टूबर को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस पर गहरी नाराजगी जताते हुए मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी रबी मौसम 2025-26 में पूरे राज्य में केवल 100 चुनिंदा गाँवों में ही क्लस्टर के रूप में फसल प्रदर्शन कराए जाए. कहा कि एक गांव में केवल एक ही फसल का प्रदर्शन होगा. खरीफ मौसम में पहले से चयनित गाँवों का रबी में दोबारा चयन नहीं होगा. किसी भी स्थिति में गांवों के चयन में दोहरीकरण नहीं किया जाएगा. सभी जिलों को पत्र मिलने के तीन दिन के अंदर योजनावार-फसलवार लक्षित रकबे के अनुसार प्रखंडवार गाँवों की सूची राज्य मुख्यालय को भेजनी अनिवार्य है.राज्य मिशन निदेशक ने चेतावनी दी है कि अब बिना क्लस्टर के कोई भी फसल प्रदर्शन स्वीकार नहीं किया जाएगा और इसका पूरा प्रभाव किसानों तक दिखना चाहिए.

रामगढ़ में थाना दिवस भूमि विवाद सुलझाने की पहल की सराहना

रामगढ़ । रजरप्पा थाना परिसर में मंगलवार को "थाना दिवस" का आयोजन किया गया, जिसमें थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों की भूमि से जुड़े विवादों पर सुनवाई की गई. कार्यक्रम में दुलमी अंचल अधिकारी किशोरी यादव, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, चितरपुर सीआई अमित कुमार और एसआई रंजीत महतो उपस्थित थे. अधिकारियों ने कई मामलों को मौके पर ही सुलझाने का प्रयास किया और बाकी मामलों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की. दस्तावेजों के सत्यापन और आपसी सहमति के आधार पर कई भूमि विवादों का समाधान किया गया. थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्यक्रम अब हर मंगलवार को आयोजित किया जाएगा. स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि "थाना दिवस" से ग्रामीणों को त्वरित न्याय मिलेगा.

एक 7.65 एमएम देसी पिस्तौल, आठ जिंदा कारतूस, छह मोबाइल और एक अपाची बाइक बरामद

रंगदारी व फायरिंग गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

शुभम संदेश । बरही

बरकट्ठा थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने और फायरिंग करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. इस कांड में संलिप्त छह अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया. आरोपियों के पास से एक 7.65 एमएम देसी पिस्तौल, आठ जिंदा कारतूस, छह मोबाइल और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई. पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय था और ग्रामीणों, व्यवसायियों और डॉक्टरों से रंगदारी वसूलने का प्रयास कर रहा था.

मामला 30 अक्टूबर का है. आरोपी गुलाम रवानी के मोबाइल पर दस लाख रुपये की रंगदारी मांग कर उनके बच्चों को अपहरण की धमकी दे चुके थे. 6 नवंबर को उनके घर की पार्किंग में खड़ी गाड़ी पर दो चक्र गोली चला दी थी, जिसमें गाड़ी का शीशा टूट गया. पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अजीत कुमार बिमल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने सक्रिय छापेमारी की. इसी क्रम में बरकट्ठा के नावेद खान उर्फ गोलू खान, सलमान अंसारी, अफसर अंसारी और अबुल अंसारी को जंगल से गिरफ्तार किया गया. इसके अलावा गोरहर थाना क्षेत्र से सत्यम कुमार और बरकट्ठा के आलोक कुमार को भी पकड़ा गया. एसडीपीओ ने बताया कि आरोपियों ने बरकट्ठा के ग्रामीण डॉक्टर मो सलीम से 1,05,000 रुपये की रंगदारी वसूली थी, जिसे देशी कट्टा खरीदने में उपयोग किया गया. पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराधियों को अपराध की दुनिया छोड़कर विकास की मुख्य धारा से जुड़ना होगा, अन्यथा कार्रवाई जारी रहेगी. छापेमारी दल में एसडीपीओ, बरकट्ठा और गोरहर थाना प्रभारी, सब इंस्पेक्टर और सशस्त्र बल शामिल थे. बरकट्ठा थाना कांड संख्या 48/25 के तहत मामला दर्ज है और आगे की कार्रवाई जारी है. एसडीपीओ ने सभी असामाजिक तत्वों को चेताया कि पुलिस के तेज़ और उर्जावान दल के समक्ष अपराधी कहीं नहीं बचेंगे. यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत करने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम साबित होगी.

हजारीबाग में 20वीं उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ

हजारीबाग । हजारीबाग पुलिस केंद्र में मंगलवार को 20वीं उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का विधिवत शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस महानिरीक्षक सुनील भास्कर ने दीप प्रज्वलित कर एवं सफेद कबूतर उड़ाकर किया. उद्घाटन समारोह पुलिस बैंड की मधुर धुनों और दर्शकों की तालियों के बीच देशभक्ति और उमंग से भरपूर रहा. हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने स्वागत भाषण में प्रतियोगिता के उद्देश्य और पुलिसकर्मियों में खेलकूद की भूमिका पर चर्चा की. तीन दिवसीय प्रतियोगिता में हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, चतरा और गिरिडीह जिलों की पुलिस टीमें भाग ले रही हैं. कुल 242 पुलिसकर्मी हैंडबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे.

विभावि परीक्षा विभाग की लापरवाही से लॉ पाठ्यक्रमों में नामांकन और परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित

हजारीबाग । विनोबा भावे विश्वविद्यालय में जुलाई 2025 से प्रारंभ होने वाले लॉ के तीनों पाठ्यक्रम—बीए एलएलबी, एलएलबी और एलएलएम—की नामांकन और परीक्षा प्रक्रिया परीक्षा विभाग की लापरवाही के कारण अस्त-व्यस्त हो गई है. अक्टूबर तक नामांकन फॉर्म भरने के बावजूद प्रवेश परीक्षा की कोई तिथि घोषित नहीं की गई, जिससे विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है. एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अभिषेक राज कुशवाहा ने कहा कि परीक्षा नियंत्रक से बार-बार पूछने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला. स्नातक सेमेस्टर 6 का परिणाम अब तक जारी नहीं हुआ, जिससे पीजी में प्रवेश बाधित है. मैकेनिकल इंजीनियरिंग की परीक्षा में गलती से तीसरे सेमेस्टर का प्रश्न पत्र देने जैसी घटनाएं परीक्षा विभाग की अव्यवस्था को दर्शाती हैं.

प्रशिक्षु छह आईएएस अधिकारियों की टीम ने स्वाबलम्बी ग्राम अरकोषा का दौरा कर स्वच्छता अभियान चलाया

मरकच्चो (कोडरमा) । प्रखंड के स्वाबलम्बी ग्राम अरकोषा पुनर्वास में प्रशिक्षु छह आईएएस अधिकारियों की टीम ने मंगलवार को दौरा किया और स्वच्छता अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया. टीम में आईएएस अधिकारी सार्थक सिंह, कौशिक मिश्रा, विशाल शाह, मो. इमरान, पुरवा अग्रवाल और रुचिका झा शामिल थे. अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया और ग्रामीणों से अपने आसपास सफाई बनाए रखने की अपील की. अधिकारियों ने ग्रामसभा में ग्रामीणों से संवाद किया, विकास योजनाओं की प्रगति और जनसमस्याओं की जानकारी ली. इसके बाद मरकच्चो थाना, पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और परियोजना बालिका उच्च विद्यालय का भ्रमण कर पठन-पाठन की स्थिति का अवलोकन किया.

1981 बैच के पूर्व छात्रों का यादगार पुनर्मिलन

हजारीबाग । डबलिन यूनिवर्सिटी, आयरलैंड द्वारा स्थापित संत कोलंबस कॉलेजिएट स्कूल ने 1981 बैच के पूर्व छात्रों का भावपूर्ण पुनर्मिलन आयोजित किया. देश के विभिन्न क्षेत्रों और उच्च पदों पर कार्यरत इन पूर्व छात्रों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई. प्राचार्या ममता नीता भेंगराज ने सभी अतिथि छात्रों का स्वागत किया और ध्वजारोहण कर एकता का प्रतीक प्रस्तुत किया. उन्होंने एलुमनी मीट की सराहना करते हुए इसकी निरंतरता पर जोर दिया. पूर्व छात्रों ने वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और जीवन में सफलता के मूल मंत्र बताए. उन्होंने विद्यार्थियों को उपहार भी प्रदान किया और पुनः आगमन का आग्रह किया.

मेघातरी बस पड़ाव में अवैध वसूली का वीडियो वायरल

कोडरमा । मेघातरी बस पड़ाव में अवैध वसूली का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है. उप विकास आयुक्त रवि जैन ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा जताया है. वीडियो के वायरल होने पर पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बस पड़ाव पर लंबे समय से अवैध रंगदारी और वसूली का खेल चल रहा है, जबकि प्रशासन की कार्यवाही अपर्याप्त रही है.

प्रशासन ने की कार्रवाई, ट्रैक्टर और हाईवा वाहन जब्त

रामगढ़ । जिले में अवैध खनन और खनिजों के परिवहन को रोकने के लिए उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर जिला खनन कार्यालय की टीम ने औचक जाँच अभियान चलाया. इस दौरान रामगढ़-माण्डु मुख्य मार्ग और अग्रेत्तर कोठार मार्ग पर कई ट्रैक्टरों में बालू और स्टोन चिप्स लदा पाया गया, जिनके पास आवश्यक परिवहन चालान नहीं थे. जांच में ट्रैक्टर और पावरट्रैक सहित तीन वाहनों को जप्त कर रामगढ़ थाना को सुपुर्द किया गया. साथ ही पतरातु-राँची मुख्य मार्ग पर पीटीपीएस मेन गेट के पास दो हाईवा वाहनों में 900 सीएफटी और 990 सीएफटी स्टोन चिप्स पाए गए, जिनके पास चालान नहीं थे.

रन फॉर झारखंड कार्यक्रम विजयी प्रतिभागी हुए सम्मानित

शुभम संदेश । रामगढ़

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ के तत्वाधान में मंगलवार को 'रन फॉर झारखंड' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. दौड़ की शुरुआत पटेल चौक से हुई और यह अनुमंडल कार्यालय तक संपन्न हुई. दौड़ का शुभारंभ उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने किया.

उप विकास आयुक्त ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने सभी से नियमित रूप से खेलों में भाग लेने की अपील की. कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, प्रभारी पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे. प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं, खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्र और डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों ने भाग लिया. पुरुष वर्ग में सिद्ध कुमार ने प्रथम, सूरज नायक ने द्वितीय और आशीष गोरई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. महिला वर्ग में श्रद्धा कुमारी ने प्रथम, अंजू कुमारी ने द्वितीय और नंदनी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया. सभी विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया.

केरेडारी में "रन फॉर झारखंड", जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों संग दौड़ में बढ़ा उत्साह

केरेडारी । झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को प्रखंड प्रशासन की ओर से "रन फॉर झारखंड" का आयोजन किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार के नेतृत्व में जनप्रतिनिधि, ब्लॉक कर्मी, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, पुलिसकर्मी और आम नागरिकों ने मैराथन दौड़ में भाग लिया. दौड़ ब्लॉक परिसर से शुरू होकर मैन चौक होते हुए कराली रोड पहुंची और वापस ब्लॉक परिसर में समाप्त हुई. प्रतिभागियों ने समृद्ध और शांतिपूर्ण झारखंड के निर्माण का संकल्प लिया. इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी, अंचलाधिकारी राम रतन वर्णवाल, कार्यक्रम पदाधिकारी सुमन कुमार, दक्षिणी जिला परिषद अनीता सिंह, उप प्रमुख अमेरिका महतो समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में राज्य स्थापना दिवस के उत्सव और गर्व का माहौल देखने को मिला. मौके पर बेलतू मुखिया जितनी देवी, कांडबेर दिनेश साव, प्रीतम सिंह, बैजनाथ महतो, पंकज सहा सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे.

चौपारण (हजारीबाग) । झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय चौपारण में "रन फॉर झारखंड" का आयोजन किया गया. केबीएसएस +2 उच्च विद्यालय चौपारण से शुरू हुई दौड़ बिगहा गांव तक चली, जिसमें छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. बीडीओ नितेश भास्कर, सीओ संजय यादव, बीईओ राकेश सिंह, मुखिया प्रतिनिधि विनोद सिंह, पूर्व उपप्रमुख प्रीति गुप्ता और समाजसेवी बीरबल साहू ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया. कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड की गौरवशाली विरासत, उपलब्धियों और एकता का संदेश युवा पीढ़ी तक पहुंचाना था. अधिकारियों ने दौड़ में भाग लेकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया. कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामीण और समाजसेवी उपस्थित थे. पूर्व उपप्रमुख प्रीति गुप्ता ने इसे राज्य की ऊर्जा और प्रगतिशील सोच का प्रतीक बताया. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ और चौपारण में झारखंड स्थापना दिवस का उत्सव उत्साह और गौरव के साथ ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ.

अज्ञात ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, चार घायल

कोडरमा । तिलैया थाना क्षेत्र के राँची-पटना मुख्य मार्ग पर बसुंधरा-बजाज शो रूम के पास एक अज्ञात ट्रक ने यात्री से भरी ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें चार लोग घायल हो गए. ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. घायल सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और गाँव-गाँव घूमकर कंबल बेचने का काम करते हैं. घटना के समय ऑटो बरही से कोडरमा की ओर जा रही थी. पुलिस अज्ञात ट्रक की पहचान और चालक की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी हुई है.

चौपारण में अफीम की खेती के आरोप में दो गिरफ्तार

चौपारण (हजारीबाग) । चौपारण थाना पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. मामला थाना कांड संख्या 46/25, दिनांक 17 फरवरी 2025, धारा 17(सी) एक्ट से संबंधित है. गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जगदीश सिंह खेरवार और अरुण सिंह खेरवार, पिता नुनु सिंह, निवासी पुरनीअहरी के रूप में की गई है. दोनों पर अफीम की अवैध खेती करने का आरोप है. गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों अभियुक्तों को हिरासत में लिया. थाना प्रभारी ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.

कुर्मी एसटी मांग के विरोध में पाड़वा पोखर में बैठक

विष्णुगढ़ । कुर्मी समाज को एसटी सूची में शामिल करने की मांग के विरोध में मंगलवार को बिष्णुगढ़ प्रखंड के पाड़वा पोखर मैदान में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता दिबीराम हेमब्रोम ने की. बैठक में निर्णय लिया गया कि 17 नवंबर 2025 को हजारीबाग स्थित धूमकुड़िया भवन मैदान में आयोजित महा जनआक्रोश रैली में बिष्णुगढ़ क्षेत्र से हजारों लोग शामिल होंगे.

मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुमार विवेक सम्मानित

रामगढ़ । झारखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती पर चितरपुर प्रखंड के बोरोबिंग पंचायत में प्रखंड स्तरीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी और विशेष ग्राम सभा से हुई. इसके बाद विशेष रोजगार दिवस, शपथ ग्रहण, पंचायत स्तरीय मांग, पंजीकरण और रोजगार संबंधी कार्यों का गूगल शीट में संकलन किया गया. मनरेगा के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोजगार सेवक कुमार विवेक सिंह को बीडीओ दीपक मिंज ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया.

जितेंद्र पारा स्विमिंग में करेंगे झारखंड का प्रतिनिधित्व

रामगढ़ । झारखंड दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान और बहुमुखी खिलाड़ी जितेंद्र पटेल मंगलवार को मुरी से हैदराबाद के लिए रवाना हुए. वहां वे नेशनल पारा स्विमिंग चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे. लारी निवासी जितेंद्र पटेल क्रिकेट के साथ-साथ कबड्डी, वॉलीबॉल, डांसिंग और स्विमिंग में भी अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं. उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड का परचम ऊंचा लहराना है.

रजरप्पा में कल आयोजित होगा सप्तशक्ति संगम

रामगढ़ । रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में 13 नवम्बर को राँची विभाग स्तरीय सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विद्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में राँची विभाग के विभाग प्रमुख विवेक नयन पाण्डेय, प्राचार्य उमेश प्रसाद सहित सभी आचार्य और दीदीजी उपस्थित रहे. विभाग प्रमुख ने कार्यक्रम से संबंधित सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए, ताकि कार्यक्रम सफल और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके.

ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, गरिमा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण

शुभम संदेश । रामगढ़

समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने की दिशा में रामगढ़ उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देशानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विशेष समूह का गठन किया है. इस समूह का नाम "किन्नर उत्थान समिति" रखा गया है, जिसमें कुल 5 ट्रांसजेंडर सदस्य शामिल हैं. समिति का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें आजीविका के साधनों से जोड़ना और समाज में समान अवसर प्रदान करना है. जेएसएलपीएस के अधिकारियों ने बताया कि इस समिति के माध्यम से सदस्यों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा. समूह के सदस्यों को बैंकिंग, उद्यमिता विकास, लघु व्यवसाय संचालन और आजीविका संवर्धन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. इससे वे स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार ला सकेंगे. इस पहल से न केवल आर्थिक सशक्तिकरण होगा, बल्कि ट्रांसजेंडर समुदाय को सामाजिक स्वीकृति और आत्म-सम्मान भी मिलेगा. सदस्यों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और वे समाज की मुख्यधारा में समान रूप से भागीदारी निभा सकेंगे. यह कदम जिले में सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है कि अब समाज का कोई वर्ग विकास से वंचित नहीं रहेगा. जेएसएलपीएस की टीम ने बताया कि यह पहल ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, गरिमा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है. इसके माध्यम से जिले में सामाजिक समावेश और सशक्तिकरण की नई शुरुआत होगी. "किन्नर उत्थान समिति" न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की रक्षा करेगी, बल्कि उन्हें समाज में समान अधिकारों और अवसरों से जोड़ने का काम भी करेगी. इस पहल से रामगढ़ जिले में समानता और समावेशिता की भावना को मजबूत करने में मदद मिलेगी और यह अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी.

दिल्ली बम ब्लास्ट के मद्देनजर कोडरमा रेलवे स्टेशन पर चेकिंग

कोडरमा । दिल्ली में हुई हालिया बॉम्ब ब्लास्ट को लेकर कोडरमा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को आरपीएफ और जीआरपी कोडरमा के संयुक्त चेकिंग अभियान का आयोजन किया गया. इस अभियान के दौरान यात्रियों को गाड़ियों में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के साथ ही किसी भी लावारिस या संदिग्ध सामान को न छूने और तुरंत आरपीएफ, जीआरपी या स्टेशन कर्मचारियों को सूचित करने के लिए जागरूक किया गया. चेकिंग अभियान स्टेशन के पार्किंग एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया तथा वेटिंग हॉल में सघन रूप से संचालित किया गया. निरीक्षण के दौरान कोई असामान्य गतिविधि नहीं पाई गई. यात्रियों को अपने कीमती सामान सुरक्षित रखने और यात्रा के दौरान किसी भी तरह का जोखिम न लेने के लिए विशेष निर्देश दिए गए.

एक नजर

लावालौंग पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

चतरा । लावालौंग थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा. पहला मामला हत्या का था. ग्राम चानी में 09 नवंबर को फसल विवाद के दौरान बड़े भाई जगदीश भुइयाँ (38) ने अपने छोटे भाई संतोष भुइयाँ पर लाठी से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी. पुलिस ने विशेष छापामारी कर 12 घंटे में आरोपी को पकड़कर घटना में प्रयुक्त लाठी बरामद की. दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने छह माह से फरार एनडीपीएस मामले के आरोपी अनिल साव (40) को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया.

नावाडीह में लाह चूड़ी निर्माण प्रशिक्षण सत्र संपन्न

कोडरमा । प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत नावाडीह के प्रांगण में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा प्रायोजित 25 दिवसीय लाह चूड़ी निर्माण प्रशिक्षण सत्र का समापन किया गया. कार्यक्रम में मुखिया बैजंती देवी मुख्य अतिथि के रूप में और जिला उद्यमी समन्वयक अघनु उरांव, पंचायत सचिव योगिता गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन प्रखंड उद्यमी समन्वयक लेखराज कुमार ने किया, जिन्होंने पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण की विशेषताओं और लाह चूड़ी निर्माण की तकनीक पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी.

चतरा में "रन फॉर झारखंड" का सफल आयोजन

चतरा । झारखंड राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में 11 से 15 नवम्बर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में आज जिला प्रशासन द्वारा समाहरणालय परिसर से कुल्लू मोड़ तक "रन फॉर झारखंड" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौड़ में आमजन, युवक-युवतियां, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस, एनसीसी कैडेट और स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए. प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं जागरूक झारखंड के संकल्प के साथ दौड़ में भाग लेकर राज्य निर्माण के गौरवशाली 25 वर्षों का उत्साहपूर्ण संदेश दिया. सभी प्रखंड मुख्यालयों में भी स्थानीय स्तर पर दौड़ आयोजित की गई, जिसमें युवाओं और बच्चों की बढ़-चढ़ कर भागीदारी रही. जिला स्तरीय दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 15 नवम्बर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में आयोजित मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा. जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगी विभागों को आभार प्रेषित किया है.

डीसी ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोडरमा । राज्य स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष के अवसर पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री ऋतुराज ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित जन-जागरूकता प्रचार वाहनों को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उपायुक्त ने कहा कि ये वाहन जिले के सभी प्रखंडों और गाँवों में भ्रमण कर झारखंड की 25 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाएंगे. वाहन युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के सभी वर्गों को राज्य के समेकित विकास में भागीदारी हेतु प्रेरित करेंगे.

महिला ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की

चतरा । पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र की एक महिला ने सोमवार को एसपी सुमित कुमार अग्रवाल को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी. महिला ने आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर को उसकी नाबालिक पुत्री के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार का प्रयास किया गया. घटना के समय घर में पुत्री अकेली थी. अभियुक्त मृत्युंजय कुमार दांगी पानी मांगने के बहाने घर आया और बेटी के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी. विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी.

जयनगर में भाकपा माले का धरना प्रदर्शन

जयनगर (कोडरमा) । प्रखंड मुख्यालय व अंचल कार्यालय पर भाकपा माले और भाकपा (सीपीई) का संयुक्त धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया. धरना की अध्यक्षता सीपीई के अंचल सचिव विरेंद्र यादव और संचालन माले प्रखंड सचिव मुंना यादव ने किया. धरना मार्च के रूप में पेठियाबागी से प्रखंड कार्यालय तक निकाला गया. प्रदर्शनकारियों ने 18 सूत्री मांगों को लेकर जोरदार विरोध जताया. इन मांगों में गैरमजुरूवा जमीन को रहती मान्यता देना और रसीद निर्गत करना, भूमि बैंक रद्द करना, जयनगर में बायपास रोड निर्माण, पंचायत में शिविर लगाकर दाखिल-खारिज एवं जमीन ऑनलाइन करना, डीएपी एवं यूरिया खाद पर नियंत्रण, पेंशन राशि बढ़ाना जैसी मांगें शामिल हैं.

घर से 8 लाख नकद व 6 लाख के गहनों की चोरी

चतरा । नगवां मुहल्ला निवासी नंदलाल यादव के घर मंगलवार सुबह चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया. चोरों ने घर की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी का लॉक तोड़कर लगभग 8 लाख नकद, 6 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने व अन्य सामान चोरी कर लिया. घर के सदस्यों को आते देख चोर अपनी तीन बाइक घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए.

केरेडारी में ब्रह्माकुमार भगवान भाई का आगमन

केरेडारी । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्यालय माउंट आबू से सीनियर राजयोगी ब्रह्माकुमार भगवान भाई का स्थानीय ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेवाकेंद्र में आगमन हुआ. उन्होंने शहर के स्कूलों में नैतिक शिक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया और सेवाकेंद्र पर खुशहाल जीवन हेतु सकारात्मक चिंतन पर संबोधन दिया. हजारीबाग केंद्रीय कारागार में उन्होंने अपराध मुक्त, तनाव एवं नशा मुक्त जीवन के लिए राजयोग का परिचय कराया. भगवान भाई ने कहा कि नकारात्मक विचार, क्रोध और अहंकार मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं, जबकि आध्यात्मिक जीवन और मेडिटेशन से जीवन सुखमय बनता है.

डेंटल कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर संगोष्ठी

हजारीबाग । डेमोटांड स्थित हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर बायोकैमिस्ट्री विभाग द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. मुख्य विषय "एआई और शिक्षा ऑटोमेशन की दुनिया में मानव स्वतंत्रता का संरक्षण" था. डॉ. अनुभा कुमारी ने एआई के शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते उपयोग, डिजिटल क्लासरूम, व्यक्तिगत शिक्षण तकनीक और डेटा सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की.

मौलाना अबुल कलाम आजाद की 137वीं जयंती

हजारीबाग । भारत के प्रथम शिक्षामंत्री एवं "भारत रत्न" मौलाना अबुल कलाम आजाद की 137वीं जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय, कृष्ण बल्लभ आश्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी के विद्वान थे और स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई. उन्होंने प्रथम और द्वितीय महायुद्ध के दौरान कारावास झेला. प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार ने कहा कि वे द्विराष्ट्र सिद्धांत को कभी स्वीकार नहीं करते थे और देश के प्रति मुस्लिम समुदाय की आस्था बनाए रखने में सफल रहे.

योजनाओं का विधायक ने किया शिलान्यास

चौपारण । बरही विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई दिशा देते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने चौपारण प्रखंड में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से चार प्रमुख योजनाओं का शिलान्यास किया. इसमें डेबो पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पिपराडीह और कोरियाडीह का उन्नयन, डेबो पैक्स गोदाम का निर्माण और चौपारण स्वास्थ्य केंद्र के जीर्णोद्धार कार्य शामिल हैं. ग्रामीणों ने विधायक का ढोल-नगाड़े के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया.

सांसद मनीष जायसवाल ने डीसी से की चर्चा

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग समाहरणालय में हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मुलाकात कर जिले के विकास और जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा की. बैठक में हजारीबाग झील, छड़वा डैम और कनहरी हिल के सौंदर्यीकरण व समग्र विकास के मुद्दे प्रमुख रूप से उठाए गए. इसके अलावा पूरे विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन केंद्र स्थापित करने और एनटीपीसी प्रभावित कर्णपुरा क्षेत्र में सेंट्रल स्कूल की स्थापना पर भी विचार-विमर्श किया गया. सांसद ने पंचायत स्तर पर सामुदायिक केंद्र खोलने समेत अन्य स्थानीय विकास कार्यों और समस्याओं को भी उठाया.

चपरबार में 30 टन अवैध कोयला जब्त

हरिहरगंज (पलामू) । पिपरा थाना क्षेत्र के चपरबार गांव के समीप मंगलवार को प्रशासनिक टीम ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से रखे गए लगभग 30 टन कोयले को जब्त किया. यह कार्रवाई पिपरा के अंचल अधिकारी जितेंद्र कुमार और थाना प्रभारी विमल कुमार के नेतृत्व में की गई. अधिकारियों ने बताया कि सरकारी भूमि पर बिना अनुमति के बड़ी मात्रा में कोयला डंप किया गया था, जिसकी सूचना मिलने पर संयुक्त छापेमारी की गई. मौके से करीब तीन हाईवा कोयला बरामद किया गया और उसे जब्त कर थाना परिसर लाया गया. पुलिस ने बताया कि मामले में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह कोयला अवैध खनन और तस्करी से जुड़ा हुआ हो सकता है. प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन या भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सांसद आदर्श ग्राम चटुआग : आंदोलन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा

बिजली को लेकर किसानों ने शुरू किया जमीन समाधि सत्याग्रह

शुभम संदेश । चंदवा

सांसद आदर्श ग्राम चटुआग में बिजली की गंभीर समस्या को लेकर किसानों ने अनिश्चितकालीन जमीन समाधि सत्याग्रह शुरू कर दिया है. दर्जनों किसान जमीन पर गड्ढा खोदकर धरना दे रहे हैं और यह आंदोलन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा. आंदोलन में पंचायत समिति सदस्य अयुब खान भी शामिल हैं. किसान जीदन टोपनो, सनीका मुंडा, बुधराम बारला, दाउद होरो, अमीत भेंगरा, सिमान भेंगरा, प्रमीला भेंगरा, फगुनी भेंगरा, अंधरियस टोपनो, धुमा भेंगरा, मुना भेंगरा, मागरेट टोपनो, मुक्ता टोपनो, वीनीता कोंनगाड़ी, पुरन मुंडा ने बताया कि सांसद आदर्श ग्राम चटुआग के कई टोलों में अब तक बिजली नहीं पहुंची है. कुछ टोलों में लकड़ी के खुटा और पेड़ की सहायता से तार खींचकर बिजली जलायी जा रही है. अठुला टोला में नया बिजली ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है.

किसानों ने बताया कि पहले भी बिजली समस्या को लेकर आंदोलन किया गया था, तब प्रशासन ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. ग्राम चटुआग के अठुला, कारी टोंगरी, उबका पानी, पहना पानी, परहैया टोला, लोहराही, पोक्या, चोरझरीया, पुरंमपनियां, भेलवाही, बगडेगवा और चरकापत्थल के कई घरों में अब भी विद्युतीकरण नहीं हुआ है.

किसान आंदोलन का उद्देश्य प्रशासन से बिजली समस्या का तत्काल समाधान कराना है. वे कहते हैं कि लकड़ी और पेड़ की मदद से बिजली जलाने की स्थिति न तो सुरक्षित है और न ही स्थायी. आंदोलनकारियों का कहना है कि बिजली की उचित आपूर्ति न होने से शिक्षा, कृषि और घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं. किसानों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि गांव में नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएं, सभी टोलों में तार बिछाया जाए और ग्रामीणों को स्थायी और सुरक्षित बिजली उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा. इस सत्याग्रह में शामिल किसानों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल बिजली का समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि ग्रामीणों की जीवनशैली प्रभावित न हो और बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सके.

झारखंड रजत जयंती "रन फॉर झारखंड" जनभागीदारी और विकास का संकल्प

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को रवाना किया गया. उपायुक्त समीरा एस. एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया. उपायुक्त ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस जनभागीदारी और विकास के संकल्प का प्रतीक है. जागरूकता रथ एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पेंशन और कृषि योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाई जा रही है. राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को "रन फॉर झारखंड" का आयोजन समाहरणालय परिसर से जी.एल.ए कॉलेज एथलेटिक्स स्टेडियम तक किया गया. दौड़ में डीसी समीरा एस., एसपी रीष्मा रमेशन, डीडीसी जावेद हुसैन, अन्य अधिकारियों के साथ स्कूल छात्र, नेहरू युवा केन्द्र वॉलिंटियर्स और आम नागरिकों ने भाग लिया. युवाओं ने "हैप्पी बर्थडे झारखंड" के नारे लगाते हुए दौड़ पूरी की. स्टेडियम में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को डीसी-एसपी ने मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया.

लातेहार में 'रन फॉर झारखंड' का हुआ शुभारंभ

लातेहार । झारखंड राज्य स्थापना दिवस–2025 के अवसर पर आज जिला मुख्यालय स्थित जिला खेल स्टेडियम में "रन फॉर झारखंड" का आयोजन किया गया. दौड़ का शुभारंभ उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई और सिविल सर्जन डॉ. राज मोहन खलखो ने हरी झंडी दिखाकर किया. उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि यह दौड़ राज्य की एकता, ऊर्जा और प्रगतिशील भावना का प्रतीक है. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वस्थ, सशक्त और विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र–छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी और आमजन ने भाग लिया. दौड़ जिला खेल स्टेडियम से शुरू होकर बाईपास रोड, चटानी चौक होते हुए पंचमुखी हनुमान मंदिर तक गई और पुनः खेल स्टेडियम में समाप्त हुई. प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को उपायुक्त द्वारा पुरस्कृत किया गया. उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य की युवा शक्ति के उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है.

प्रचार वाहनों को उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

लातेहार । झारखंड राज्य स्थापना दिवस–2025 के अवसर पर आज समाहरणालय परिसर से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सात प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उपायुक्त ने कहा कि ये वाहन झारखंड की 25 वर्षों की उपलब्धियों और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाएंगे. "झारखंड @25" थीम के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से विकास कार्य और योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचेगी. प्रचार वाहनों के जरिए "आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" अभियान, राज्य स्थापना दिवस से संबंधित कार्यक्रम और सरकारी योजनाओं की उपलब्धियों का प्रचार किया जाएगा.

मनरेगा कार्यक्रम में 112 कर्मियों का सम्मान श्रमिकों को ऑन-स्पॉट रोजगार प्रदान

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग ने जिले के 21 प्रखंड और 265 पंचायतों में मनरेगा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए. सुबह 8 बजे से 10 बजे तक ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा प्रेरक नारों के साथ स्थानीय महिला और पुरुष श्रमिकों ने भाग लिया. नारे के साथ पारंपरिक गीत एवं मंदार की थाप से गांव की गलियां गूंज उठीं. इसके पश्चात विशेष ग्राम सभा और रोजगार दिवस का आयोजन किया गया. प्रखंड स्तर पर मनरेगा कर्मी, बागवानी सखी, महिला मेट और अन्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस दौरान कुल 112 कर्मियों का सम्मान किया गया, जिसमें 60 महिला मेट शामिल थीं. इसके अलावा 127 लाभुकों को भी सम्मानित किया गया.

झारखंड रजत जयंती पर प्रभातफेरी व ग्रामसभा

महुआडांड़ (लातेहार)। झारखंड राज्य की रजत जयंती समारोह के अवसर पर महुआडांड़ प्रखण्ड के सभी पंचायत भवनों में मंगलवार को विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत प्रभातफेरी से हुई, जो पंचायत भवन से शुरू होकर बाजार मार्ग से ग्राम डीपाटोली तक निकाली गई. प्रभातफेरी में सामाजिक संगठनों के सदस्य, पंचायतकर्मी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण शामिल हुए. इस दौरान मनरेगा से जुड़े कई नारे लगाए गए, जैसे "जॉब कार्ड बनाओ, रोजगार पाओ, गांव को समृद्ध बनाओ." प्रभातफेरी के दौरान पंचायत कर्मियों ने ग्रामीणों को मनरेगा मजदूरों और योजनाओं से संबंधित जानकारी दी. प्रभातफेरी समाप्त होने के बाद पंचायत भवन में पंचायतस्तरीय ग्रामसभा बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों को जॉब कार्ड प्रदान किए गए और मनरेगा योजनाओं से अवगत कराया गया.

अंलाधिकारी ने जन शिकायत निवारण शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

शुभम संदेश । बालूमाथ

बालूमाथ स्थित प्रखंड सह अंचल कार्यालय कक्ष में मंगलवार को साप्ताहिक जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता बालूमाथ अंचल अधिकारी बालेश्वर राम ने की. शिविर में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने भूमि विवाद, ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत करने, जमीन का मोटेशन और अन्य समस्याओं को लेकर अपनी समस्याएं अंचल अधिकारी के समक्ष रखीं. ग्रामीणों ने समस्याओं के त्वरित समाधान की गुजारिश की. अंचल अधिकारी बालेश्वर राम ने सभी शिकायतों की जांच कर समाधान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया. उन्होंने बताया कि प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को नियमित रूप से जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया जाता है, ताकि आम लोगों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निपटारा किया जा सके. इस पहल से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों तक पहुँचाने और समाधान पाकर राहत मिलने का अवसर मिलता है.

मेदिनीनगर में ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

मेदिनीनगर । सदर थाना पुलिस ने एनएच-39 पर सिंगरा कला के पास छापेमारी कर दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है. कार्रवाई के दौरान लगभग 21 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल फोन और 2,660 रुपये नकद बरामद किया गया. सूचना के आधार पर पलामू एसपी को मिली जानकारी के अनुसार एक काले रंग की बाइक पर सवार दो युवक ब्राउन शुगर लेकर मेदिनीनगर की ओर आ रहे थे. सदर थाना प्रभारी लालजी के नेतृत्व में सिंगरा कला अमानत नदी के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई. पड़वा मोड़ की तरफ से आ रही काली टीवीएस मोटरसाइकिल (जेएच03एपी3034) पर सवार दोनों युवकों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने भागने का प्रयास किया. पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए दोनों को घेरकर पकड़ लिया. गिरफ्तार युवकों की पहचान चिन्दु कुमार (23 वर्ष, जेलहाता) और अतुल रंजन सिंह (25 वर्ष, जेलहाता) के रूप में हुई. प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन की उपस्थिति में तलाशी के दौरान उनके पास से नशीला पदार्थ और नकदी बरामद की गई. पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे गढ़वा जिले के एक व्यक्ति 'राजा' से ब्राउन शुगर खरीदकर पलामू क्षेत्र में बेचते थे. पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर सभी बरामद सामान जब्त कर लिया.

कोयल रिवर फ्रंट पर पहली बार बेटियों ने की गंगा आरती

मेदिनीनगर । शहर के कोयल रिवर फ्रंट पर रविवार शाम एक ऐतिहासिक अवसर देखा गया, जब शहर की बेटियों ने पहली बार गंगा आरती का आयोजन कर मेदनीनगर और पूरे पलामू को गौरवान्वित किया. शाम 6.30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में मेदनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर मुख्य अतिथि थीं. गंगा आरती मंच से बेटियों को आरती करते देख महापौर भावुक हो उठीं. महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि जब कोयल रिवर फ्रंट पर गंगा आरती मंच का निर्माण हो रहा था, तब उन्होंने सपना देखा था कि स्थानीय बच्चों की टीम बनारस की तर्ज पर गंगा आरती करे. आज यह सपना साकार होते देख उन्हें गर्व हो रहा है. उन्होंने नवजागरण कोयल गंगा आरती समिति के अध्यक्ष राहुल और उनकी टीम को बधाई दी और इस पहल को पलामू की सांस्कृतिक पहचान बनने की संभावना बताया. महापौर ने जिला प्रशासन से अपील की कि गंगा आरती को आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं और इसे पर्यटन दृष्टिकोण से प्रमोट किया जाए. उन्होंने कहा, "अगर मुझे मां गंगा और जनता का आशीर्वाद मिला, तो कोयल रिवर फ्रंट की गंगा आरती को मेदनीनगर नगर निगम का आधिकारिक प्रोजेक्ट बनाया जाएगा और स्थल को और भव्य रूप दिया जाएगा." शहरवासियों से उन्होंने आग्रह किया कि हर रविवार शाम 6 बजे कोयल रिवर फ्रंट पहुंचकर इस नई सांस्कृतिक पहल का साक्षी बनें. महापौर ने कहा कि यह केवल आरती नहीं, बल्कि बदलते मेदनीनगर की नई पहचान है, जहां बेटी, भक्ति और संस्कृति का संगम देखने को मिलता है.

अभियान | डीडीसी ने बढ़ाई जागरूकता, बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करना होगा

सामूहिक प्रयास से बाल विवाह मुक्त होगा पलामू

- डीडीसी ने बाल विवाह के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाने पर जोर दिया.
- लक्ष्य सिर्फ शादियों को रोकना नहीं, बल्कि लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना.

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त भारत मिशन को साकार करने के उद्देश्य से अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. डीडीसी जावेद हुसैन ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए समाज के हर व्यक्ति को सक्रिय भूमिका निभानी होगी. उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह करने वाले बालक-बालिकाएं शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण विकसित नहीं होते, जिससे कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं. बाल विवाह न केवल सामाजिक समस्या है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से भी जुड़ा मुद्दा है. डीडीसी ने बाल विवाह के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाने पर जोर दिया और कहा कि किसी भी सूचना मिलने पर विवाह को रोकने और माता-पिता समेत संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. सहायक समाहर्ता हिमांशु कुमार लाल ने कहा कि जागरूकता के साथ मिलकर ही इस कुरीति को जड़ से समाप्त किया जा सकता है. एसडीओ सुलोचना मीना ने कहा कि लक्ष्य सिर्फ शादियों को रोकना नहीं, बल्कि लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना है.

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने बाल विवाह रोकथाम के लिए विभागीय कार्ययोजना प्रस्तुत की और कहा कि स्कूलों, पंचायत और हाट-बाजारों में नुक्कड़ नाटक और अन्य माध्यमों से जनता को बाल विवाह के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाएगा. कार्यशाला में नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार, डीईओ सौरभ प्रकाश, बाल संरक्षण इकाई के सदस्य, पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी सेविका, विभिन्न सामाजिक संगठनों और धर्म गुरुओं ने भाग लिया.

एक नजर

एसडीओ का बड़ा एक्शन, सौ ट्रैक्टर अवैध बालू जब्त

हुसैनाबाद, पलामू । हुसैनाबाद प्रशासन ने अवैध बालू कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है. एसडीओ सह आइएएस ओमप्रकाश गुप्ता ने बीती रात तकिया सबानो गांव के कररबार नदी के पास छापा मारकर करीब सौ ट्रैक्टर डंप अवैध बालू जब्त किया. जानकारी के अनुसार, रात में बालू की अवैध ढुलाई की तैयारी चल रही थी. मौके पर एसडीओ गुप्ता ने अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार और थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी को बुलाकर कार्रवाई का निर्देश दिया. उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध बालू कारोबार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इस कार्रवाई के बाद बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है. प्रशासन का यह कदम क्षेत्र में अवैध बालू व्यापार पर लगाम लगाने की दिशा में अहम माना जा रहा है.

ग्राम प्रधानों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन अधिकार बहाली और सम्मान राशि बढ़ाने की मांग

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड के ग्राम प्रधान संघ ने मंगलवार को उपायुक्त लातेहार को सात सूत्री मांग पत्र सौंपा. ज्ञापन में ग्राम प्रधानों ने पंचायत व्यवस्था में अपने अधिकारों की बहाली, मानकीकृत सम्मान राशि में वृद्धि और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका सशक्त करने की मांग की. संघ ने विशेष रूप से आग्रह किया कि जाति, निवास और आय प्रमाण पत्रों पर ग्राम प्रधानों के हस्ताक्षर के लिए अलग कॉलम जोड़ा जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया पारदर्शी हो सके. साथ ही ग्राम प्रधान संघ ने वर्तमान 3000 सम्मान राशि बढ़ाने, सभी सरकारी योजनाओं के प्रमाण पत्रों में प्रधान की पुष्टि अनिवार्य करने और पंचायत स्तर पर कांजी हाउस निर्माण की व्यवस्था करने की मांग की. इसके अलावा पंचायत स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों में भ्रष्टाचार नियंत्रण और मृत ग्राम प्रधानों के नाम सूची से हटाकर नए प्रधानों को गजट में शामिल करने का आग्रह भी किया गया. इस अवसर पर तरुण बड़ाक, निर्मल नगेसिया, जोसेफ बैंग, रॉबर्ट सारस, रंजीत एक्का, डेनियल बरला सहित कई ग्राम प्रधान उपस्थित रहे. संघ का कहना है कि इन मांगों के लागू होने से पंचायत व्यवस्था मजबूत होगी और स्थानीय शासन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ेगी.

हवलदार संदीप टोप्पो ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम अक्सी निवासी हवलदार संदीप टोप्पो ने सोमवार दोपहर लगभग तीन बजे अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिवार के सदस्यों ने उन्हें तुरंत महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया. संदीप टोप्पो हाल ही में रांची सुखदेव नगर थाना में पदस्थापित थे और छह नवंबर को घर आए थे. परिवार ने बताया कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और इलाज के तहत दवा चल रही थी. उन्होंने पत्नी और एक बेटे को पीछे छोड़कर आत्महत्या की. घटना से पूरे गाँव में मातम छा गया.

झारखंड स्थापना दिवस पर पंचायत से प्रखंड स्तर तक कार्यक्रम का आयोजन

बालूमाथ (लातेहार)। झारखंड राज्य की 25वीं स्थापना दिवस के अवसर पर बालूमाथ प्रखंड के विभिन्न गांवों में मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए. स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने हाथों में तख्तियां लेकर "स्वच्छ झारखंड, सुंदर झारखंड" और "गंदगी छोड़ो, सफाई जोड़ो" जैसे नारे लगाए. वक्ताओं ने कहा कि हर नागरिक को राज्य के विकास और स्वच्छता में सक्रिय योगदान देना चाहिए. कार्यक्रम में पंचायत सचिवालय के कर्मचारी, शिक्षक, छात्र, जीविका दीदी और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए. प्रखंड स्तर पर भी पंचायत भवनों में ग्रामसभा और रैली का आयोजन कर लोगों को स्वच्छता एवं जनजागरण के प्रति प्रेरित किया गया.

लात और डोरम पंचायत के ग्रामीणों ने बिजली की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बरवाडीह (लातेहार) । बरवाडीह प्रखंड के लात पंचायत और सरजू प्रखंड के डोरम गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार, 11 नवम्बर 2025 को विद्युत कार्यपालक अभियंता, लातेहार को बिजली की आपूर्ति की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा. ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि दिसंबर 2025 तक बिजली नहीं पहुंची, तो जनवरी 2026 में बिजली विभाग में ताला बंदी आंदोलन किया जाएगा. डोरम, लात, भुसकु और बरवाडीह समेत कई पंचायतों के दर्जनों टोले अभी भी अंधेरे में हैं. ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला परिषद सदस्य जेम्स हेरेंज, सांसद प्रतिनिधि विवेकानंद प्रसाद, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार सिंह, ग्राम प्रधान और पूर्व मुखिया समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे. ग्रामीणों ने कहा कि कई बार विभाग से अनुरोध करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ. यदि विभाग अब भी नहीं चेता, तो वे बड़े पैमाने पर जन आंदोलन, तालाबंदी और धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्थिति की पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी.

दिल्ली धमाके के बाद आदर्श रविराज का बयान: हर नागरिक की जिम्मेदारी है सुरक्षा

चंदवा । भाजपा नेता आदर्श रविराज ने दिल्ली धमाके को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना दिखाती है कि सुरक्षा का खतरा अब केवल बाहर से नहीं, बल्कि देश के भीतर से भी बढ़ रहा है. उन्होंने बताया कि धमाके में इस्तेमाल विस्फोटक विदेश से नहीं लाया गया था, बल्कि कुछ लोगों ने देश के भीतर के रासायनिक पदार्थों को मिलाकर आरडीएक्स जैसा घातक पदार्थ तैयार किया. रविराज ने इसे देशद्रोह की चरम सीमा बताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की. उन्होंने सभी नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि सुरक्षा केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है. समाज से अनुरोध किया कि वे अपने आस-पास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें. रविराज ने सरकार से आंतरिक सुरक्षा और निगरानी तंत्र को और मजबूत करने की मांग की. भाजपा नेता ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए.

रांची मंडल के तहत एसएलआर पार्सल वैन के लिए ई-नीलामी

सं.: सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक: 11.11.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा रांची मंडल के तहत ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। सूचीपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट पर पहले ही प्रकाशित कर दिया गया है। विवरण नीचे उल्लेखित है: **श्रेणी:** पार्सल। **सूचीपत्र सं.:** आरएनसीपार्सल25-3; **सम्पत्ति का विवरण:** रांची मंडल से यात्रा आरम्भ करने वाली 33 अदद पैसेंजर/मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में एसएलआर कम्पार्टमेंट पट्टे पर प्रदान करने के लिए 41 अदद सम्पत्तियों की ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 15.11.2025 को सुबह 10.00 बजे। **नीलामी समाप्त होने की तारीख:** 15.11.2025 को अपराह्न 05.10 बजे। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस की वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी पढ़ा प्रस्ताव देखने का अनुरोध किया जाता है। ऊपर उल्लेखित सूचीपत्र के अंतर्गत लॉट-वार विवरण उपलब्ध है।

(PR-626) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे

मंथन

देश में एक बार फिर हुआ आतंकी हमला

देश एक बार फिर आतंक के साये में कांप उठा है. हाल ही में हुए आतंकी हमले ने न केवल अनेक निर्दोष लोगों की जान ली, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की चुनौती अभी भी हमारे सामने गंभीर रूप से विद्यमान है. हर बार की तरह इस बार भी आतंकियों का मकसद देश में भय और अस्थिरता फैलाना था, ताकि लोगों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा की जा सके.आतंकवाद केवल किसी एक क्षेत्र या देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए अभिशाप बन चुका है. निर्दोषों का खून बहाकर कोई भी विचारधारा अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती. यह मानवता और सभ्यता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है. ऐसे हमले न केवल जान-माल की हानि करते हैं, बल्कि समाज में आपसी अविश्वास और नफरत के बीज भी बोते हैं.इन घटनाओं से निपटने के लिए आवश्यक है कि सुरक्षा तंत्र और खुफिया एजेंसियाँ और अधिक सशक्त व सतर्क हों. सीमाओं की सुरक्षा कड़ी की जाए, आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाया जाए और समाज के प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए. केवल सरकार ही नहीं, जनता की भागीदारी भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभा सकती है.साथ ही, आतंकवाद की जड़ों को खत्म करने के लिए शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना भी आवश्यक है. जब युवा भटकाव से दूर रहेंगे, तभी आतंक के अंधेरे से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त होगा.अंततः, आतंकवाद किसी धर्म, जाति या विचारधारा का नहीं, बल्कि मानवता का दुश्मन है. हमें एकजुट होकर इस वैश्विक खतरे का सामना करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भयमुक्त वातावरण में जीवन जी सकें.

नजरिया

अच्छी पहल : एसटी छात्रों को जेईई-नीट की मुफ्त कोचिंग

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की आधारशिला होती है. जब समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा के समान अवसर मिलते हैं, तभी सच्चे अर्थों में समावेशी विकास संभव होता है. इसी दिशा में झारखंड सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) विद्यार्थियों के लिए जेईई और नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग योजना शुरू की गई है, जो एक सराहनीय और दूरदर्शी कदम है.यह पहल उन विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगी, जिनके पास प्रतिभा तो है पर आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण वे उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा नहीं कर पाते. जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं में सफलता के लिए गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो ग्रामीण या पिछड़े इलाकों के छात्रों को प्रायः उपलब्ध नहीं हो पाते. मुफ्त कोचिंग के माध्यम से सरकार न केवल उनकी आर्थिक बाधाओं को दूर कर रही है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी जगा रही है.यह कदम राज्य के एसटी युवाओं को इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में प्रवेश दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगा.इस पहल का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अन्य छात्र भी उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित होंगे. लंबे समय में यह नीति राज्य के मानव संसाधन विकास को सुदृढ़ करेगी और सामाजिक असमानता को कम करेगी.निस्संदेह, एसटी छात्रों को जेईई-नीट की मुफ्त कोचिंग देना एक ऐसी पहल है, जो न केवल शिक्षा का प्रसार करेगी, बल्कि हजारों युवाओं के भविष्य को नई दिशा भी देगी.

आदिवासी सरलता की असाधारण ग्रहशीलता

डॉ मयंक मुरारी

वर्तमान दौर की समस्या असामान्य मन का विस्तार है. जब मन, हृदय सरल एव संवेदनशील हो जाते हैं, तब हम देखेंगे कि हमारी समस्याएं बड़ी सरलता से हल होती है. चाहे वे कितनी भी जटिल क्यों न हों. आज आदिवासी सरलता की जीवन में जरूरत है, जो इस बाहरी विक्षोभ, अशांति, विरोधाभास को सरलता से सामना कर पाए. आदिवासी मन ही समस्या को नए ढंग से सृजनात्मक हल निकाल सकता है. आदिवासी सरल मन में असाधारण ग्रहणशीलता होती है, क्योंकि वहां कोई अवरोध नहीं है. आदिवासी मन सदैव ही ईश्वरीय अनुकंपा में विश्वास करता है. स्वाभाविक जीवन में जो होता है, उसे ग्रहण करने में आदिवासी मन संकोच नहीं करता है.

आदिवासी मन सदैव ही ईश्वरीय अनुकंपा में विश्वास करता है

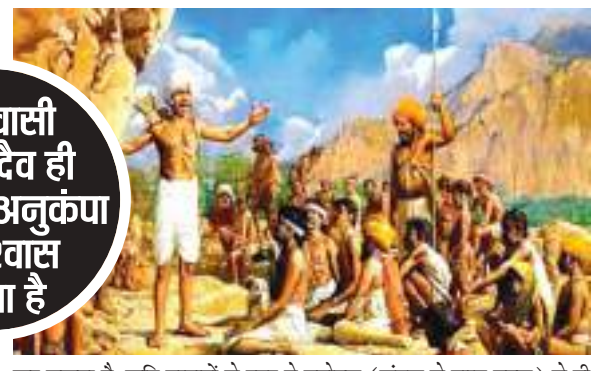

जनजातीय समाज के साथ पिछले 20 सालों से काम कर रहा हूं. जब भी किसी जनजातीय बहुल गांव जाता हूं और विकास शब्द कहता हूं तो वे मुस्कुराने लगते हैं. मैं अचरज में पड़ जाता था. बाद में लगा कि विकास क्या है ? प्रतिस्पद्धा, संघर्ष, द्वंद्व और फिर भौतिक सुख का एकत्रीकरण ! फिर एक समय के बाद पुनः इसी दिशा में क्रियाशीलता ! आदिवासी समाज वह है, जहां फल तोड़ा नहीं चुना जाता है, जहां जंगल से भी पेड़ को उखाड़ा नहीं जाता. वहां, तो विकास के मूल भाव अंतर्निहित है. जड़ी-बूटियों के लिए भी पेड़ को काटा जाता है, उखाड़ा नहीं जाता. जिस समाज में मदत यानी सहयोग की प्रथा है. वहां विकास की किस अवधारणा से हम परिचय करा रहे है ? यदि गांव में किसी के यहां काम है तो गांव के प्रत्येक घर से एक वयस्क व्यक्ति मदत के लिए आयेगा. यह प्रथा खेती के लिए भी है.

क्या विकास का अर्थ बाजार में कीमत लगाना है. वस्तु की खरीद और बिक्री है ? सामग्रियों का संग्रह ही विकास है. अगर विकास सोच है तो आदिवासी पीछे कहां और कब रहे ? आदिवासियों में जमीन का जो परम्परागत आधार रहा है, उसमें नीलामी या निजी सम्पत्ति की कल्पना ही नहीं रही हैं. क्या यह विकसित समाज का परिचायक नही है. आदिवासी समाज में धन संचय की कोई अवधारणा मौजूद नहीं है. जनजातीय समाज अपनी परम्परागत चेतना के साथ ही सक्रिय रहते हैं कि उन्हें उनके द्वारा साफ की गई जमीन से कोई बेदखल नहीं कर सकता है. कृषि उत्पादों से इतर वे वनोपज (जंगल से प्राप्त उपज) से ही लेन-देन की गतिविधियों को अंजाम दे दिया करते थे. जनजातीय समाज में कर्ज या ऋण अवधारणा ही नहीं थी. पइचा की अवधारणा थी. इसमें जितना अनाज और पैसा उधार लेते हैं, उतना ही वापस करना होता था. इसपर समय की बाध्यता या ऋण पर सूद की कोई अवधारण ही नहीं थी. बाजार व्यवस्था ने आदिवासी मन में नई चुनौतियां लायीं और समस्या तब ही शुरू हुईं.

उनके साथ काम कर जाना कि आदिवासी वह है, जो अपने अंतर में सरल है. जो कुछ बनने की फिराक में नहीं है. जहां किसी बात के लिए तनाव या द्वंद्व नहीं है. ऐसा मन जहां होगा, वहां निश्चित ही असाधारण ग्रहणशीलता होगी, क्योंकि वहां कोई अवरोध नहीं है, कोई भय नहीं है, उसे किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना नहीं है. आदिवासियों को पिछड़ा समझने के स्थान पर उन्हें एक समानांतर सभ्यता के तौर पर समझने की जरूरत है. एक अलग सभ्यता जिनकी अपना दर्शन है, अपनी चिंतन पद्धति है, विकास की अपनी सोच है, जो उनके खान-पान, रहन-सहन, पर्व-त्योहार, व्यवस्था और परिधान तक में परिलक्षित होता है. आदिवासी समाज वैकल्पिक साधनों का उपयोग करता है. वहां एक दूसरे पर निर्भरता सहज और स्वाभाविक है, और जिसकी कोई कीमत नहीं है. आज जब हरएक मन, जो ढूंढ रहा है, पता लगा रहा है, टटोल रहा है, विक्षुब्ध है. वही आदिवासी मन अंदर या बाहर से किसी भी दबाव के सांचे में ढलने का प्रयत्न कर रहा है. जब मन वास्तव में संवेदनाक्षम होता है, अर्थात अपने साथ घटित होने वाली तमाम प्रक्रियाओं के प्रति सावधान होता है, जब मन कुछ बन नहीं रहा होता, केवल तभी वह सत्य को ग्रहण करने की कामता रखता है. केवल तभी सुख-शांति संभव है, क्योंकि यह कोई लक्ष्य नहीं है, यह यथार्थ का परिणाम है. विकास की समस्या यह है कि हम उसको एक ही ढांचे में सोचते और स्वीकार करते है. कोई भी समस्या हो, उसका हल उसी दृष्टिकोण से हो सकता है. लेकिन यदि हम विचार के किसी ढांचे में सोचते रहते हैं, चाहे वह धार्मिक हो, राजनीतिक हो या कोई और, तो हम उस समस्या का समाधान नहीं तरीके से नहीं सकते. अतः सरल होने के लिए हमें इन सबसे मुक्त होना होगा. उसी प्रकार आदिवासी विकास के प्रति हस्तक्षेप तभी सार्थक होगा जब हम अपनी विचार प्रकिया के प्रति सचेत हो, उसे समझने की क्षमता रखे और स्वयं की समग्रता में जान और रख सके. एक कविता में कहा गया है कि वे हमारी भाषाओं को ठीक से उच्चारित नहीं कर पाते, वे हमारी भाषा और संस्कृति को तरीके से समझते ही नहीं है, और वे हमारे विकास और प्रगति का सोचते है ! यह विडंबना नही ंतो और क्या है ?

आदिवासी जीवन में एक अनुशासन है, जो उनके संस्कार, उनकी संस्कृति और उनके स्वभाव में परिलक्षित होता है. उनके जीवन में सामूहिकता बची है, जिस कारण न तो उनको निज संपत्ति के प्रति मोह है और न ही वे प्रतिस्पद्धा करते हैं. आदिवासी समाज में संसाधनों में हिस्सेदारी को स्वीकार किया जाता है. इससे उनके जीवन में करुणा, प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहती है. मानवीय संबंध प्रगाढ़ होता है. और न ही इसके लिए कोई विशेष वह किसी के आगे हाथ नहीं पसारते हैं. उनके लिए सब कुछ प्रिय है. लेकिन सबसे प्रिय उनकी प्रकृति है. पंच तत्वों के प्रति विशेष लगाव है. जल, जमीन, जंगल, पहाड़, आकाश ही उनके परिवार है. जिनसे वे ग्रहण करते हैं और अतिक्रमण पर विरोध का भाव रखते हैं. वे प्रकृति के सौंदर्य को पहचानते हैं, इस कारण उनके जीवन और चिंतन में उसकी ग्रहणशीलता बनी है. इसकी शिक्षा उनको अपने पुरखों और प्रकृति से मिलती है. जीवन में व्यापक ग्रहणशीलता का कारण उनका सरल मन है जहां ईश्वर खुद उनके साथ निवास करता है. उनके साथ रहता है, साथ ही खाता-पीता है और वह इसी प्रकृति और पुरखों के साथ अभिन्न है. जीव के साथ जीवन और जीवन के साथ जल, जंगल और जमीन का संबंध सरल के साथ काफी तरल भी है, जो सभ्यता के आदिकाल से उनके मन में प्रवाहित होता आ रहा है.

आज का इतिहास

1781 : अंग्रेजों ने नागापट्टनम पर क़ब्ज़ा किया.
1847 : ब्रिटेन के चिकित्सक सर जेम्स यंग सिंप्सन ने बेहोशी की दवा के रूप में पहली बार क्लोरोफार्म का प्रयोग किया.
1918 : ऑस्ट्रिया एक गणतंत्र बना.
1925 : अमेरिका और इटली ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये.
1930 : लंदन में पहली बार गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत इसमें 56 भारतीय और 23 ब्रिटिश प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कोई सदस्य शामिल नहीं हुआ.
1936 : केरल के मंदिर सभी हिंदुओं के लिए खुले.
1953 : इजराइल के प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दिया.
1956 : मोरक्को, सूडान और ट्यूनिशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए.
1963 : जापान में ट्रेन दुर्घटना में 164 लोग मारे गये.

जीवन में खुश रहना है तो सकारात्मक सोचें

चिंतन

कैसोवैरी चिड़िया को बाकी चिड़ियों के बच्चे चिढाते थे. कोई कहता,जब तू उड़ नहीं सकती तो चिड़िया किस काम की. ऐसा बोलकर सब के सब खूब हंसते. कैसोवैरी शुरू-शुरू में इन बातों का बुरा नहीं मानती थी लेकिन हर चीज की सीमा होती है. बार-बार चिढ़ाने से उसका दिल टूट गया. वह उदास आसमान की तरफ देखते हुए बोली, हे ईश्वर, तुमने मुझे चिड़िया क्यों बनाया और बनाया तो मुझे उड़ने की काबिलियत क्यों नहीं दी. देखो सब मुझे चिढ़ाते हैं. अब मैं यहां नहीं रह सकती. और ऐसा कहते हुए कैसोवैरी चिड़िया आगे बढ़ गयी. अभी वो कुछ ही दूर गयी थी कि पीछे से एक भारी आवाज़ आई-रुको कैसोवैरी. तुम कहां जा रही हो. कैसोवैरी ने पीछे देखा, वहां खड़ा जामुन का पेड़ उससे कुछ कह रहा था. कृपया तुम यहां से मत जाओ. हमें तुम्हारी ज़रूरत है.पूरे जंगल में हम सबसे अधिक तुम्हारी वजह से ही फल-फूल पाते हैं. वो तुम ही हो जो अपनी चोंच से फलों को अंदर तक खाती हो. हमारे बीजों को पूरे जंगल में बिखेरती हो. हो सकता है बाकी चिड़ियों के लिए तुम मायने न रखती हो लेकिन हम पेड़ों के लिए तुमसे बढ़कर कोई दूसरी चिड़िया नहीं है. मत जाओ, तुम्हारी जगह कोई नहीं ले सकता.

पेड़ की बात सुन कर कैसोवैरी को पहली बार लगा कि वो इस धरती पर बेकार में मौजूद नहीं है,भगवान ने उसे बेहद ज़रूरी काम के लिए भेजा है और सिर्फ बाकी चिड़ियों की तरह न उड़ पाना कहीं से उसे छोटा नहीं बनाता. आज एक बार फिर कैसोवैरी चिड़िया बहुत खुश थी, वह ख़ुशी-ख़ुशी जंगल में वापस लौट गयी.

दोस्तों, कैसोवैरी चिड़िया की तरह ही कई बार हम इंसान भी औरों को देखकर सोचने लगते हैं. हम सोचते हैं कि उसके पास ये है, उसके पास वो है.सब कितने भाग्यशाली हैं. हमें कभी भी बेकार की तुलना में नहीं पड़ना चाहिए. हर एक इंसान यूनीक है. हर किसी में कोई न कोई बात है जो उसे ख़ास बनाती है.हां हो सकता है कि वो दुनिया के लिए बस एक इंसान हो लेकिन किसी एक के लिए वो पूरी दुनिया हो सकता है. इसलिए जीवन की महत्ता को समझिए और अपने अमूल्य जीवन को सही सोच का तोहफा दीजिए.यकीन जानिए सही सोच आपकी पूरी लाइफ को शानदार बना देगा.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. Bhutan 43K
2. #DelhiCarBlast
3. #Dharmendra 34K
4. #DaddhaDhamKatni
5. #NationalEducationDay
6. भूटान भाग
7. #DelhiBlast 91K
8. हेमा मालिनी
9. राष्ट्रीय शिक्षा
10. विदेश यात्रा

बहुरंग

श्रिया पिलगांवकर ने पूरी की प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' की शूटिंग, तस्वीर साझा की

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ एक खास तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' की शूटिंग पूरी कर ली है. यह तस्वीर फिल्म के सेट की है, जिसमें श्रिया और प्रियदर्शन मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं. तस्वीर में श्रिया के हाथ में एक क्लैप बोर्ड दिखाई दे रहा है, जिस पर लिखा है - 'हैवान'. श्रिया ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, "मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ. इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने." उन्होंने आगे फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया और अपने सह-कलाकारों का नाम लेते हुए लिखा, "सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकारों के साथ काम करना बेहद मजेदार अनुभव रहा." फिल्म 'हैवान' को मशहूर फिल्मकार प्रियदर्शन निर्देशित कर रहे हैं. यह 2016 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का हिंदी रीमेक है. 'ओप्पम' एक थ्रिलर ड्रामा थी, जिसमें एक नेत्रहीन व्यक्ति अपराध में उलझ जाता है. उम्मीद की जा रही है कि प्रियदर्शन अपने अनोखे निर्देशन और सितारों से सजी कास्ट के जरिए 'हैवान' को बड़े पर्दे पर एक रोमांचक अनुभव बनाएंगे. 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान एक बार फिर साथ नजर आएंगे, जिससे दर्शकों में 1990 के दशक की यादें ताजा हो जाएंगी. फिल्म में बोमन ईरानी, सैयामी खेर, राजपाल यादव और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे. यह फिल्म 2025 में रिलीज होने की उम्मीद है.

चौथे दिन यामी की 'हक' की कमाई घटी सोनाक्षी की 'जटाधरा' बुरी तरह फ्लॉप

इमरान हाशमी और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'हक' बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाए रखने में सफल रही है. वीकेंड पर मजबूत प्रदर्शन के बाद चौथे दिन को फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन अब तक इसका कुल कलेक्शन ठीक-ठाक रहा है. सैकनिल्क के अनुसार, 'हक' ने रिलीज के चौथे दिन लगभग 1 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म ने पहले दिन 1.75 करोड़, दूसरे दिन 3.35 करोड़, और तीसरे दिन 3.85 करोड़ रुपये जुटाए थे. इस तरह चार दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 9.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. हालांकि, 25 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म को अभी लागत निकालने के लिए लंबा सफर तय करना होगा. दूसरी ओर, सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'जटाधरा' का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा है. 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म की कमाई चौथे दिन 35 लाख रुपये पर सिमट गई. फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन सिर्फ 3.74 करोड़ रुपये ही हुआ है. जहां 'हक' को दर्शकों से मिश्रित प्रतिक्रिया मिल रही है और इसकी पकड़ अब भी बनी हुई है, वहीं 'जटाधरा' बॉक्स ऑफिस पर लगभग फ्लॉप साबित हो चुकी है. आने वाले दिनों में दोनों फिल्मों का प्रदर्शन तय करेगा कि कौन-सी फिल्म लंबे समय तक सिनेमाघरों में टिक पाती है.

राजामौली की 'एसएसएमबी29' का ग्रैंड लॉन्च 15 नवंबर को, प्रियंका करेंगी कमबैक

'बाहुबली' फेम डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'एसएसएमबी29' भारतीय सिनेमा की सबसे भव्य फिल्मों में से एक बनने जा रही है. इस फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं. फिल्म से जुड़े मेकर्स ने अब इसकी भव्य लॉन्चिंग इवेंट की आधिकारिक घोषणा कर दी है. यह 15 नवंबर 2025 को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित किया जाएगा. इवेंट का नाम "द ग्रैंड ग्लोबट्रॉटर" रखा गया है, जिसे जियोहॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा. इस अवसर पर फिल्म के टाइटल और कहानी से जुड़ी कई अहम जानकारियों का खुलासा होने की उम्मीद है. बताया जा रहा है कि इस इवेंट में करीब 50,000 से ज्यादा फैंस की भारी भीड़ जुटने की संभावना है. साथ ही, अब तक का सबसे बड़ा स्टेज और स्क्रीन सेटअप तैयार किया जा रहा है, जिसकी ऊंचाई करीब 100 फीट और चौड़ाई 130 फीट होगी-जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में अब तक का सबसे विशाल सेटअप माना जा रहा है. हाल ही में फिल्म की टीम ने पृथ्वीराज सुकुमारन का दमदार फर्स्ट लुक जारी किया था, जिसने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी थी. अब प्रियंका चोपड़ा का एक नया वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, "मैं हमेशा हैदराबाद में ही क्यों रहती हूं? यह दुनिया का सबसे बड़ा राज है और अब इसे बताने का समय आ गया है. 15 नवंबर को रामोजी फिल्म सिटी में मिलते हैं." गौरतलब है कि इस फिल्म से प्रियंका चोपड़ा करीब छह साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं. उन्हें आखिरी बार 2019 की फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में देखा गया था. इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स पर फोकस किया था. अब 'एसएसएमबी29' के साथ उनका कमबैक भारतीय दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं होगा.

दिल्ली में लाल किले के पास कार धमाका, सिनेमा जगत ने जताई संवेदना

रविवार की शाम 6:50 बजे के करीब राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध लाल किला मेट्रो स्टेशन के निकट एक कार में भयावह विस्फोट हुआ, जिसमें अब तक कम-से-कम 10 लोगों की मौत हुई है और दर्जनों घायल बताए जा रहे हैं. यह धमाका जब धीमी गति से चल रही कार पर ट्रैफिक सिग्नल पर रेड लाइट पर रुकी थी, तब हुआ. घटना के बाद आसपास खड़ी अन्य कारें, ऑटो-रिक्शा व ई-रिक्शा भी आग की भेंट चढ़ गईं. घटना की जानकारी मिलते ही दमकल और आपात-सेवाएं मौके पर पहुंची और क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया गया है. अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह विस्फोट किसी आतंकी साजिश का हिस्सा था या किसी तकनीकी कारण से हुआ. सिनेमा जगत के जानकारों ने इस दर्दनाक हादसे पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं. दक्षिण भारत के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने सोशल-मीडिया अकाउंट पर लिखा- "दिल्ली के लाल किले के पास हुई दुखद घटना से बेहद दुखी हूँ. मेरी संवेदनाएँ पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. मैं कामना करता हूँ कि एक बार फिर शांति स्थापित हो." इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा- "दिल्ली धमाके में अपने परिजनों को खोने वालों के प्रति हम गहरा दुख व्यक्त करते हैं. ऐसी मुश्किल की घड़ी में हम उनके साथ हैं और उनके लिए प्रार्थना करते हैं." अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- "लाल किला विस्फोट से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदना हैं. दिल्ली, मजबूत रहो और सुरक्षित रहो." वहीं, राजकुमार राव ने इस हादसे की खबर सुनकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर दुख व्यक्त किया और एक टूटे दिल का इमोजी शेयर किया.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग. रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

वृष : बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. शुभांक-3-4-5

मिथुन : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. शुभांक-2-4-5

कर्क : खान-पान में सावधानी रखें. शत्रुभय, ड्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. शुभांक-4-6-7

सिंह : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-4-6-8

कन्या : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. कोई धार्मिक यात्रा करेगें. शुभांक-2-5-7

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी. प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक :कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा. व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. शुभांक-2-4-6

धनु : स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं. शुभांक-4-6-8

मकर : सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. सुख-आनंद कारक समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. शुभांक-6-7-9

कुंभ : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. आवेस में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. शुभांक-3-5-7

मीन : अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभांक-2-4-6

संकल्प दिवस के रूप में मनाई जाएगी बिरसा जयंती

गुमला। झारखंड नवनिर्माण दल गुमला जिला समिति के तत्वाधान में शहीद वीर बिरसा मुंडा के जयंती तथा राज्य स्थापना दिवस को संकल्प दिवस के रूप में 15 नवंबर 2025 को मनाने का निर्णय लिया गया है. विदित हो कि शहीदों के सपनों का खुशहाल झारखंड बनाने तथा राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध व जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर हो इस उद्देश्य को लेकर 2015 में झारखंड राज्य की स्थिति को देखते हुए झारखंड नवनिर्माण दल का गठन नवनिर्माण की लड़ाई लड़ने के लिए गठन की गई है. 15 नवंबर को झारखंड नवनिर्माण दल का गठन दिवस भी है. पूरे राज्य के जिलों में 15 नवंबर को पार्टी संकल्प दिवस के रूप में मनाएगी.

मातृ शक्ति की ऊर्जा से समाज व देश का विकास संभवः किरण

शुभम संदेश। गुमला

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर गुमला में मंगलवार को जिला स्तरीय 'सप्त शक्ति संगम' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ शक्ति को उनकी स्वाभाविक भूमिका के प्रति जागृत करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण के महान कार्य में सक्रिय रूप से सम्मिलित करना है. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. इस अवसर पर विद्या विकास समिति के क्षेत्रीय संयोजिका एवं प्रदेश सह मंत्री डॉ. पूजा, प्रांतीय संयोजिका रंजना, प्रांतीय सह संयोजिका किरण राय, विभाग संयोजिका कविता कुमारी तथा पूर्व वार्ड पार्षद शैल मिश्रा शामिल हुए. किरण राय ने भारतीय नारी को देवी की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि मातृ शक्ति की ऊर्जा से ही समाज और देश का विकास संभव है. मुख्य वक्ता डॉ. पूजा ने कहा कि यह शक्ति प्रत्येक महिला में निहित है और इसे जागृत करने की आवश्यकता है. उन्होंने महिलाओं को रूढ़िवादी विचारों से संघर्ष करने और अपने अधिकारों को जानने के लिए प्रेरित किया.

डॉ. पूजा ने मानसिक सशक्तिकरण को महिलाओं की मजबूती का आधार बताते हुए दृढ़ता से यह कहा कि जब तक मातृ शक्ति सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से सशक्त नहीं होगी, तब तक भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता. प्रांतीय संयोजिका रंजना सिंह ने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए द्रौपदी, गार्गी और अहिल्याबाई होल्कर जैसी विदुषी माताओं का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि आज महिलाओं का पुनर्जागरण हो रहा है और भारत की बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता सिद्ध कर रही हैं. आचार्या कल्याणी कुमारी द्वारा धर्म, संस्कृति और पर्यावरण पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सही उत्तर देने वाली मातृशक्ति प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया. विद्यालय की बहनों द्वारा प्रस्तुत रूप सजा कार्यक्रम तथा शिशु वाटिका की प्रदर्शनी ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। 'सप्त शक्ति' की अवधारणा में परिवार, विद्यालय, समाज, सेवा, संस्कृति, संगठन, और राष्ट्रभक्ति के सात आयामों को रेखांकित किया गया.

बारह पड़हा दारी जतरा में उमड़ी हजारों की भीड़

गुमला। सिसई प्रखंड के घाघरा पंचायत में स्थित दारी टोंगरी में बारह पड़हा दारी जतरा का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया. इस पारंपरिक मेले में दूर-दूर से हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए, जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आए थे. जतरा में बुढ़ा महादेव, नकटी देवता और पुरखा कंडो की पूजा के माध्यम से लोग अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं. इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक जिगा सुसारन होरो ने कहा कि हमारी परंपरा और संस्कृति का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने बताया कि प्रकृति और धर्म का गहरा संबंध हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है. विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने मेले में शामिल सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए गांव और समाज के विकास के लिए मिलकर काम करने की अपील की. पूर्व सांसद सुदर्शन भगत ने जतरा को मेल-मिलाप और भाईचारे का प्रतीक बताया. उन्होंने कहा कि यह मेला क्षेत्रीय सभ्यता और संस्कृति की झलक दिखाने का अवसर है. वहीं, धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने बारह पड़हा दारी जतरा को आदिवासी सभ्यता और संस्कृति की पहचान बताते हुए इसके संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया. जतरा में सिसई प्रमुख मीना उरांव, जिप सदस्य सिसई उत्तरी विजय लक्ष्मी कुमारी, समाजसेवी कैप्टन लोहरा उरांव, पड़हा कोटवार गजेंद्र उरांव, पड़हा कोहा बेल जुब्बी उरांव सहित जतरा समिति के सदस्य श्री पुनई उरांव, कमलेश उरांव, सुकरु उरांव उर्फ टाना भगत और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

सुखदेव भगत बने हिमाचल प्रदेश के एआईसीसी ऑब्जर्वर

लोहरदगा। लोकसभा सांसद सुखदेव भगत को हिमाचल प्रदेश राज्य का एआईसीसी ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य हर स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाना है. इस बारे में जानकारी कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव सी. वेणुगोपाल ने पत्र के माध्यम से दी. सुखदेव भगत ने सांसद के रूप में अपनी मेहनत, प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन के जरिए बहुत कम समय में राष्ट्रीय नेता और बेहतरीन वक्ता के रूप में पहचान बनाई है. उनके कार्यों ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को प्रभावित किया है. इससे पहले भी उन्हें पार्टी ने पांच राज्यों के कांग्रेस संसदीय दल राज्य कमेटी संयोजक, चंडीगढ़ के लिए नेशनल टैलेंट हंट का नोडल समन्वयक, और बिहार विधानसभा के स्टार प्रचारक के रूप में नियुक्त किया था. कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इससे पहले भी उन्हें गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों का एआईसीसी ऑब्जर्वर बनाया था. अब हिमाचल प्रदेश राज्य का एआईसीसी ऑब्जर्वर बनने के साथ, सांसद भगत का कार्य क्षेत्र और जिम्मेदारी और बढ़ गई है.

झारखंड एट 25 थीम के अंतर्गत रन फॉर झारखंड

लोहरदगा। झारखंड राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से 11 से 14 नवंबर तक आयोजित कार्यक्रमों के तहत 15 नवंबर को "झारखण्ड एट द रेट 25" थीम के अंतर्गत "रन फॉर झारखण्ड" का आयोजन किया गया. इस दौड़ कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था. कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त डॉ. ताराचंद और उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया. इसके बाद प्रतिभागियों ने निर्धारित रूट पर दौड़ शुरू की. दौड़ में न केवल प्रतिभागियों ने भाग लिया, बल्कि उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, जिला खेल पदाधिकारी और अन्य पदाधिकारीगण भी दौड़ में शामिल हुए. उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने इस अवसर पर कहा कि दौड़ने से शरीर स्वस्थ रहता है और ऊर्जा का संचार होता है. उन्होंने कहा कि दौड़ से आलस्य दूर होता है और युवाओं की ऊर्जा राज्य के विकास में काम आती है. इसके अलावा उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दौड़ को दैनिक गतिविधियों में शामिल करना चाहिए, क्योंकि यह शरीर की अधिकांश मांसपेशियों को सक्रिय करता है और स्वास्थ्य सुधार में सहायक होता है. रन फॉर झारखण्ड की शुरुआत समाहरणालय मैदान से हुई. प्रतिभागी दौड़ते हुए कचहरी चौक, पावरगंज चौक, बड़ा तालाब, मिशन चौक और बरवाटोली चौक होते हुए वापस समाहरणालय मैदान पहुंचे.

झारखंड स्थापना दिवस पर मनरेगा प्रभातफेरी समारोह

इटकी। प्रखंड में झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मनरेगा के तहत प्रभातफेरी का आयोजन किया गया. उप विकास आयुक्त रांची के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रभातफेरी में मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए. प्रभातफेरी के दौरान पंचायतों में हर हाथ काम योजना के तहत नए लाभुकों को जॉब कार्ड वितरित किए गए. लोगों को मनरेगा योजना के तहत मिलने वाले लाभ, रोजगार के अवसर और योजना के संचालन के तरीके के बारे में जागरूक किया गया. साथ ही प्रखंड कार्यालय सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित कर मनरेगा मेट और 100 दिन का रोजगार पूरा कर चुके लाभुकों तथा मनरेगा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रमुख रूप से किरण उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. अनीस, बीपीओ संजय साहू, राधेश्याम गुप्ता, मेरी प्रतिभा टुडू, मजाज अहमद, शैंपू गुप्ता, प्रभा देवी, सुनीता कुजूर, कर्मी उड़ाईन, रिंकी देवी, मीना देवी, बसंती कुमारी और रूपेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा योजना के महत्व और लाभ के बारे में आम जनता को जागरूक करना और मेहनती कर्मियों को सम्मानित कर उनकी मेहनत की सराहना करना था.

उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर झारखंड को किया रवाना

विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत

शुभम संदेश। गुमला

गुमला में रन फोर झारखंड के साथ झारखंड रजत जयंती वर्ष का शानदार आगाज किया गया. जिला प्रशासन की ओर से झारखंड राज्य के गौरवशाली 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुमला नगर भवन से फुलवार टोली होते हुए वापस नगर भवन तक लगभग पांच किलोमीटर रन फोर झारखंड का आयोजन किया गया. जिसमें जिले भर के युवा एथलीटों ने जोश और उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया और झारखंड राज्य के प्रति एकता, अखंडता, समरसता, ऊर्जा और गौरव का संदेश दिया. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित, पुलिस अधीक्षक हरीश बिन ज़मां, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, अपर समाहर्ता शाहसिंद्र कुमार बड़ाइक, जिला नजारत उप समाहर्ता ललन कुमार रजक, जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रन फोर झारखंड का शुभारंभ कराया. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने युवाओं को राज्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश देते हुए कहा कि रन फोर झारखंड राज्य के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर ओजित है. यह एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राज्य के प्रति समर्पण, एकता और जागरूकता का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि झारखंड की प्रगति में युवाओं की भूमिका अहम है. यदि हर युवा अपनी जिम्मेदारी समझे, शिक्षा और स्वच्छता को अपनाए तथा समाज में सकारात्मक योगदान दे, तो हमारा राज्य विकास के नए आयाम स्थापित करेगा. कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बालक मुकेश उरांव ने भी पूरे उत्साह और जज़्बे के साथ दौड़ में भाग लिया और 5 किलोमीटर की दूरी को पूरा किया. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने उनके अदम्य साहस की सराहना करते हुए उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया. बालिका वर्ग के दौड़ में अनीशा उरांव, सवर्णी कुमारी, दीपिका कुमारी और बालक वर्ग में रामबिलास पासवान, तिजा उरांव, रंजीत सिंह को क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे. उपायुक्त ने विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया. समाहरणालय भवन में रजत जयंती वर्ष जागरूकता रथ को भी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडा दिखा कर रवाना किया.

सिमडेगा में 10 प्रखंडों में रन फॉर झारखंड

सिमडेगा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सिमडेगा जिले के सभी 10 प्रखंडों में "रन फॉर झारखंड" का सफल आयोजन किया गया. प्रत्येक प्रखंड में कार्यक्रम का नेतृत्व संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएँ, पुलिस प्रशासन, युवा, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की एकता, विकास और गौरव के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था. प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों को झारखंड की संस्कृति, धरोहर और उपलब्धियों को संरक्षित रखने का संकल्प दिलाया. "रन फॉर झारखंड" के दौरान पूरे जिले में उत्सव का माहौल देखने को मिला. प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से राज्य के प्रति अपनी जिम्मेदारी और प्रेम प्रदर्शित किया. युवा और नागरिकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिससे राज्य के प्रति गर्व और उत्साह का संचार हुआ. आयोजन ने न केवल स्वास्थ्य और खेल के महत्व को बढ़ावा दिया.

सिमडेगा में रन फॉर झारखंड में उमड़ी भारी भीड़, युवाओं का जोश उफान पर

शुभम संदेश। सिमडेगा

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर सिमडेगा जिला उत्साह और गर्व से सराबोर रहा. इस मौके पर उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह के नेतृत्व में रन फार झारखंड का भव्य आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम राज्य की एकता, विकास और समृद्धि का प्रतीक बनकर सामने आया. प्रातः 7:00 बजे परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम से दौड़ की शुरुआत हुई. इस अवसर पर प्रधान जिला जज-सह-सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, एलआरडीसी अरुणा कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव सहित जिले के अन्य अधिकारी, पत्रकार, पुलिस जवान, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं और आम नागरिकों ने भाग लिया. पांच किलोमीटर लंबी यह दौड़ अल्बर्ट एक्का स्टेडियम से शुरू होकर बाजार टांड़, सिमडेगा कॉलेज मोड़, केलाघाघ मोड़, महावीर चौक, झूलनसिंह चौक होते हुए पुनः स्टेडियम में समाप्त हुई. पूरे मार्ग में प्रतिभागियों का उत्साह और जोश देखते ही बनता था. कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड की 25 वर्षों की गौरवपूर्ण उपलब्धियों को याद करना और एक मजबूत, शांतिपूर्ण व समृद्ध राज्य के निर्माण का संकल्प लेना था. प्रतिभागियों ने इस अवसर पर झारखंड की माटी, उसकी संस्कृति और विरासत के प्रति गर्व व्यक्त किया. उन्होंने राज्य की उन्नति, भाईचारे और आत्मनिर्भरता के संदेशको जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया. सभी ने माना कि रन फार झारखंड राज्य के उज्ज्वल भविष्य की ओर सामूहिक कदम है.

एक नजर

टाना भगत समुदाय का उत्थान है प्राथमिकताः डीसी

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने जिला स्तरीय टाना भगत विकास प्राधिकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की और समुदाय के लिए विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की. बैठक में बताया गया कि जिले में 1206 टाना भगत परिवार रहते हैं और अब तक 449 टाना भगतों को पेंशन योजनाओं का लाभ, 1461 राशन कार्ड का वितरण, और 914 लाभुकों को वस्त्र वितरण किया जा चुका है. सामुदायिक भवन निर्माण, शिक्षा, कृषि और पशुपालन, उद्यान विभाग के माध्यम से मधुमक्खी पालन, पुष्प और तकनीकी खेती प्रशिक्षण जैसी विभिन्न योजनाओं के बारे में भी चर्चा की गई. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि टाना भगत समुदाय के उत्थान हेतु सभी योजनाओं का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और त्वरित क्रियान्वयन प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने समुदाय के सदस्यों को सलाह दी कि वे प्रत्येक प्रखंड में टाना भगत के समिति का गठन करते हुए मासिक बैठक आयोजित कर योजनाओं के सुझावों और लाभार्थियों की सूची प्रशासन को उपलब्ध कराएं.

आदर्श मोटर परिवहन सहयोग समिति की बैठक

किस्को/लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धुर्वा मोड़ स्थित मैदान में आदर्श मोटर परिवहन सहयोग समिति लिमिटेड किस्को लोहरदगा की बैठक अध्यक्ष कुद्दूस अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में दर्जनों ट्रक ऑनर्स शामिल हुए और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में अध्यक्ष कुद्दूस अंसारी ने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन द्वारा ट्रक ऑनर्स के हित में बनाई गई गाइडलाइंस में किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जो भी ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के नियमों के विरुद्ध कार्य करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि ट्रक मालिकों के हितों की रक्षा एसोसिएशन की प्राथमिकता है और इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा. अध्यक्ष ने हिंडाल्को कंपनी द्वारा मनमानी तरीके से दो नए ट्रकों के नंबर जारी करने की कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि कंपनी के इस रवैए का एसोसिएशन कभी भी समर्थन नहीं करेगा. यदि कंपनी अपनी मनमर्जी से ट्रक बढ़ोतरी जारी रखती है, तो सभी ट्रक ऑनर्स अपने वाहन खड़ी कर प्रदर्शन करेंगे.

इटकी प्रखंड में 10 सूत्री मांग-पत्र बीडीओ को सौंपा

इटकी। इटकी प्रखंड के विभिन्न समस्याओं को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रखंड अध्यक्ष वसीम इकबाल के नेतृत्व में सोमवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने 10 सूत्री मांग-पत्र बीडीओ को सौंपा. प्रतिनिधि मंडल ने बाजार की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सुन्दर बनाने, बैंकों की मनमानी और दलाली रोकने, रेलवे स्टेशन समपार फाटक पर फ्लाईओवर निर्माण कराने तथा आंदोलन कर रहे ग्रामीणों पर विभाग द्वारा दर्ज मामलों को वापस कराने की मांग की. मांग पत्र में इटकी पंचायत अंतर्गत सुल्तान नगर को पृथक वार्ड बनाने और प्रखंड में एक डिग्री कॉलेज की स्थापना कराने की भी बात शामिल है. इसके अतिरिक्त, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के निर्माण में लगे स्थानीय मजदूरों के यूआरसी कंपनी द्वारा शोषण किए जाने की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की गई. प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि यूनियन बैंक और इंडियन बैंक में एक समुदाय विशेष के लोगों को अनुचित तरीके से परेशान किया जा रहा है और केवाइसी प्रक्रियाओं में देरी की जा रही है. वहीं, यूआरसी कंपनी द्वारा स्थानीय मजदूरों को सरकारी दर से कम वेतन दिए जाने का आरोप लगाया गया. इसके अलावा, गुलाम टोली और बाहरी तालाब के आसपास बाजार का कचड़ा, होटल और मुर्गी का वेस्टेज फेंके जाने से फैल रही दुर्गंध से स्थानीय लोगों को होने वाली परेशानी पर भी रोक लगाने की मांग की गई. प्रतिनिधि मंडल में वसीम इकबाल के अलावा कलीम अंसारी, नेसार अहमद, मो. सज्जाद और जुबैर उर्फ बबलू सहित अन्य सदस्य शामिल थे.

70 वाहन चालकों से 55 हजार का जुर्माना वसूला

गुमला। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को रायडीह थाना गेट के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 70 से अधिक वाहन चालकों से 55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया. सोमवार की शाम जिला परिवहन पदाधिकारी ने पुलिस बल के साथ मुख्य मार्ग की घेराबंदी की और वाहनों को रोक कर दस्तावेज, हेलमेट आदि की जांच आरंभ की गई. वाहन जांच अभियान से आस-पास के क्षेत्रों के बाइक चालकों में हड़कंप मच गया. दोपहिया वाहनों में हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग' और शराब न पीकर वाहन चलाने तथा लाइसेंस इंश्योरेंस नहीं होने पर जुर्माना किया गया. यातायात नियमों का पालन के लिए जागरूक किया गया. चार पहिया वाहन के चालकों को सीट बेल्ट के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया. ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, परमिट, पीयूसी और रोड टैक्स को अपटूडे रखने के लिए वाहन चालकों को हिदायत दी. मंगलवार को दुन्दुरिया बस डिपो में बस संचालक को यातायात नियमों का अनुपालन करने की चेतावनी दी. यातायात नियमों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए डीटीओ ने बस संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि बस डिपो में बस न लगाने की स्थिति में आदेश की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

डीसी ने की जिला आपूर्ति विभाग की बैठक

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. ताराचंद की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति विभाग की बैठक आयोजित की गई, जिसमें खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई. बैठक में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभुकों को जनवितरण प्रणाली की दुकानों पर निर्धारित मात्रा से कम राशन कभी भी न दिया जाए. उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में लाभुकों को कम राशन देने की शिकायत आने पर संबंधित विपणन पदाधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त ने खाद्यान्न वितरण की सतत निगरानी करने के निर्देश भी दिए और गोदामों में राशन की आवक और उठाव की जानकारी रियल टाइम में पोर्टल पर दर्ज करने को कहा. इस दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को सभी जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर राशन वितरण की पूर्णता सुनिश्चित करने का आदेश दिया. बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार, सभी एजीएम और विपणन पदाधिकारी मौजूद रहे. उपायुक्त ने अधिकारियों को लाभुकों तक खाद्यान्न समय पर और पूर्ण मात्रा में पहुँचाने के लिए विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया.

चैनपुर जमीन माफिया का आतंक: फर्जी हस्ताक्षर पर 6.67 एकड़ जमीन हड़पने का मामला उजागर

लोचनाथ ने उपायुक्त से लगाई न्याय की गुहार

शुभम संदेश। गुमला

जिले के चैनपुर प्रखंड में जमीन माफियाओं का आतंक एक बार फिर चरम पर है. बेन्दोरा पंचायत के छतरपुर गांव में रौतिया समाज के गरीब और भोले-भाले लोगों की पैतृक जमीन हड़पने की बड़ी साजिश सामने आई है. मामला गंभीर होने के बावजूद प्रशासनिक घोर लापरवाही उजागर हो गई. छतरपुर निवासी लोचनाथ रौतिया ने आरोप लगाया कि जमीन माफिया संध्या देवी, मुकेश कुमार सिंह, रंजीत कुमार और प्राइवेट अमीन रंजीत कुम्हार ने मिलकर फर्जी तरीके से उनकी 6.67 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री करा ली. लोचनाथ ने बताया कि वे और उनके परिवारजन सोमवार को रजिस्ट्री ऑफिस नहीं पहुंचे थे, फिर भी उनकी जमीन का रजिस्ट्री कर दिया गया. जब मंगलवार को यह जानकारी मिली, तो लोचनाथ अपने परिवार और ग्रामीणों के साथ गुमला रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे और जोरदार हंगामा शुरू कर दिया. रजिस्ट्री के दौरान सिग्नेचर मिलान करने पर यह साफ हुआ कि दस्तावेज़ में लोचनाथ के हस्ताक्षर फर्जी हैं. रजिस्ट्रार रामजी लाल उरांव ने बाद में अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि स्टाफ की मिलीभगत से फर्जी रजिस्ट्री कराई गई थी. उन्होंने फर्जी रजिस्ट्री को तुरंत रद्द करने की बात कही. लोचनाथ ने उपायुक्त गुमला से भी न्याय की गुहार लगाई है और फर्जी हस्ताक्षर वाले चारों पट्टों की रजिस्ट्री रद्द करने की मांग की है. रौतिया समाज के ग्रामीण इस घटनाक्रम से बेहद चिंतित हैं. उनका कहना है कि जमीन माफिया इतने सक्रिय हो गए हैं कि बिना मालिक की उपस्थिति के ही रजिस्ट्री कर ली जा रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब पैसों के खेल के तहत हो रहा है और गरीब लोग अपनी जमीन बचाने में असहाय हो गए हैं. बता दें कि चैनपुर में यह पहला मामला नहीं है. जनवरी 2023 में भी इसी तरह की फर्जी रजिस्ट्री की घटना हुई थी, जिसमें एक अन्य जमीन मालिक महीनाथ रौतिया की मौत तक हो गई थी. उस समय ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर विरोध जताया था. लोचनाथ रौतिया ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि उनकी और उनके परिवार की पैतृक जमीन को सुरक्षित रखा जाए और फर्जी तरीके से हड़प ली गई जमीन को तुरंत रद्द किया जाए. इस घटना ने न केवल जमीन माफियाओं की बढ़ती सक्रियता को उजागर किया है, बल्कि रजिस्ट्री विभाग की लापरवाही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सिल्ली, राहे व सोनाहातू में कई योजनाओं का किया शिलान्यास

शुभम संदेश। राहे

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को सिल्ली, राहे और सोनाहातू प्रखंड में कई योजनाओं का शिलान्यास किया. सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 52 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया. यह सभी कार्य उनके सांसद निधि से किए जाएंगे. इन कार्यों में सोसो में श्मशान शेड, डोकाद और लुबू टोला में फेवर ब्लॉक रोड निर्माण, कुवाडीह-मांझीडीह में शेड निर्माण, कोटागदाग और दुलमी में चबूतरा निर्माण तथा दिरसिर में शमशान शेड का निर्माण शामिल है. वहीं राहे व सोनाहातू में 65 लाख रुपए की लागत से बनने वाली 7 नई विकास योजनाओं का शिलान्यास किया. राहे प्रखंड के सोसो गांव में श्मशान शेड का निर्माण, दोकाद और लुबुटोली में पेवर्स ब्लॉक सड़क, मांझीडीह-कुबाडीह राममंदिर में शेड निर्माण तथा कोटांगदाग और दुलमी में चबूतरा निर्माण कार्य शामिल हैं. सोनाहातू प्रखंड के दिडसीर गांव में श्मशान शेड निर्माण का भी उद्घाटन किया गया. शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों में तेजी लाई जा रही है. उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख चौक-चौराहों में हाई मास्ट लाइट लगाई जा रही है और राहे हाई स्कूल में जल्द ही कम्युनिटी हॉल, साइकिल स्टैंड और बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाएगा. इसके अलावा, राडू जलाशय योजना के लिए राज्य सरकार से डीपीआर तैयार करने का अनुरोध किया गया है, जिससे पूरे सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे.

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 : संजू सैमसन-जडेजा ट्रेड पर चर्चा तेज

अबू धाबी में नीलामी 15-16 दिसंबर को संभावित

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी अबू धाबी में 15 या 16 दिसंबर को आयोजित की जा सकती है. सूत्रों के अनुसार, 16 दिसंबर इस नीलामी की सबसे संभावित तारीख मानी जा रही है. यह लगातार तीसरी बार होगा जब आईपीएल की नीलामी भारत से बाहर आयोजित की जाएगी. इससे पहले जेद्दा (सऊदी अरब) और दुबई (यूएई) नीलामी की मेजबानी कर चुके हैं, जबकि इस बार संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी इस बड़े आयोजन की तैयारी में है. दरअसल, इस बार भी नीलामी भारत में कराने पर चर्चा हुई थी, जिसमें मुंबई और बेंगलुरु को संभावित स्थानों के रूप में चुना गया था. हालांकि, विदेशी सहयोगी कर्मचारियों और कोचिंग स्टाफ के लिए अबू धाबी की सुविधाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने नीलामी को विदेश में कराने का रुख बरकरार रखा. बताया जा रहा है कि एशेज सीरीज़ के दौरान कई सहयोगी सदस्य प्रसारण या कोचिंग से जुड़े रहेंगे, ऐसे में अबू धाबी बेहतर विकल्प साबित हो सकता है.

इस बीच, सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों को 15 नवंबर तक अपनी-अपनी रिटेंशन सूची बीसीसीआई को सौंपनी होगी. रिटेंशन की अंतिम तिथि से पहले एक बड़ा ट्रेड संभव है. सूत्रों के मुताबिक,

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच हाई-प्रोफाइल ट्रेड डील पर चर्चा जारी है. चर्चा यह है कि राजस्थान के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल किया जा सकता है, जबकि इसके बदले सीएसके के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा राजस्थान जा सकते हैं. हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केवल सीधा अदला-बदली (स्वैप) होगा या सीएसके कोई अतिरिक्त खिलाड़ी भी राजस्थान को दे सकती है.

सूत्रों के अनुसार, सैमसन के संभावित ट्रांसफर को लेकर राजस्थान रॉयल्स ने पहले दिल्ली कैपिटल्स सहित कुछ अन्य फ्रेंचाइजियों से भी बातचीत की थी. लेकिन दिल्ली के साथ वार्ता के ठप पड़ने के बाद, अब चेन्नई सुपर किंग्स के साथ डील लगभग अंतिम चरण में मानी जा रही है.

इस बार आईपीएल में मिनी ऑक्शन होगा, जिसमें सभी फ्रेंचाइजी अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों के आधार पर सीमित संख्या में बोली लगा सकेंगी. वहीं, विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी 27 नवंबर को दिल्ली में आयोजित की जाएगी. क्रिकेट प्रशंसकों की निगाहें अबू धाबी में होने वाली इस बहुप्रतीक्षित नीलामी और संभावित सैमसन-जडेजा ट्रेड पर टिकी हैं.

एटीपी फाइनल्स

जैनिक सिनर ने फेलिक्स ऑगर को 7-5, 6-1 से हराया

एजेंसियां । ट्यूरिन

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स में शानदार आगाज करते हुए कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया. इनाल्पी एरिना में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने 1 घंटे 41 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मैच में जीत दर्ज की. इस जीत के साथ सिनर ने ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में अपना रिकॉर्ड 1-0 कर लिया है और वह लगातार 27 मैचों से जीत की लय बरकरार रखे हुए हैं. 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 2023 फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से एटीपी फाइनल्स में एक भी सेट नहीं गंवाया है.

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला. ऑगर-अलियासिमे ने 3-2 पर दो ब्रेक प्वाइंट और 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन 12वें गेम में सिनर ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर सेट अपने नाम कर लिया. इसी दौरान कनाडाई खिलाड़ी के बाएं पैर में दर्द हुआ, जिसके चलते उन्होंने मेडिकल टाइम-आउट लिया.

दूसरे सेट में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे पूरी तरह लय में नहीं लौट पाए. दूसरे गेम में सर्विस गंवाने के बाद वह लगातार संघर्ष करते रहे, लेकिन बाईं पिंडली के दर्द से परेशान रहे और सेट 1-6 से हार गए. जीत के बाद सिनर ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि फेलिक्स की चोट गंभीर नहीं है और वह जल्द ही पूरी तरह फिट हो जाएंगे."

कप्तान जॉर्जिया के अर्धशतक से मेलबर्न रेनेगेड्स की दूसरी जीत

एजेंसियां । मेलबर्न

कप्तान जॉर्जिया वेयरहैम के शानदार अर्धशतक की बदौलत मेलबर्न रेनेगेड्स ने विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की. मंगलवार को जंक्शन ओवल में खेले गए मुकाबले में रेनेगेड्स ने सिडनी थंडर्स को 4 विकेट से हराया.

पहले बल्लेबाजी करते हुए सिडनी थंडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी. टीम की सलामी जोड़ी जॉर्जिया वोल और ताहलिया विल्सन ने 8.5 ओवर में 60 रन की साझेदारी की. ताहलिया ने 30 गेंदों पर 30 और जॉर्जिया ने 25 गेंदों पर 26 रन बनाए. हालांकि मध्यक्रम लड़खड़ाने के बाद हीथर नाइट (30) और अनिका लियरॉयड (31) ने पारी को संभालने की कोशिश की. रेनेगेड्स की ओर से वेयरहैम और डिएंड्रा डॉटिन ने 2-2 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.1 ओवर में जीत हासिल की. टीम की शुरुआत खराब रही और 73 रन तक उसके पांच विकेट गिर गए थे. इसके बाद कप्तान जॉर्जिया वेयरहैम (58 रन, 32 गेंद, 9 चौके, 1 छक्का) और निकोल फाल्टम (नाबाद 37 रन, 26 गेंद) ने छठे विकेट के लिए 72 रन की मैच जीताऊ साझेदारी की.

थंडर्स की ओर से चामरी अथापथु और जॉर्जिया वोल ने 2-2 विकेट लिए, जबकि शबनीम इस्माइल और सामंथा बेट्स को एक-एक सफलता मिली. रेनेगेड्स ने इससे पहले सीजन का पहला मैच ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ डकवर्थ-लुईस पद्धति से 7 विकेट से जीता था. वहीं, सिडनी थंडर्स को सीजन में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है.

भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट के लिए ईडन गार्डन्स में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

दिल्ली में हुए धमाके के बाद कोलकाता शहर हाई अलर्ट पर

- हावड़ा स्टेशन, एयरपोर्ट, और स्टेडियम के आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर.
- मैच देखने आने वाले को कम से कम दो बार मेटल डिटेक्टर की जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा.

एजेंसियां । कोलकाता

दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार शाम हुए कार धमाके के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. इसी कड़ी में कोलकाता में 14 नवंबर से शुरू होने वाले भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच से पहले ईडन गार्डन्स और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं.

कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने स्थिति को गंभीर बताते हुए शहर में हाई अलर्ट घोषित किया है. उन्होंने कहा, "दिल्ली में हुए धमाके को देखते हुए कोलकाता में विशेष और अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए जा रहे हैं. सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, विशेषकर खेल आयोजनों के स्थलों पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है." पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि "हम पूरी तरह से हाई अलर्ट पर हैं. विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के जवानों को भी तैनात किया जाएगा. सुरक्षा को त्रिस्तरीय रूप में लागू किया जा रहा है — स्टेडियम के अंदर, उसके आस-पास और शहर के प्रमुख स्थानों पर." इस बीच, ईडन गार्डन्स में सुरक्षा उपायों की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी गई है. बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अधिकारियों और पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा के बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक होगी, जिसमें खिलाड़ियों की सुरक्षा, दर्शकों की जांच प्रक्रिया और आपात प्रतिक्रिया योजनाओं पर चर्चा होगी. सूत्रों के अनुसार, कोलकाता पुलिस ने पूरे शहर में विशेष नाकाबंदी शुरू कर दी है. खासकर हावड़ा स्टेशन, एयरपोर्ट, और स्टेडियम के आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. ईडन गार्डन्स, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा, राजभवन, कलकत्ता उच्च न्यायालय और आकाशवाणी के पास स्थित है, उच्च सुरक्षा क्षेत्र में आता है.

मैच देखने आने वाले हर व्यक्ति को कम से कम दो बार मेटल डिटेक्टर से जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा. संदिग्ध बैग, बोतलें या बड़े पैकेट लेकर प्रवेश सख्त वर्जित रहेगा. स्टेडियम के अंदर और बाहर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, जबकि सीसीटीवी कैमरों से हर कोने की निगरानी होगी. भारतीय और साउथ अफ्रीकी टीमों के ठहरने वाले होटलों में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है.

पुलिस और सीएबी के सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से भारतीय कोच गौतम गंभीर का मंगलवार को निर्धारित कालीघाट मंदिर का दौरा फिलहाल स्थगित किया जा सकता है. गौरतलब है कि सोमवार शाम करीब 6.52 बजे दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए. इस घटना के बाद से देशभर में सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हैं, और कोलकाता पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है.

रणजी ट्रॉफी : जम्मू-कश्मीर ने दिल्ली को 7 विकेट से हराया

एजेंसियां । नई दिल्ली

औकिब नबी दार की घातक गेंदबाजी के दम पर जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप-डी मुकाबले में दिल्ली को 7 विकेट से शिकस्त दी. अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में नबी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. उन्होंने पहली पारी में महज 35 रन देकर 5 विकेट चटकाए.

दिल्ली की पहली पारी निराशाजनक रही और टीम 211 रन पर सिमट गई. महज 14 रन तक दिल्ली के तीन विकेट गिर चुके थे. इसके बाद कप्तान आयुष बडोनी (64 रन, 82 गेंद, 6 चौके) और आयुष दोसेजा (65 रन) ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की. वहीं सुमित माथुर ने अंत में नाबाद 55 रन जोड़े. जम्मू-कश्मीर की ओर से औकिब नबी ने 5 विकेट, जबकि वंशराज शर्मा और आबिद मुश्ताक ने 2-2 विकेट हासिल किए.

जवाब में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 310 रन बनाकर 99 रनों की बढ़त हासिल की. टीम की शुरुआत कमजोर रही थी और 46 रन पर 4 विकेट गिर चुके थे, लेकिन कप्तान शुभम सिंह डोगरा (106 रन) और अब्दुल समद (85 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. दिल्ली के सिमरजीत सिंह ने 6 विकेट झटके.

दूसरी पारी में दिल्ली ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन टीम 277 रन पर ऑलआउट हो गई. कप्तान बडोनी ने एक बार फिर जिम्मेदारी निभाते हुए 72 रन बनाए, जबकि दोसेजा ने 62 रनों का योगदान दिया. 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने आसानी से मैच जीत लिया. कामरान इकबाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 133 रन बनाए और टीम को 43.3 ओवर में जीत दिलाई. उन्होंने विव्रंत शर्मा के साथ 82 रनों की साझेदारी भी की. इस जीत के साथ जम्मू-कश्मीर ने अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि घरेलू मैदान पर मिली हार से दिल्ली की टीम पर दबाव बढ़ गया है.

ऑलराउंडर जॉर्डन नील बने टेस्ट डेब्यू करने वाले सबसे युवा आयरिश खिलाड़ी

एजेंसियां । नई दिल्ली

आयरलैंड के युवा ऑलराउंडर जॉर्डन नील ने इतिहास रच दिया है. 19 साल और 253 दिन की उम्र में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में पदार्पण करते हुए टेस्ट क्रिकेट में आयरलैंड के सबसे युवा डेब्यू खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया. सिलहट में जारी इस मुकाबले में आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. बांग्लादेश की कमान नजमुल हुसैन शान्तो के हाथों में है. इस ऐतिहासिक मैच में जॉर्डन नील को छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए चुना गया है, जबकि 23 वर्षीय बल्लेबाज कैड कारमाइकल को भी टेस्ट डेब्यू का मौका मिला है. कारमाइकल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं.

दूसरी ओर, मेजबान बांग्लादेश ने भी एक नया चेहरा शामिल किया है. बाएं हाथ के स्पिनर हसन मुराद, जिन्होंने 30 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 83 विकेट लिए हैं, उन्हें भी टेस्ट

कैप सौंपी गई है. यह मुकाबला दोनों टीमों के बीच लाल गेंद से दूसरा टेस्ट है. पिछली बार अप्रैल 2023 में दोनों के बीच मुकाबला ढाका में खेला गया था, जिसमें बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी.

आयरलैंड के लिए जॉर्डन नील की यह पारी बेहद अहम मानी जा रही है. नील ने मई 2025 में आयरलैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन चोट के कारण उन्हें घरेलू सत्र का एक बड़ा हिस्सा छोड़ना पड़ा था. अब वह पूरी फिटनेस के साथ वापसी कर चुके हैं और अपनी ऑलराउंड क्षमताओं से टीम को मजबूती देने के लिए तैयार हैं. इस टेस्ट सीरीज के बाद बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज खेली जानी है. हालांकि, टी20 सीरीज से पहले आयरलैंड को झटका लगा है — दाएं हाथ के बल्लेबाज रॉस अडायर घुटने की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं. उनकी जगह जॉर्डन नील को टी20 टीम में शामिल किया गया है.

आयरलैंड की प्लेइंग इलेवनः एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), पॉल स्टर्लिंग, कैड कारमाइकल, हैरी टेक्टर, कर्टिस कैंपर, लोर्कन टकर (विकेटकीपर), जॉर्डन नील, एंडी मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, मैथ्यू हम्फ्रेस और क्रेग यंग.

बांग्लादेश की प्लेइंग इलेवनः शादमान इस्लाम, महमुदुल हसन जॉय, मोमिनुल हक, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मुशफिकुर रहीम, लिट्टन दास (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, हसन महमूद, नाहिद राणा और हसन मुराद.

ओ'कीफ की भविष्यवाणी, इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराएगा

एजेंसियां । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से शुरू होने जा रही एशेज सीरीज को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर स्टीव ओ'कीफ ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने भविष्यवाणी की है कि इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर विजेता बनेगी. ओ'कीफ ने स्टुअर्ट ब्रॉड के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को '2010 के बाद से सबसे कमजोर टीम' बताया था. ओ'कीफ ने एसईएन स्पोर्ट्सडे एनएसडब्ल्यू पर कहा, "इंग्लैंड की मौजूदा टीम में खिलाड़ी विदेशी मैदान पर सफल होने के लिए आवश्यक फॉर्म में हैं. इंग्लैंड इस बार ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराएगा. ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने ही मैदान पर संघर्ष करेगी."

पूर्व स्पिनर ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, "जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, गस एटकिंसन और जोश टंग जैसी गेंदबाजी आक्रमण वाली टीम इस बार पूरी तरह तैयार है. मुझे लगता है कि ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में यह उनके जीतने का समय है." ओ'कीफ का मानना है कि इंग्लैंड का आक्रामक बल्लेबाजी क्रम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के लिए चुनौती पेश करेगा, खासकर यदि पिचें सपाट रहें. उन्होंने कहा, "जो रूट अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं. इसके साथ हैरी ब्रुक, बेन डकेट और जैक क्रॉली भी हैं. सपाट विकेट पर ये बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण को दबाव में डालेंगे और विकेटों पर पकड़ बनाएंगे."

एशेज सीरीज का शेड्यूल भी घोषित हो चुका है. पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ में होगा, दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन, तीसरा 17 दिसंबर से एडिलेड, चौथा 26 दिसंबर से मेलबर्न, और पांचवां व अंतिम टेस्ट 4 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा.

ओ'कीफ की राय में इंग्लैंड का संतुलित तेज और स्पिन आक्रमण, साथ ही उनका मजबूती से भरा बल्लेबाजी क्रम, ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा. उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को घरेलू मैदान पर दबाव झेलना पड़ सकता है, जिससे इंग्लैंड को जीत का फायदा मिल सकता है. इस भविष्यवाणी ने एशेज सीरीज को पहले ही चर्चा का विषय बना दिया है, और क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें अब इन दोनों दिग्गज टीमों पर टिक गई हैं.

भारत में टीम इंडिया को हराना कभी आसान नहीं होता : सौरव गांगुली

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 14 से 26 नवंबर के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगी. भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि यह सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगी, क्योंकि भारत में टीम इंडिया को हराना कभी आसान नहीं होता. गांगुली ने कहा, "पहला टेस्ट कुछ ही दिनों में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होने जा रहा है. यह साउथ अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होने वाला है. भारत के खिलाफ भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता. भारत उपमहाद्वीप में बहुत मजबूत टीम है और अब विदेशों में भी अपने प्रदर्शन से उसने खुद को साबित किया है. मैं ईडन गार्डन्स में होने वाले पहले टेस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं. साउथ अफ्रीका एक अच्छी टीम है, इसलिए यह एक उच्च-स्तरीय और रोमांचक मुकाबला होना चाहिए."

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 14 से 18 नवंबर तक कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी के

बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. यह दोनों मुकाबले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र का हिस्सा होंगे. भारतीय टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में होगी. टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है, जिन्हें उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है. तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की जोड़ी अहम भूमिका निभाएगी, जबकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल स्पिन विभाग को मजबूती देंगे.

गांगुली ने सिराज की तारीफ करते हुए कहा, "यह सीरीज नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के लिहाज से बेहद अहम है, खासकर इसलिए क्योंकि साउथ अफ्रीका मौजूदा चैंपियन है. हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के साथ सीरीज 1-1 से ड्रॉ की थी, लेकिन भारत के पास इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन का आत्मविश्वास है. टीम का माहौल सकारात्मक है और यह चीज खिलाड़ियों के प्रदर्शन में झलकती है."

पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि भारत की घरेलू परिस्थितियों में स्पिन गेंदबाज बड़ी भूमिका निभाएंगे. "भारत की पिचें आमतौर पर स्पिनरों के अनुकूल रहती हैं. जडेजा और अक्षर जैसी जोड़ी किसी भी टीम को मुश्किल में डाल सकती है. वहीं, बल्लेबाजी में शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल का फॉर्म टीम के लिए बहुत अहम रहेगा," उन्होंने कहा. गांगुली ने यह भी उल्लेख किया कि ईडन गार्डन्स में मैच देखना हमेशा खास अनुभव होता है. "यह सिर्फ एक टेस्ट मैच नहीं, बल्कि क्रिकेट के उत्सव जैसा होगा," उन्होंने कहा.

भारत की टेस्ट टीमः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप.

क्रिकेट | महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की तस्वीर बनेगी ऐतिहासिक प्रतीक

भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट में होगा 'गोल्ड कॉइन' टॉस

एजेंसियां । कोलकाता

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 14 नवंबर से ईडन गार्डन्स, कोलकाता में खेला जाएगा. इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच में टॉस के दौरान एक खास 'गोल्ड कॉइन' का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें एक तरफ महात्मा गांधी और दूसरी तरफ नेल्सन मंडेला की तस्वीर अंकित होगी. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अनूठे कदम की पहल बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने की है. सीएबी का कहना है कि यह स्वर्ण सिक्का शांति, स्वतंत्रता और अहिंसा के आदर्शों का प्रतीक होगा — जो गांधी और मंडेला, दोनों ही नेताओं की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है.

सीएबी अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बताया कि "यह कॉइन विशेष रूप से इस सीरीज के लिए तैयार कराया गया है. हम चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच यह मैच केवल क्रिकेट तक सीमित न रहे, बल्कि यह सौहार्द, आदर्शों और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बने. इसलिए टॉस के दौरान इस विशेष गोल्ड कॉइन का प्रयोग किया जाएगा."

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैच से एक दिन पहले यानी 13 नवंबर को सीएबी परिसर में जगमोहन डालमिया स्मृति व्याख्यान का आयोजन होगा. इसमें भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर मुख्य वक्ता होंगे. दोनों देशों के खिलाड़ी और क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे. इस बीच, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर

टी20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम रविवार शाम को कोलकाता पहुंच गई है. विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत, जो लंबे समय बाद टीम में वापसी कर रहे हैं, इस टेस्ट सीरीज में उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे. टीम इंडिया अपने घरेलू सीजन की शुरुआत आत्मविश्वास के साथ करने को तैयार है.

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में फिलहाल भारत तीसरे स्थान पर है. टीम ने अब तक सात टेस्ट में से चार में जीत दर्ज की है, जबकि दो हारे हैं और एक ड्रॉ रहा है. भारत का अंक प्रतिशत (पीसीटी) 61.90 है. वहीं, साउथ अफ्रीका दो टेस्ट में से एक जीतकर 50.00 पीसीटी के साथ चौथे पायदान पर है. तालिका में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर है, जिसने शुरुआती तीनों टेस्ट जीते हैं, जबकि श्रीलंका दो में से एक मैच जीतकर दूसरे स्थान पर काबिज है. भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी.

इस ऐतिहासिक सीरीज का 'गोल्ड कॉइन टॉस' भारतीय और अफ्रीकी क्रिकेट के गहरे ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बनने जा रहा है, जो खेल के साथ मानवता और आदर्शों की एक नई मिसाल पेश करेगा.

अफगानिस्तान शारजाह में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा तीन टी20 मैचों की सीरीज

एजेंसियां । नई दिल्ली

अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगले साल जनवरी में तीन टी20 मुकाबलों की रोमांचक द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी. यह सीरीज दोनों टीमों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसके माध्यम से टीमें टी20 विश्व कप 2025 की तैयारियों को अंतिम रूप देंगी. तीन मैचों की यह श्रृंखला 19 से 22 जनवरी के बीच खेली जाएगी. सभी मुकाबले शारजाह में आयोजित होंगे. पहला मैच 19 जनवरी, दूसरा 21 जनवरी और तीसरा व निर्णायक मैच 22 जनवरी को खेला जाएगा. इस सीरीज के बाद फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे. क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के क्रिकेट निदेशक माइल्स बास्कोम्बे ने कहा, "यह सीरीज हमारी टीम की

विश्व कप तैयारियों के लिए एक आदर्श मंच होगी. उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमें अपने संयोजन और रणनीति को और बेहतर करने का अवसर मिलेगा. यह हमारे खिलाड़ियों के लिए भारत और श्रीलंका जैसी पिचों पर आत्मविश्वास बढ़ाने का भी सुनहरा मौका है."

वहीं, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सीईओ नसीब खान ने इस सीरीज को अपनी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा, "वेस्टइंडीज जैसी प्रतिष्ठित टीम के खिलाफ यह सीरीज हमें विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों को परखने का शानदार अवसर देगी. हमारी टीम हाल के वर्षों में टी20 फॉर्मेट में काफी निखरी है और यह सीरीज खिलाड़ियों की लय और आत्मविश्वास को मजबूत करेगी."

दोनों टीमों के बीच टी20 मुकाबलों का इतिहास भी खासा दिलचस्प रहा है. अब तक 8 टी20 मैचों में वेस्टइंडीज ने 5 मुकाबले जीते हैं, जबकि अफगानिस्तान को 3 मैचों में जीत मिली है. दोनों देशों के बीच पहला टी20 मुकाबला 27 मार्च 2016 को खेला गया था, जिसमें अफगानिस्तान ने 6 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. इसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार चार मुकाबले अपने नाम किए, लेकिन अफगानिस्तान ने दो मैच जीतकर वापसी की.

न्यूज अपडेट

अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद कार चालक को किया गिरफ्तार

आरा। जिले के जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर मद्यनिषेध विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है. सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार में भारी मात्रा में विदेशी शराब उत्तर प्रदेश से वैशाली लाई जा रही है. निरीक्षक प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में छापेमारी टीम बक्सर-पटना फोरलेन पर कायमनगर ओवरब्रिज थाना-गीधा के पास वाहन जांच कर रही थी. इसी दौरान एक हुंडई क्रेटा कार को रोका गया, जिसमें वाहन रजिस्ट्रेशन अंकित नहीं था. जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुई. कार चालक राहुल कुमार, निवासी रामवृक्ष राय, पकौली, थाना-विदूपुर, जिला-वैशाली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया. कुल 1368 पीस, यानी 259.92 लीटर शराब जब्त की गई. जब्त शराब का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 4 लाख रुपए बताया गया है.

कबाड़ी दुकान में लगी भीषण आग, कई दुकानें प्रभावित हुईं

पटना। बाईपास थाना क्षेत्र स्थित महावीर कॉलोनी में अचानक एक कबाड़ी दुकान में आग लग गई, जो तेजी से फैलते हुए आसपास की करीब आधा दर्जन दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. धुआं उठता देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, साथ ही पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी. सूचना मिलने के तुरंत बाद दमकल विभाग की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं. अग्निशमन कर्मचारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कई दुकानों का सामान राख हो चुका था. सबसे अधिक नुकसान मुर्गी की दुकान, प्लास्टिक बर्तन की दुकान, गौशाला और कबाड़ दुकान को हुआ. अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग की शुरुआत कबाड़ी दुकान से हुई और पास-पास रखे ज्वलनशील सामान के कारण यह तेजी से फैली. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है. पुलिस और फायर ब्रिगेड इस मामले की जांच कर रही हैं.

आरा में गोली मारकर महिला की हत्या, चुनावी रंजिश की आशंका

आरा। सहार थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में मंगलवार दोपहर एक गंभीर अपराध हुआ. हथियारबंद अपराधियों ने 24 वर्षीय निकी देवी, जो रोहित राय की पत्नी थीं, को गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के दौरान उनके देवर रितेश राय ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई. मृतका के जबड़े के हिस्से में गोली लगने का निशान पाया गया है. स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावरों की संख्या सात से आठ थी. हत्या का आरोप गांव के ही दूसरे गुट पर लगाया जा रहा है. घटना की खबर फैलते ही एक पक्ष के ग्रामीण आक्रोशित हो गए और शव के साथ पेरहाप–मोप्ती सड़क को जाम कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई. प्रारंभिक जांच में इसे चुनावी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है. बताया जा रहा है कि मतदान के दिन भी इस गांव में मारपीट की घटना हुई थी, जिससे पुरानी रंजिश की पुष्टि होती है. घटना की सूचना मिलते ही पीरो डीएसपी के.के. सिंह समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे.

मतदान करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला, कहा

एनडीए के पक्ष में जबरदस्त लहर है

शुभम संदेश। गयाजी

गया जी के महकार में मतदान करने पहुंचे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला. मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ख्याली पुलाव पका रहे हैं और हर चीज में कहीं न कहीं कमाई तलाशते हैं. मांझी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी ने पदाधिकारियों और मंत्रिमंडल की छाया सूची तैयार कर रखी है और संभवतः उनसे भी पैसे लिए होंगे. उन्होंने इसे तेजस्वी की आदत करार दिया. मांझी ने महागठबंधन की सरकार बनने की संभावना को नकारते हुए कहा कि एनडीए के पक्ष में जबरदस्त लहर है और उनके अनुमान के अनुसार एनडीए को कम से कम 160 सीटें मिलेंगी.

उन्होंने कहा कि जनता ने विकास और स्थिरता के नाम पर मतदान किया है और यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पक्ष में जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का हवाला देते हुए मांझी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया था और बदले की भावना से हमला करने की कोशिश की गई थी, लेकिन उनकी दाल नहीं गली. उन्होंने कहा कि अब भी कार्रवाई जारी है और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं. मांझी ने विश्वास जताया कि 14 नवंबर को जब नतीजे आएंगे, तो नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. उन्होंने जनता से विकास और स्थिरता के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि एनडीए की जीत तय है.

अश्विनी कुमार चौबे ने परिवार संग किया मतदान

भागलपुर। लोकतंत्र के महापर्व मतदान के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने आज अपने परिवार के साथ मतदान किया. मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बड़ी मजबूती के साथ बनेगी. उन्होंने विश्वास जताया कि 14 नवंबर को बिहारवासी विजय की दीपावली मनाएंगे. चौबे ने दिल्ली में हुए हमले की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे बेहद दर्दनाक बताया. उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदना है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला पाकिस्तान की साजिश का हिस्सा हो सकता है और चेतावनी दी कि "अभी भी समय है पाकिस्तान सुधर जाए, नहीं तो हिंदुस्तान बख्शेगा नहीं." पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह इस घटना को लेकर बेहद गंभीर हैं. उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचे और जांच एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. अश्विनी चौबे ने जनता से अपील की कि वे निर्भय होकर मतदान करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की ताकत जनता की सहभागिता में है और हर नागरिक का वोट समाज और देश के भविष्य को मजबूत करता है. मतदान को लेकर चौबे का संदेश स्पष्ट था कि बिहारवासियों को जिम्मेदारी के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाना चाहिए.

भाजपा के वरिष्ठ नेता शहनवाज हुसैन ने किया मतदान

पटना। बिहार विधानसभा में दूसरे चरण की 122 सीटों पर मतदान जारी है. सुपौल जिले में भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने अपनी पत्नी के साथ मतदान किया. इस मौके पर मीडिया से बातचीत में सैयद शाहनवाज हुसैन ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट की घटना पर कहा, ₹दिल्ली में लाल किला के सामने जो विस्फोट हुआ वह बहुत दुखद है, जो लोग इसमें शामिल है वो बख्शे नहीं जाएंगे. शहनवाज हुसैन ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सभी पहलुओं की जांच कर रही है. गृह मंत्री ने घटनास्थल का दौरा किया है और इस संबंध में बैठक भी की जा रही है. इस बात की भी कोशिश की जा रही है कि इसके पीछे की वजह पता की जाए. सभी एजेंसियां जांच कर रही है. जब तक कोई रिपोर्ट ना आए तब तक विपक्ष के लोगों को कोई बयानबाजी बंद करनी चाहिए.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचे जदयू कार्यालय

पार्टी की ओर से चल रही चुनाव निगरानी प्रणाली का किया निरीक्षण

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के दूसरे चरण के मतदान के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को अचानक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वॉर रूम पहुंचे. यहां उन्होंने पार्टी की ओर से चल रही चुनाव निगरानी प्रणाली का निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री ने जदयू कार्यालय का दौरा करते हुए एक-एक विभाग और चैंबर का स्वयं मुआयना किया. मुख्यमंत्री के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार के मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. मीडिया से बातचीत में विजय चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद स्थिति का जायजा लेने पहुंचे हैं. जो रुझान मिल रहे हैं और कार्यकर्ताओं से जो सूचना आ रही है, वह बेहद उत्साहजनक है. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में हर क्षेत्र में जबरदस्त मतदान हो रहा है. पहले चरण की तरह इस बार भी खासकर महिलाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है. पत्रकारों से बातचीत में विजय चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि वे 18 तारीख को शपथ लेंगे और 14 को परिणाम महागठबंधन के पक्ष में आएंगे. शपथ लेने से किसी को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन बिहार के राज्यपाल शपथ नीतीश कुमार को ही दिलाएंगे. विजय चौधरी ने कांग्रेस के एक ट्वीट पर भी प्रतिक्रिया दी. जदयू उम्मीदवार की अनुपस्थिति में राजद को वोट देने की कांग्रेस की अपील के बारे में चौधरी ने कहा, ₹कांग्रेस का यह बयान मानसिक रूप से दिवालिया और हास्यास्पद है. जिस पार्टी की अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं है, वह जदयू पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं है.

मोतिहारी :डीआईजी ने घुड़सवारी कर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

मोतिहारी। बिहार विधानसभा चुनाव के तहत जिले की 12 विधानसभा सीटों पर मंगलवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहा. निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और अधिकारी लगातार बूथों का निरीक्षण कर रहे हैं. चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हर किशोर राय ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एक अनोखी शैली अपनाई. उन्होंने मोतिहारी शहर के कई मतदान केंद्रों का घुड़सवारी करते हुए निरीक्षण किया, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना.

डीआईजी हर किशोर राय मोतिहारी के मंगल सेमिनरी उच्च माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए तीन बूथों का बारीकी से निरीक्षण करने पहुँचे. इस दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सुरक्षा और शांति बनाए रखने संबंधी दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में डीआईजी ने बताया कि जिले में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण है और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है. उनका कहना था कि सुरक्षा इंतजाम पूरी तरह सफल साबित हो रहे हैं.

चेनारी विधानसभा : कोनकी गांव के ग्रामीणों ने पंचायत भवन के मुद्दे पर किया मतदान बहिष्कार

रोहतास। जिले के चेनारी विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को मतदान के दौरान कोनकी गांव के शिवसागर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बूथ संख्या 204 पर एक भी मतदाता वोट डालने नहीं पहुंचा. ग्रामीण पूरी तरह अपने निर्णय पर अड़े हुए हैं और प्रशासन के प्रति नाराजगी जता रहे हैं. जानकारी के अनुसार, कोनकी गांव में पंचायत सरकार भवन बनना था, लेकिन बाद में इसका निर्माण किसी अन्य गांव में कर दिया गया. इस फैसले से ग्रामीण बेहद नाराज हैं. उन्होंने कई बार पंचायत भवन निर्माण को लेकर अधिकारियों से शिकायत और आवेदन दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन पर भरोसा उठ गया है, इसलिए उन्होंने मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया. ग्रामीणों ने पहले ही प्रशासन को मतदान बहिष्कार की सूचना दे दी थी. उनके अनुसार, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है. ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन लिखित आश्वासन देता है कि पंचायत सरकार भवन कोनकी गांव में ही बनेगा, तो वे वोट देने पर विचार करेंगे. मतदान केंद्र पर सुबह से सन्नाटा छाया रहा. पीठासीन अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने पंचायत भवन निर्माण के मुद्दे पर वोटिंग का बहिष्कार किया है और अब तक बूथ संख्या 204 पर एक भी मतदाता नहीं पहुंचा.

मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी की दमदार इंट्री

हाजीपुर। लालगंज विधानसभा की राजनीति हमेशा से विकास और कृषि के साथ-साथ बाहुबल और अपराध की वजह से भी चर्चा में रही है. इस क्षेत्र की राजनीतिक तस्वीर पर बाहुबली परिवारों का असर हमेशा दिखा है. सबसे चर्चित नाम विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला का है. मुन्ना शुक्ला तीन बार विधायक रह चुके हैं और कुख्यात अपराधी छोटन शुक्ला के छोटे भाई हैं. वे बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा पाए, लेकिन पटना हाईकोर्ट से बरी होने के बाद राजनीति में लौटे. इसके बाद वे 2000 में निर्दलीय, फरवरी 2005 में एलजेपी और अक्टूबर 2005 में जेडीयू के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं. उनकी पत्नी अन्नू शुक्ला ने 2010 में जेडीयू से जीत दर्ज की. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बाद में हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए मुन्ना शुक्ला को फिर से आजीवन कारावास की सजा सुनाई. अब लालगंज की राजनीति में उनकी बेटी शिवानी शुक्ला ने कदम रखा है. राजद के टिकट पर मैदान में उतरी शिवानी शुक्ला ने अपनी पहचान अभी बनाई है. उनके नाम से पहले कोई परिचित नहीं था, और बहुत लोगों को यह भी नहीं पता था कि वे मुन्ना शुक्ला की बेटी हैं.

दनिया गांव में दस साल बाद मतदान, ग्रामीणों में दिखा लोकतंत्र का उत्साह

नवादा। जिले के जंगल और पठारी इलाके में स्थित दनिया गांव में करीब दस साल बाद मतदान हुआ. लंबे समय से मतदान से वंचित रहे ग्रामीण इस बार भारी उत्साहित दिखे. प्रशासन ने दनिया बूथ पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की है. यहां लगभग 800 मतदाता अपना मताधिकार इस्तेमाल कर रहे हैं. दनिया के साथ-साथ रानीगदर, झरनवा और करमाटांड गांवों के मतदाता भी इसी केंद्र पर वोट डाल रहे हैं. गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र का दनिया अकेला ऐसा इलाका नहीं है. नवादा जिले के कई मतदान केंद्र झारखंड की सीमा से सटे हैं. सड़क सुविधा और दुर्गम भूगोल के कारण प्रशासन को हर चुनाव में विशेष तैयारी करनी पड़ती है. नावाडीह, जमुनादाहा, बुड़ियासाख और धामोचक जैसे गांवों तक पहुंच अभी भी चुनौतीपूर्ण है. 2015 से दनिया के ग्रामीण विकास की कमी और मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण मतदान से दूर रहे थे. लेकिन इस बार लोगों में लोकतंत्र के पर्व को लेकर नई उम्मीद जगी है. नवादा जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर बसा दनिया पूरी तरह जंगल और पठारी इलाके में है और झारखंड के गिरिडीह जिले से सटा हुआ है.

कारोबार

जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी छूट के बावजूद सालाना आधार पर वृद्धि

नयी दिल्ली। जीवन बीमा उद्योग ने अक्तूबर 2025 में नई बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में मासिक गिरावट दर्ज की है. सिस्टमैटिक्स रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर में एनबीपी में मासिक आधार पर 15 प्रतिशत की कमी आई, जबकि साल-दर-साल 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही. निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए भी मासिक आधार पर 15 प्रतिशत की गिरावट और वार्षिक आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई. विशेषज्ञों के अनुसार, यह गिरावट 22 सितंबर 2025 से लागू केंद्र सरकार की जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी छूट (18 % से शून्य) के प्रभाव के रूप में देखी जा रही है.

चिकित्सकीय उपचार के लिए 'आगमन पर वीजा' पर किया जा सकता है विचार

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के मरीजों को चिकित्सकीय उपचार के लिए आगमन पर वीजा की सुविधा देने पर विचार किया जा सकता है. गोयल ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह विचार सीआईआई के वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में सामने आया. उन्होंने कहा, ''आगमन पर वीजा का विचार अच्छा है. हम इसे आगे बढ़ाएंगे. कई देशों के लिए हम आगमन पर वीजा की अनुमति देते हैं. हम ई-वीजा की अनुमति भी देते हैं. इन दोनों पर विचार किया जा सकता है. अमेरिका के लिए अधिकतर यूरोपीय देशों के लिए वैसे सभी के लिए नहीं अधिकतर देशों के लिए जहां हमें काफी सुविधा है और जहां विस्तृत जांच-पड़ताल या पूछताछ की आवश्यकता नहीं है.

सब्सक्रिप्शन के लिए फिजिक्सवाला का आईपीओ लॉन्च

पहले दिन फीका रिस्पॉन्स

शुभम संदेश। नई दिल्ली

एडटेक फर्म फिजिक्सवाला के 3,480 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. शाम पांच बजे तक ये पब्लिक इश्यू सिर्फ 0.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था.

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 103 रुपये से लेकर 109 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 137 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 137 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,933 रुपये का निवेश करना होगा. इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,129 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं. इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 3,100 करोड़ रुपये के 28,44,03,669 नए शेयर जारी हो रहे हैं.

इसके अलावा 380 करोड़ रुपये के 3,48,62,385 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे. आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 10 नवंबर को फिजिक्सवाला ने 57 एंकर इनवेस्टर्स से 1,562.85 करोड़ रुपये जुटाए. इन एंकर इनवेस्टर्स में आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल फ्लेक्सी कैप फंड, स्मॉलकैप वर्ल्ड फंड, कोटक महिंद्रा ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड, निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन इनवेस्टमेंट फंड्स, गोल्डमैन सैक्स फंड, फिडिलिटी पैसिफिक फंड, आदित्य बिड़ला सनलाइफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम भी शामिल हैं. इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 74.83 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है.

शेयर बाजार की निचले स्तर से शानदार रिकवरी

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा. हालांकि आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में शेयर बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा. इस दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक टूट कर लाल निशान में पहुंच गए. इसके बाद दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहे. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए. मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने की उम्मीद के कारण आज निवेशकों में उत्साह का भाव नजर आया. इसी तरह अमेरिका में शटडाउन खत्म होने की उम्मीद और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत मिलने से वैश्विक बाजार के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में भी राहत का माहौल बना. इसके अलावा मजबूत ग्लोबल संकेत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट ने भी घरेलू शेयर बाजार को काफी हद तक सहारा दिया. दिन भर के कारोबार के दौरान शेयर बाजार ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की. इस दौरान आईटी, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए.

कैपिलरी टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 14 को खुलेगा

नयी दिल्ली। बेंगलुरु स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी कैपिलरी टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 नवंबर को खुलेगा. निवेशक इसमें मंगलवार, 18 नवंबर तक निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं. कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 549–577 रुपये प्रति शेयर तय किया है. इसके शेयर 21 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे. कैपिलरी टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड के 2 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में निवेश करने के लिए न्यूनतम 25 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 25 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है. कंपनी ने अपने पहले इश्यू के लिए मूल्य का दायरा 549 से 577 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी इस इश्यू में 345 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी करेगी.

बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने राजधानी दिल्ली से ग्वांगझोउ के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू की

नयी दिल्ली। बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से चीन के ग्वांगझोउ तक की सीधी उड़ानें शुरू कर दी हैं. कोलकाता के बाद दिल्ली ऐसा दूसरा शहर है, जहां से इंडिगो ने ग्वांगझोउ के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू की हैं. विमानन कंपनी ने मंगलवार को बताया कि इंडिगो ने 10 नवंबर से दिल्ली और ग्वांगझोउ के बीच सीधी दैनिक उड़ानें शुरू कर दी है. यह नया मार्ग राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और एक प्रमुख विमानन केंद्र को दक्षिणी चीन के एक प्रमुख व्यापारिक और विनिर्माण केंद्र ग्वांगझू से जोड़कर दोनों देशों के बीच सीधा संपर्क और मजबूत करेगा. एयरलाइंस के मुताबिक ये सेवाएं नैरो-बॉडी ए-320 नियो विमानों से संचालित की जाएंगी, जो इस मार्ग पर किफायती, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा. ग्वांगझोउ के लिए सीधी उड़ान के साथ ही इंडिगो अब दिल्ली को 21 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ गया है. कंपनी ने बताया कि 26 अक्टूबर को कोलकाता और ग्वांगझोउ के बीच इंडिगो की उड़ानें फिर से शुरू हुई थीं. इससे पूर्व 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस' ने 9 नवंबर को दिल्ली-शंघाई सीधी उड़ान सेवा शुरू की थी. कोरोना महामारी के कारण निलंबन के बाद दोनों देशों के बीच उड़ानें फिर से शुरू हो गई है. हाल ही में हुई कूटनीतिक पहल के बाद भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया था. वर्ष 2020 की शुरुआत तक दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें चालू थीं, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इन्हें निलंबित कर दिया गया था.

सरकार का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन का वैश्विक केंद्र बनाना : ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है. उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे नवीन प्रस्तावों की प्रतीक्षा है, जो हरित हाइड्रोजन उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ा सकें. नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हरित हाइड्रोजन 2025 पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों को प्रदर्शित करने वाली पायलट परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, जिनमें 100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए बायोमास का उपयोग भी शामिल है. प्रल्हाद जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि हरित हाइड्रोजन को केवल एक विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत सरकार का मुख्य ध्यान ऐसी नवीन तकनीकों के विकास पर है, जो हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए बायोमास या अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करें. ये सम्मेलन राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है.

इस साल का त्योहारी सीजन ने भारत में नौकरियों के बाजार में बढ़त लाई, काफी उत्साहजनक रहा

नयी दिल्ली। भारत में इस साल का त्योहारी सीजन नौकरियों के बाजार के लिए काफी उत्साहजनक रहा है. अगस्त से अक्तूबर के बीच, विशेषकर उपभोक्ता-संबंधित क्षेत्रों में नौकरियों में 17% की वृद्धि दर्ज की गई. यह बढ़त मजबूत उपभोक्ता भावना, आकर्षक त्योहारी ऑफर्स और व्यापक बाजार पहुंच के चलते संभव हुई है. एडेको इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गिग और अस्थायी पदों पर नियुक्तियों में सालाना आधार पर 25% की वृद्धि हुई है. दशहरा से पहले और बाद के हफ्तों में खुदरा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में अस्थायी कर्मचारियों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखी गई. इस साल एडेको ने कुल 2.16 लाख गिग और अस्थायी नौकरियों का अनुमान लगाया था, और केवल तीन महीनों में 37% अस्थायी भर्ती और 15-20% गिग वर्कर्स की तैनाती हो चुकी है, जो मौसमी मांग की मजबूती को दर्शाती है. एडेको इंडिया के निदेशक दीपेश गुप्ता ने बताया कि महिला कार्यबल की भागीदारी में इस दौरान 30-35% की वृद्धि हुई, विशेषकर खुदरा, ग्राहक सेवा, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाओं में. विशेषज्ञों का कहना है कि यह रुझान यह संकेत देता है कि त्योहारी सीजन न केवल बिक्री बल्कि रोजगार सृजन के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवधि साबित हो रहा है.

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सोलर पीवी मॉड्यूल और सेल बनाने वाली एम्मवी फोटोवोल्टिक का पब्लिक इश्यू

13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है, 18 को लिस्टिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

सोलर पीवी मॉड्यूल और सेल बनाने वाली एम्मवी फोटोवोल्टिक पावर 2,900 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 206 रुपये से लेकर 217 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम

से कम 1 लॉट यानी 69 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,973 रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 13,36,40,552 शेयर जारी हो रहे हैं. इनमें 2,143.86 करोड़ रुपये के 9,87,95,483 नए शेयर और 756.14 करोड़ रुपये के 3,48,45,069 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं.

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 10 नवंबर को एम्मवी फोटोवोल्टिक पावर ने 55 एंकर इनवेस्टर्स से 1,305 करोड़ रुपये जुटाए. इन एंकर इनवेस्टर्स में अशोक व्हाइटओक इंडिया अफॉर्च्यूनिटीज फंड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, फ्रैंकलिन इंडिया मिडकैप फंड, टाटा फ्लेक्सी कैप फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सनलाइफ इंश्योरेंस कंपनी, कोटक आईकॉनिक फंड जैसे प्रमुख नाम भी शामिल हैं. इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इस इश्यू के लिए जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है. वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है. कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 28.90 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 369.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहंच गया. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 187.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है. इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 644.37 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 954.44 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,360.33 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना का निर्माण करेगा अडाणी समूह

नयी दिल्ली। अडाणी समूह ने मंगलवार को बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में प्रवेश करने का ऐलान किया है. समूह की गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावाट/3,530 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करने की योजना है, जो भारत की सबसे बड़ी एवं दुनिया की सबसे बड़ी एकल-स्थान भंडारण परियोजनाओं में से एक होगी. अडाणी समूह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि 700 से अधिक बीईएसएस कंटेनर वाली इस सुविधा के मार्च 2026 तक चालू होने की उम्मीद है. ये परियोजना खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा परिसर का हिस्सा होगी, जिसे विश्व का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बताया जा रहा है. कंपनी के मुताबिक बीईएसएस परियोजना की विद्युत क्षमता 1126 मेगावाट और ऊर्जा क्षमता 3530 मेगावाट होगी.

न्यूज अपडेट

मोदी शांति स्थापना में निभा सकते हैं अहम भूमिका: फलस्तीन राजदूत

नई दिल्ली। फलस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत मध्य पूर्व में स्थायी शांति और एक स्वतंत्र फलस्तीन राष्ट्र के गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं. उन्होंने कहा कि भारत फलस्तीन का ₹बड़ा भाई₹ है और 1930 में महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक हर भारतीय नेता ने फलस्तीन की आवाज़ को समर्थन दिया है. अमर उजाला से विशेष बातचीत में राजदूत शावेश ने कहा कि भारत अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बन जाता है, तो फलस्तीन के पक्ष में सौ फीसदी फैसला होगा.

दो महिलाओं के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज

बेंगलुरु। दो महिलाओं के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया गया है. उनके पुरुष फ्लैटमेट को यहां उनके किराए के अपार्टमेंट में मृत पाया गया था. मृतक की पहचान केरल के तिरुवनंतपुरम निवासी विष्णु सीपी के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि वह यहां चार साल से अधिक समय से एक मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन फर्म में तकनीशियन के रूप में काम कर रहे थे. पुलिस ने बताया कि 7 नवंबर को यहां उनके ज्वाइंट आवास के बाथरूम में शव फांसी से लटका मिला. फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. पुलिस के अनुसार वह व्यक्ति अपनी दो महिला मित्रों के साथ फ्लैट साझा करता था और उसके छोटे भाई ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके भाई का दोनों महिलाओं के साथ कुछ विवाद था. उनमें से एक उसके भाई के साथ संबंध में थी.

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट केंद्र ने ग्रेप 3 के प्रतिबंध लागू किए

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे चरण को लागू करते हुए कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने यह निर्णय दिल्ली के औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार सुबह खतरनाक 425 (गंभीर) हो जाने के बाद लिया. सीएक्यूएम ने इस तीव्र वृद्धि के लिए प्रतिकूल मौसम की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें शांत हवाएं और स्थिर वातावरण शामिल हैं, जिससे प्रदूषक सतह के पास जमा हो गए.

अफगानिस्तान की चेतावनी... इस्लामाबाद को सीधे निशाना बनाया जा सकता है

काबुल। अफगानिस्तान ने मंगलवार को चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के किसी भी इलाके पर हमला किया गया तो इसका तत्काल मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और अफगान लड़ाके सीधे इस्लामाबाद को निशाना बनाने में नहीं चूकेंगे. गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच तुर्किये की मध्यस्थता में इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता विफल हो गई है. इस बीच अफगान अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि अगर पाकिस्तानी सेना अफगान धरती पर कोई हमला करती है तो काबुल तुरंत जवाबी कार्रवाई करेगा.

पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री शकील अहमद खान ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार में मधुबनी लोकसभा सीट के पूर्व कांग्रेस सांसद और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में गृह राज्य मंत्री रहे शकील अहमद ने बिहार में दूसरे चरण के मतदान के बाद मंगलवार देर शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेज दिया. उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि इसे प्राथमिक सदस्यता से उनके इस्तीफे के रूप में माना जाए. उन्होंने इसके लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है. उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के कुछ नेताओं के साथ मतभेदों का भी संकेत दिया.

इजराइल आतंकवाद के साथ संघर्ष में भारत के साथ है: गिडियान सार

यरूशलम। इजराइल ने भारत की राजधानी दिल्ली में सोमवार को लाल किले के पास हुए भीषण विस्फोट की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि वह आतंकवाद के साथ संघर्ष में भारत के साथ है. इजराइल के विदेश मंत्री गिडियान सार ने मंगलवार को यहां जारी एक बयान में कहा,₹ इजराइल आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत के साथ हैं. हम इस मुश्किल घड़ी में भारत को अपना पूर्ण समर्थन देते हैं. उन्होंने बम विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी सहानुभूति जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने घायलों के जल्दी स्वस्थ्य होंने की कामना भी की. भारत की राजधानी दिल्ली में लालकिलें के पास हुए बम विस्फोट में कम से कम नौ व्यक्ति मारे गए जबकि 28 घायल हुए हैं.

सैन फ्रांसिस्को में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की धूम

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया गया है. इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोक-कला ने विदेश की भूमि पर अपनी विशेष छाप छोड़ी. इस कार्यक्रम में नाचा (एनएसीएचए) के बे एरिया चैप्टर ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई. उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य को समर्पित एक आकर्षक स्टॉल लगाया, जिसमें राज्य के विशिष्ट उत्पादों, हस्तशिल्प, लोककला और पारंपरिक आभूषणों का सुंदर प्रदर्शन किया गया. इस स्टॉल के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और हस्तशिल्प की विविधता को प्रदर्शित किया गया. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नाचा बे एरिया चैप्टर के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह प्रयास छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़वासी राज्य के सांस्कृतिक राजदूत हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और मूल्यों को पूरी दुनिया में स्थापित कर रहे हैं. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य का मनमोहक प्रदर्शन, जिसने वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों के प्रतिनिधियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में प्रस्तुत यह लोकनृत्य न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि उसने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को भी सजीव कर दिया.

इस्लामाबाद में न्यायिक परिसर के मुख्य गेट के पास खड़ी कार में जोरदार धमाका

12 लोगों की मौत, 25 से अधिक घायल, जांच शुरू

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में दोपहर करीब सवा 12 बजे राजधानी के सेक्टर जी-11 स्थित न्यायिक परिसर के बाहर जोरदार बम धमाका हुआ. शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया था कि धमाका कार में लगे गैस सिलिंडर के कारण हुआ, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि यह आत्मघाती हमला था. स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक लोग घायल हुए हैं. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके की आवाज़ राजधानी के कई किलोमीटर तक सुनी गई. पुलिस और रेस्क्यू टीम ने तुरंत घटना स्थल को घेर लिया और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी. अधिकारियों ने बताया कि न्यायिक परिसर के मुख्य गेट के पास खड़ी एक कार में अचानक विस्फोट हुआ. मौके पर मौजूद लोगों और स्थानीय मीडिया की तस्वीरों में सड़कों पर घायल और मृतक लोगों के दृश्य देखे गए. घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. अभी तक स्थानीय अधिकारियों ने मृतकों और घायल लोगों की अंतिम संख्या की पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह संभावना है कि मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है. फॉरेंसिक टीमों को घटना स्थल पर बुलाया गया है ताकि धमाके के कारण और प्रकार का पता लगाया जा सके.पाकिस्तान सरकार और पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि विस्फोट या तो कार में लगे गैस सिलिंडर के कारण हुआ या किसी आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया. हालांकि, सरकार ने इस समय इसे आतंकी हमला मानने या किसी संगठन के शामिल होने की पुष्टि नहीं की है. इस धमाके के बाद राजधानी के अन्य कोर्ट-कॉम्प्लेक्स और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है. पुलिस ने आसपास की सड़कें और न्यायिक परिसर को पूरी तरह से सील कर दिया है. सुरक्षा एजेंसियां संभावित खतरों और अन्य हमलों को रोकने के लिए सतर्क हैं. यह घटना ऐसे समय हुई है जब इस्लामाबाद में पहले से ही सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी. अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में हाई-प्रोफाइल सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की जा रही है.

ढाका में देसी बम विस्फोट : गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में राजधानी के विभिन्न इलाकों में देसी बम विस्फोटों की घटनाएं हुईं, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. शहर के कई हिस्सों में अचानक हुई इन घटनाओं ने आम लोगों में भय और चिंता पैदा कर दी है. विस्फोटों की जानकारी ढाका पुलिस और स्थानीय मीडिया ने साझा की. पुलिस के अनुसार, दिन भर में कुल 11 जगहों पर बम फेंके गए और तीन बसों में आग लगा दी गई. विस्फोट की घटनाएँ सार्वजनिक परिवहन, मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेश के मत्स्य पालन सलाहकार से जुड़े संस्थानों, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कार्यालय और धार्मिक प्रतिष्ठानों के आस-पास हुईं. मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से जुड़े संस्थान के सामने सुबह लगभग 3:45 बजे पहला विस्फोट हुआ. मीरपुर मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी सज्जाद रोमन ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने इमारत पर देसी बम फेंका और तुरंत भाग गए. एनसीपी के संयुक्त सदस्य सचिव मुश्फिक उस सालेहिन ने बताया कि घटनास्थल से एक बिना फटा बम बरामद किया गया. पार्टी कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल पर भागते दो संदिग्धों का पीछा किया और तीन अन्य संदिग्धों को पास से हिरासत में लिया, जिससे कुल पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया. विस्फोटों का असर ढाका के स्कूल और कॉलेजों तक भी पहुँचा. ककरैल स्थित सेंट मैरी कैथेड्रल और मोहम्मदपुर स्थित सेंट जोसेफ स्कूल एवं कॉलेज के पादरियों और शिक्षकों के आवासों के सामने भी कई देसी बम फेंके गए. इसके अलावा, सुबह शाहजादपुर और मेरुल बड्डा में दो बसों में आग लगा दी गई, जबकि शाम को धानमंडी स्थित लैब एड अस्पताल के सामने एक और बस में आग लगी. इन घटनाओं के बाद ढाका पुलिस ने पूरे शहर में सुरक्षा बढ़ा दी है. पुलिस मुख्यालय ने ढाका के सभी थानों को 13 नवंबर से पहले गश्त और निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है.

जीओसी धीरज सेठ ने अभ्यास 'अखंड प्रहार' के दौरान कोणार्क कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

जैसलमेर। सदर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने त्रि-सेवा अभ्यास "त्रिशूल" के एक प्रमुख चरण के रूप में आयोजित अभ्यास अखंड प्रहार के दौरान कोणार्क कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की. इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय सेना की बहु-क्षेत्रीय (मल्टी-डोमेन) क्षमताओं को भारतीय वायुसेना के साथ समन्वय में संचालित एकीकृत अभियानों के माध्यम से प्रमाणित करना था. रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि आर्मी कमांडर ने संयुक्त हथियार अभियानों का अवलोकन किया.

दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली विस्फोट के बाद देश को दृढ़ता से आश्वस्त किया कि इस दुखद घटना के जिम्मेदारों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने इस घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए नागरिकों को आश्वस्त किया कि देश की प्रमुख जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं. जांच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को नई दिल्ली में मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) की ओर से आयोजित दिल्ली रक्षा संवाद में उद्घाटन भाषण दे रहे थे. इस संवाद का विषय 'रक्षा क्षमता विकास के लिए नए युग की प्रौद्योगिकी का उपयोग' था.

मजबूत एकीकृत नेटवर्क ने दिलाई सफलता

नयी दिल्ली। वायु मार्शल तिवारी ने एक रक्षा सम्मेलन में कहा कि पिछले 20 वर्षों में देश का मिलिट्री इंटीग्रेटेड नेटवर्क सिस्टम काफी विकसित हुआ है और इससे हमारी निगरानी तथा जवाबी क्षमता बेहतर हुई. ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम और अन्य एयर डिफेंस तंत्रों ने केंद्रीय भूमिका निभाई. उन्होंने कहा कि 7 मई की सुबह शुरू हुए सैन्य अभियान ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया. इसके बाद पाकिस्तान द्वारा की गई जवाबी कोशिशों को हमारे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम किया. 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम लागू हुआ जिससे संघर्ष थमा. तिवारी ने स्पष्ट कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि अगर हम सही तरीके से एकीकृत कमांड नेटवर्क से जुड़े हैं और हमारे पास फैसले लेने के लिए सही उपकरण हैं तो एक असरदार ऑपरेशन कैसे किया जा सकता है.' उन्होंने जोड़ा कि नेटवर्क की मजबूती के बिना हमें इतनी सफलता नहीं मिल पाती. सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध सिर्फ जीतने के बारे में नहीं बल्कि बुनियादी रणनीति और देश के भविष्य से जुड़ा होता है.

ऑपरेशन सिंदूर

भारत-नेपाल सीमा वार्ता आज से दिल्ली में

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच वार्षिक सीमा वार्ता 12 नवंबर से दिल्ली में शुरू होगी. यह बैठक तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें दोनों देशों के शीर्ष सुरक्षा बलों -भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल के आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) - के प्रमुख शामिल होंगे. यह वार्ता खास इसलिए मानी जा रही है क्योंकि यह सितंबर में काठमांडू में हुए 'जेन जेड' प्रदर्शन के बाद दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच पहली उच्च-स्तरीय बैठक होगी. वार्ता में सीमा पार अपराधों पर रोक, रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने की प्रणाली और समन्वित सीमा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा. अधिकारियों का कहना है कि यह बैठक सीमा पर शांति और सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम साबित होगी. भारत की ओर से एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंगल बैठक का नेतृत्व करेंगे, जबकि नेपाल की ओर से एपीएफ के इंस्पेक्टर जनरल राजू आर्यल अपनी टीम के साथ भाग लेंगे.

तमिलनाडु के हितों को नहीं होगा नुकसान : सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक बार फिर राज्य की महत्वाकांक्षी मेकेदातु परियोजना पर जोर देते हुए कहा कि यह योजना बेंगलुरु की पानी की समस्या का स्थायी समाधान साबित होगी और इससे तमिलनाडु के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कर्नाटक हमेशा कावेरी जल बंटवारे के समझौते का पालन करता आया है. मैसूर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिद्धारमैया ने कहा, "तमिलनाडु को कावेरी जल प्राधिकरण के अनुसार 177 टीएमसी पानी दिया जाना चाहिए, लेकिन इस साल हमने 150 टीएमसी अतिरिक्त पानी जारी किया है. यानी तय कोटे से लगभग दोगुना पानी हमने दिया है." उन्होंने कहा कि इस वर्ष कर्नाटक में भारी बारिश हुई है, जिससे तमिलनाडु को भी पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा. मेकेदातु परियोजना के तहत रामनगर जिले के कनकपुरा के पास, तमिलनाडु की सीमा से सटे इलाके में, एक बड़ा जलाशय और बिजलीघर बनाने की योजना है.

रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने 12 नवंबर से 24 नवंबर तक सरयू से संगम तक 180 किलोमीटर लंबी पदयात्रा का ऐलान किया है. इस यात्रा का नाम 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' रखा गया है और इसका नेतृत्व राज्यसभा सांसद संजय सिंह करेंगे. पार्टी ने बताया कि यह यात्रा कोई राजनीतिक रस्म नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों की लड़ाई है. यह पदयात्रा अयोध्या की सरयू नदी से शुरू होकर प्रयागराज के संगम तक पहुंचेगी. रास्ते में गांवों, कस्बों, शहरों और मोहल्लों में जनता से संवाद किया जाएगा. यात्रा में युवाओं, किसानों, शिक्षकों, समाजसेवियों और हर वर्ग के लोग शामिल होंगे. यात्रा का थीम सॉन्ग 'मैं देश बचाने निकला हूं' पहले ही जारी किया जा चुका है, जिसे मशहूर गायक अल्तमश फरीदी ने गाया है और बिलाल भाई ने लिखा है. आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने रोजगार के नाम पर बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज उत्तर प्रदेश बेरोजगारों की राजधानी बन गया है. सरकारी भर्तियां रुकी हुई हैं.

- आम आदमी पार्टी 12 नवंबर से निकालेगी 180 किमी की यात्रा

केंद्र सरकार ने नेत्रदान और कॉर्निया प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए नियमों में किया बड़ा बदलाव

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने नेत्रदान और कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित कर दिए हैं. नए संशोधन के अनुसार अब कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्रों में क्लिनिकल स्पेक्युलर माइक्रोस्कोप की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है. स्पेक्युलर माइक्रोस्कोप का उपयोग नेत्र रोग विशेषज्ञ कॉर्निया की एंडोथीलियल कोशिकाओं की संख्या, आकार और स्वास्थ्य की जांच के लिए करते थे. यह उपकरण दान की गई आंख की गुणवत्ता का आंकलन करने में मदद करता था और यह तय करता था कि कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए उपयुक्त है या नहीं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह निर्णय विशेषज्ञों की सिफारिशों और विभिन्न हितधारकों से परामर्श के बाद लिया गया है.

गद्दाफी के बेटे को एक दशक के बाद रिहा किया

बेरूत। लेबनान ने लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के सबसे छोटे बेटे हन्नीबल गद्दाफी को लगभग 10 वर्षों की हिरासत के बाद रिहा कर दिया. मीडिया खबरों के मुताबिक यह रिहाई 9 लाख डॉलर (लगभग 7.6 करोड़ रुपये) के जमानत भुगतान के बाद हुई, जो मूल रूप से निर्धारित 110 लाख डॉलर से काफी कम थी. 49 वर्षीय हन्नीबल गद्दाफी को दिसंबर 2015 में लेबनान पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया था. उन पर आरोप था कि उन्होंने 1978 में लेबनानी इमाम मुस्तफा अल-हज्जार के अपहरण और हत्या के बारे में जानकारी छिपाई, जो उनके पिता के शासनकाल के दौरान हुई थी. यह घटना लेबनानी आंदोलन 'अमल मिलिशिया' से जुड़ी थी, जिसे उनके पिता का समर्थन था. इस बीच लेबनानी न्यायिक स्रोतों के अनुसार, हन्नीबल की कानूनी टीम ने पिछले महीने अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उसकी रिहाई के लिए 110 लाख डॉलर की जमानत तय की गई थी. हालांकि बाद में अदालत ने जमानत राशि घटाकर नौ लाख डॉलर कर दी.

सर्जियो गोर बने भारत में अमेरिका के नए राजदूत, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की तारीफ की, कहा

भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के नए राजदूत और दक्षिण-एशिया विशेष दूत के रूप में नियुक्त किया और उन्हें शपथ दिलाई. शपथ ग्रहण समारोह व्हाइट हाउस में आयोजित किया गया, जिसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, एटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और कई सांसद भी मौजूद थे. इस अवसर पर ट्रंप ने भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण और अहम साझेदार बताया. उन्होंने कहा कि पहले हमारे व्यापारिक सौदे बहुत ही असमान थे, लेकिन अब न्यायपूर्ण और सभी के लिए फायदेमंद समझौता बनने के करीब हैं. ट्रंप ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और यहां 1.5 अरब से अधिक लोग रहते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे संबंध शानदार हैं और सर्जियो गोर इस संबंध को और मजबूत करेंगे. ट्रंप ने गोर के कार्यभार को लेकर कहा कि उनका मुख्य काम अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना होगा. इसके अलावा, गोर निवेश बढ़ाने, अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ाने और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने में भी मदद करेंगे.

सर्जियो गोर ने शपथ ग्रहण के बाद कहा कि वह अमेरिका और भारत के संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे और उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को इस अवसर के लिए धन्यवाद भी दिया. उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनके लिए यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और वह इसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे. गौरतलब है कि सर्जियो गोर को अगस्त में भारत के लिए अमेरिका का राजदूत और दक्षिण-एशिया विशेष दूत नियुक्त किया गया था. इससे पहले अक्टूबर में उन्होंने भारत का दौरा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल से मुलाकात की थी. यह दौरा अमेरिका और भारत के बीच सामरिक और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के प्रयासों के तहत किया गया. विशेषज्ञों का मानना है कि गोर की नियुक्ति दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने में मदद करेगी. शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अमेरिका और भारत के संबंधों पर जोर देते हुए ट्रंप ने कहा कि गोर इन रिश्तों को और अधिक गहराई देंगे और दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती प्रदान करेंगे. सर्जियो गोर की नियुक्ति और शपथ ग्रहण अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे सामरिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है.

जेल से रिहा हुए पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय, तीन साल बाद लौटे घर : कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय को सोमवार को अदालत से मिली जमानत के बाद मंगलवार दोपहर को रिहा कर दिया गया. तीन साल, तीन महीने और 19 दिन जेल में रहने के बाद वे आखिरकार अपने नाकतला स्थित घर लौटे. दोपहर करीब 2:20 बजे वे बाइपास के पास स्थित अस्पताल से व्हीलचेयर पर बाहर निकले. जैसे ही वे अस्पताल के मुख्य द्वार पर आए, पहले से मौजूद समर्थकों ने 'पार्थ दा जिंदाबाद' के नारे लगाए. इस दृश्य को देखकर भावुक हुए पार्थ चट्टोपाध्याय की आंखें नम हो गईं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.